www.shabdawanisamachar.page
राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र
RNI NO. DELHI/2003/09049

दैनिक शब्दवाणी समाचार

नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत

वर्षः 24 अंकः 286 नई दिल्ली, रविवार, 09 अगस्त, 2026 पृष्ठः संख्या 12 मूल्यः 10 रूपये

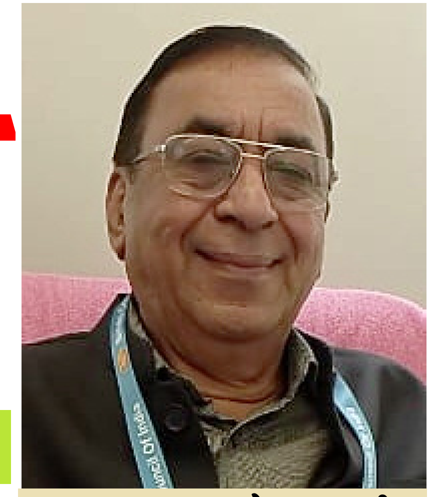

सलाहकार संपादक : अशोक लालवानी

Dedicated to Sindhi Council of India

सार संक्षेप

देशभक्ति की धुनों से गूंजेगा परम योद्धा स्थल

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस से पहले रविवार को राष्ट्रीय युद्ध स्मारक के परम योद्धा स्थल के पास का सार्वजनिक प्लाजा क्षेत्र वायु सेना के बैंड की देशभक्ति की धुनों से गुंजेगा। वायु सेना के अनुसार यह प्रस्तुति रविवार शाम पांच से छह बजे तक की जाएगी।

अभिषेक बनर्जी को नहीं मिली विदेश जाने की इजाजत

कोलकाता। टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने आंखों के इलाज के लिए विदेश जाने की अनुमति नहीं देने के कलकत्ता हाई कोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। हाई कोर्ट ने उनकी याचिका यह कहते हुए खारिज की थी कि वह अस्पताल के मेडिकल बोर्ड के सामने अपनी मेडिकल स्थिति की जांच कराने के लिए तैयार नहीं थे।

नए विवाद में फंसे राजपाल यादव

शाहजहांपुर। फिल्म अभिनेता राजपाल यादव की कानूनी मुश्किलों के बीच अब शाहजहांपुर में उनकी एक कोठी को लेकर नया विवाद सामने आया है। विक्रम कुशवाहा नाम के एक एक शख्स ने कोठी पर कब्जा करने का आरोप राजपाल यादव पर लगाया है। विक्रम सिटी मजिस्ट्रेट को प्रार्थना पत्र देकर पूरे मामले की जांच कराने और संपत्ति को कब्जा मुक्त कराने की मांग की है।

मुंबई नमक सत्याग्रह में शामिल होंगे जेन जी

मुंबई। 'एकता-द पावर ऑफ यूथ एंड यूनिटी' के संस्थापक-अध्यक्ष राकेश शंकर शेट्टी ने दावा किया है कि मुलुंड में होने वाले आगामी 'नमक सत्याग्रह' में जेन जी और जेन अल्फा पीढ़ी के लोग बड़ी संख्या में शामिल होंगे। यह विरोध प्रदर्शन सॉल्टपैन (नमक बनाने वाली) जमीन के प्रस्तावित इस्तेमाल के खिलाफ किया जा रहा है। शेट्टी ने यह बयान मुंबई की 256 एकड़ सॉल्टपैन जमीन को धारावी पुनर्विकास परियोजना के लिए सौंपे जाने से बचाने के लिए युवाओं को एकजुट करने के मकसद से आयोजित एक जागरूकता कार्यक्रम के बाद दिया।

पूर्व टीएमसी विधायक सनत डे गिरफ्तार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले की नैहाटी सीट से पूर्व टीएमसी विधायक सनत डे को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उन पर वसूली और भाजपा कार्यकर्ताओं से कथित मारपीट के आरोप हैं। पुलिस ने सुबह दत्तपुकुर से पकड़ा। उन्हें बाद में नैहाटी थाने ले जाया गया। सनत डे की गिरफ्तारी के बाद भाजपा कार्यकर्ता नैहाटी थाने के बाहर जुट गए और विरोध प्रदर्शन किया। सनत डे बैरकपुर औद्योगिक क्षेत्र की राजनीति में प्रभावशाली रहे हैं। वह पूर्व राज्य मंत्री पार्थ भौमिक के करीबी सहयोगी माने जाते थे।

तेजी से बदलती दुनिया में जो सीखेगा, वही जीतेगा: मोदी

नई दिल्ली, 08 अगस्त (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि दुनिया और प्रौद्योगिकी तेजी से बदल रही है और आने वाले समय में वही व्यक्ति और समाज आगे बढ़ेगा, जो लगातार सीखने के लिए तैयार रहेगा। उन्होंने युवाओं से अपनी जिज्ञासा को जीवित रखने, सवाल पूछने और नई चुनौतियों के नए समाधान खोजने का साहस रखने का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री ने यहां भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली के 57वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आज दुनिया का रणनीतिक समीकरण और वैश्विक शक्ति संतुलन तेजी से बदल रहा है। इसके पीछे सबसे बड़ी ताकत प्रौद्योगिकी की गति है। कोई निश्चित रूप से नहीं कह सकता कि अगले 20-30 वर्षों की दुनिया कैसी होगी, लेकिन बदलाव के हर दौर में चुनौतियों के साथ नए अवसर भी पैदा होते हैं।

उन्होंने कहा, दुनिया बदलेगी, टेक्नोलॉजी बदलेगी, इंडस्ट्री बदलेगी और प्रोफेशन भी बदलेंगे, लेकिन इन सबके बीच मेरी बात याद रखिएगा- जो सीखेगा, वो जीतेगा। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति नई चुनौतियों के नए समाधान खोजने का साहस रखेगा, उसके लिए चुनौतियां ही अवसर बन जाएंगी। यही सोच आईआईटी दिल्ली ने विद्यार्थियों को सिखाई है।

समारोह में 3,000 से अधिक स्नातकों को डिग्रियां प्रदान की गईं, जिनमें 587 पीएचडी शोधार्थी शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर प्रेसिडेंट्स गोल्ड मेडल, डायरेक्टर्स गोल्ड मेडल, शंकर दयाल शर्मा गोल्ड मेडल और परफेक्ट टेन गोल्ड मेडल भी प्रदान किए। उन्होंने आईआईटी दिल्ली के सोनीपत परिसर में स्थापित एआई आधारित हाई-परफॉर्मेंस सुपरकंप्यूटिंग सुविधा परम प्रज्ञा का भी उद्घाटन किया।

प्रधानमंत्री ने दीक्षांत समारोह में शामिल विद्यार्थियों को जीवन के नए अध्याय की शुरूआत के लिए बधाई देते हुए कहा कि आज उनके परिवारों को जिस तरह अपने बच्चों पर गर्व हो रहा है, उसी तरह उन्हें भी सभी विद्यार्थियों पर गर्व है। विद्यार्थी केवल डिग्री लेकर नहीं जा रहे हैं, बल्कि देश के लिए कुछ करने के सपने लेकर निकल रहे हैं। मोदी ने कहा कि हर विद्यार्थी के मन में भविष्य की अलग तस्वीर होगी। कोई पहली नौकरी और पहली तनख्वाह का इंतजार कर रहा होगा, कोई नए शहर में नई शुरूआत की तैयारी कर रहा होगा, कोई अपना स्टार्टअप शुरू करने का सपना देख रहा होगा तो किसी ने अगली प्रतियोगी परीक्षा का लक्ष्य बनाया होगा। उन्होंने कहा कि रास्ते और सपने भले ही अलग हों, लेकिन आईआईटी दिल्ली में प्रवेश से लेकर दीक्षांत तक की यात्रा सभी के लिए यादगार है।

उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे इस पल को पूरी तरह जिएं, क्योंकि भविष्य में जब उन पर ज्यादा जिम्मेदारियां होंगी तो यही यादें उन्हें कैंपस जीवन की ओर वापस ले जाएंगी। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने दोस्तों, शिक्षकों, प्रोफेसरों, मेंटर्स और सपोर्ट स्टाफ को कभी नहीं भूलने की सलाह दी और कहा कि सफलता के बाद भी इन रिश्तों को जीवित और संजोकर रखें।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आईआईटी तक पहुंचना और यहां की पढ़ाई पूरी करना आसान नहीं था। एक-एक विषय, प्रोजेक्ट, मिड-सेमेस्टर और एंड-सेमेस्टर परीक्षा जैसे छोटे-छोटे कदमों ने विद्यार्थियों को आज के मुकाम तक पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि जीवन में भी बड़ी चुनौतियों को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटकर उनका समाधान किया जा सकता है।

उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि कैंपस और कैंपस के बाहर की जिंदगी में बड़ा अंतर है। आईआईटी की परीक्षा में सिलेबस होता है, लेकिन जिंदगी की परीक्षा में सब कुछ आउट ऑफ सिलेबस होता है। इसलिए जीवन में जिज्ञासा और सीखने की प्रवृत्ति को बनाए रखना जरूरी है। जो बातें बिना सोचे-समझे स्वीकार कर ली जाती हैं, उन्हें परखना चाहिए और उन पर सवाल उठाने चाहिए। हालांकि केवल सवाल पूछना पर्याप्त नहीं है, बल्कि समाधान खोजने का साहस भी होना चाहिए।

मोदी ने कहा कि अगले 20-30 वर्षों में युवा जो भी करेंगे, उसका असर विकसित भारत की यात्रा पर पड़ेगा। इसलिए उनके प्रत्येक निर्णय का आधार यह होना चाहिए कि उससे देश की कौन-सी जरूरत पूरी होगी और देश को क्या लाभ मिलेगा। भारत आर्थिक, तकनीकी और औद्योगिक आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है और युवाओं को इसी मजबूत आधार पर विकसित भारत का निर्माण करना है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि युवाओं के लिए पहले बंद रहे कई क्षेत्रों को खोला गया है और आधुनिक सोच के साथ नए अवसर पैदा किए जा रहे हैं। उन्होंने अंतरिक्ष क्षेत्र का उदाहरण देते हुए कहा कि कुछ वर्ष पहले इस क्षेत्र में लगभग सारा काम सरकार तक सीमित था, लेकिन आज यह हजारों युवाओं के लिए अवसरों का विशाल आकाश बन चुका है। युवा अपने लॉन्च व्हीकल बना रहे हैं और रॉकेट लॉन्च कर रहे हैं तथा ऐसी उपलब्धियां हासिल कर रहे हैं, जिन्हें दुनिया के गिने-चुने देश ही हासिल कर पाए हैं।

तमिलनाडु में विजय को बड़ा झटका

परिसीमन पर बुलाई बैठक से 37 सांसदों ने बनाई दूरी

■ मुख्यमंत्री विजय की बैठक में केवल 20 सांसद पहुंचे

चेन्नई, 8 अगस्त (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एस. जोसेफ विजय ने केंद्र की प्रस्तावित परिसीमन प्रक्रिया और तमिलनाडु पर इसके संभावित असर पर चर्चा करने के लिए शनिवार को राज्य के सभी सांसदों की बैठक बुलाई। ज्यादातर सांसदों ने इस बैठक का बहिष्कार किया। तमिलनाडु के कुल 57 सांसद हैं, जिसमें 39 लोकसभा के और 18 राज्यसभा के हैं। मुख्यमंत्री विजय की बैठक में केवल 20 सांसद ही पहुंचे, जबकि 37 सांसदों ने इससे दूरी बना ली। राजनीतिक हलकों में इसे मुख्यमंत्री विजय के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। बैठक में शामिल होने वाले सांसदों में मुख्य रूप से कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों के हैं। इसमें कांग्रेस के 12 सांसद, वीसीके के 2, सीपीआई के 2, सीपीएम के 2, एमडीएमके के 1 और आईयूएमएल के 1 सांसद शामिल हुए। डीएमके ने पहले ही कह दिया था कि उनके सासंद इस बैठक का बहिष्कार करेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक तमिलनाडु के मुख्य सचिव एम. साई कुमार ने छह और सात अगस्त को सांसदों को अलग से आमंत्रण भेजे थे। इस बैठक में डीएमके के 30 सांसद के साथ-साथ, एआईएडीएमके के 4, पीएमके के 1, एमएनएम के 1, डीएमडीके के 1 सांसद शामिल नहीं हुए। बैठक में शामिल न होने वाले सांसदों का आरोप है कि विजय सरकार कावेरी जल विवाद जैसे मुख्य मुद्दे से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए यह सब कर रही है।

कावेरी नदी के पानी के बंटवारे को लेकर कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच यह दशकों पुराना विवाद है। हाल ही में यह मुद्दा फिर चर्चा में आया है क्योंकि कर्नाटक सरकार कावेरी नदी पर मेकेदाटू प्रोजेक्ट बनाना चाहती है, जिसका तमिलनाडु विरोध कर रहा है।

जेपीएससी पर गतिरोध कायम

हेमंत सरकार ने खोला बातचीत का रास्ता पर नहीं बनी सहमति

सरकार और छात्रों के बीच दूसरे दौर की बातचीत बेनतीजा

रांची, 8 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड में जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षाओं में गड़बड़ी को लेकर चल रहे छात्र आंदोलन के बीच सरकार ने अब समाधान की दिशा में एक और कदम बढ़ाया। रांची के मोरहाबादी स्थित स्टेट गेस्ट हाउस में छात्रों के अलग-अलग गुटों के साथ लगातार दूसरे दिन बातचीत हुई।

शनिवार को जेएलकेएम से जुड़े छात्र प्रतिनिधियों के साथ दूसरे दौर की बातचीत हुई। बैठक के बाद सरकार ने साफ किया कि वह किसी एक छात्र संगठन से बात तक सीमित नहीं रहेगी। सभी छात्र संगठनों की मांग और सुझाव लिए जाएंगे। इसी कड़ी में सरकार ने छात्रों के सुझाव सरकार तक पहुंचाने के लिए एक ईमेल आईडी भी जारी की है। हालांकि 14वीं जेपीएससी पीटी रद्द करने और सीबीआई जांच की मांग पर अभी अंतिम सहमति नहीं बन सकी है। आंदोलन 15वें दिन भी जारी रहा। इससे पहले शनिवार को जेएलकेएम से जुड़े छात्र प्रतिनिधिमंडल के साथ सरकार की दूसरे दौर की बातचीत हुई।

14वीं जेपीएससी पीटी व सीबीआई जांच पर फंसा पेंच

बता दें कि आंदोलनकारी छात्रों की प्रमुख मांग 14वीं जेपीएससी सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा को रद्द करने और कथित गड़बड़ियों की स्वतंत्र जांच कराने की है। छात्र सीबीआई जांच या राज्य से बाहर के रिटायर्ड हाईकोर्ट जजों की कमेटी से जांच की मांग कर रहे हैं। सरकार की ओर से फिलहाल इन मांगों पर अंतिम फैसला नहीं लिया गया है।

छठी पीढ़ी के फाइटर जेट प्रोजेक्ट में फ्रांस के साथ शामिल होगा भारत

नई दिल्ली, 08 अगस्त (हि.स.)। पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमानों के इंजनों के लिए जूझ रहे भारत ने फ्रांस के साथ छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमान विकास कार्यक्रम में शामिल होने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। इसका मकसद घरेलू पांचवीं पीढ़ी के एएमसीए प्रोजेक्ट के साथ-साथ भविष्य के हवाई युद्ध के गैप को भरना है। फ्यूचर कॉम्बैट एयर सिस्टम (एफसीएएस) को फ्रांस सरकार लीड कर रही है। पार्लियामेंट्री पैनल ने रक्षा मंत्रालय से ऐसे एयरक्राफ्ट खरीदने का रोडमैप मांगा है।

रक्षा मंत्रालय ने छठी पीढ़ी के फाइटर एयरक्राफ्ट के मुद्दे पर डिफेंस पर स्टैंडिंग कमिटी को बताया है कि भारत ने फ्रांस के नेतृत्व वाले फ्यूचर कॉम्बैट एयर सिस्टम यानी छठी जेनरेशन के फाइटर एयरक्राफ्ट डेवलपमेंट प्रोग्राम में शामिल करने के लिए ठोस कोशिशें शुरू की हैं। फ्रांस की अगुवाई में इस कार्यक्रम का मकसद अगली पीढ़ी के फाइटर जेट को युद्ध के आसमान में उतारना है, जो कॉम्बैट क्लाउड के जरिए रिमोट कैरियर स्वार्मिंग ड्रोन से जुड़ा हो। यह एक बराबर साझेदारी वाला कार्यक्रम है, जिसका मकसद ऑपरेशनल तैयारी को टारगेट करना है। हालांकि, भारत अपने स्वदेशी पांचवीं पीढ़ी के एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) को अलग से बना रहा है, इसलिए भारत ने फ्रांस के नेतृत्व वाले एफसीएएस फ्रेमवर्क को प्राथमिकता देते हुए इंटरनेशनल फ्रेमवर्क का मूल्यांकन करने और उनके साथ तालमेल बिठाने के लिए औपचारिक रूप से यह कदम उठाया है। इस कार्यक्रम में भागीदारी का मकसद छठी पीढ़ी के जरूरी बिल्डिंग ब्लॉक्स जैसे कि मैन्ड-अनमैन्ड टीमिंग (लॉयल विंगमैन ड्रोन), एडवांस्ड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, कॉम्बैट क्लाउड नेटवर्किंग और हाई-थ्रस्ट प्रोपल्शन तक जल्दी पहुंच बनाना है। संसद में पेश अपनी रिपोर्ट में रक्षा पर पार्लियामेंट्री स्टैंडिंग कमेटी ने भविष्य के वायु केंद्रित युद्ध में भारत की एयर डोमेन क्षमताएं बढ़ाने के लिए छठी पीढ़ी के एयरक्राफ्ट का विकास कार्यक्रम आगे बढ़ाने की सिफारिश की है। कमेटी को बताया गया है कि छठी पीढ़ी का लड़ाकू विमान विकसित करने के लिए यूके, इटली, जापान, फ्रांस और जर्मनी एक साथ मिलकर काम कर रहे हैं। फ्यूचर कॉम्बैट एयर सिस्टम (एफसीएएस) को फ्रांस सरकार लीड कर रही है।

■ **पार्लियामेंट्री पैनल ने रक्षा मंत्रालय से विकसित एयरक्राफ्ट खरीदने का रोडमैप मांगा**

सिर्फ कानून बनाने से नहीं मिलेगा न्याय : सीजेआई

इंदौर में सूर्यकांत ने सिस्टम को दिखाया आईना

इंदौर, 8 अगस्त (एजेंसियां)। न्याय की राह सिर्फ कानून की धाराओं से नहीं खुलती, उसके लिए किसी की पीड़ा को सुनना और समझना भी जरूरी है। इंदौर में वेस्ट जोन रीजनल कॉन्फ्रेंस में सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत ने न्याय व्यवस्था की इसी मानवीय कसौटी को सामने रखा।

उन्होंने कहा कि न्याय की पहुंच संवाद से संभव है और असली चुनौती उन लोगों तक पहुंचना है, जो अपनी आवाज लेकर हमारे दरवाजे तक नहीं आ पाए। भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत शनिवार को इंदौर में आयोजित 'इंहेंसिंग एक्सेस टू जस्टिस' वेस्ट जोन रीजनल कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। 'सशक्त भविष्य, गरिमा और समावेशन सिर्फ भारी-भरकम शब्द नहीं, बल्कि यही विधिक सहायता की असली परिभाषा हैं। न्याय की सुगम पहुंच सिर्फ किताबों या अदालतों के दम पर नहीं, बल्कि सीधे संवाद से ही संभव है। जस्टिस सूर्यकांत ने दो टूक शब्दों में कहा कि समाज के गरीब, वंचित और पिछड़े वर्गों को कानूनी मदद देना कोई 'चैरिटी' या अहसान नहीं है, बल्कि यह उनका संवैधानिक अधिकार है। समानता और सुशासन का असली अर्थ बताते हुए कहा कि हमारी क्षमता केवल इसमें नहीं है कि जो व्यक्ति अदालत तक पहुंच गया, हमने उसकी मदद कर दी।

देवी अहिल्याबाई के न्याय मॉडल का किया जिक्र

इंदौर की ऐतिहासिक पावन धरा की सराहना करते हुए सीजेआई ने कहा कि 'लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर का शासन सीधे संवाद पर आधारित था। वह प्रतिदिन बिना किसी रुकावट के आम जनता, किसानों और विधवाओं से मिलती थीं और मौके पर ही न्याय करती थीं। आज की न्याय प्रणाली को भी उसी समर्पण और निष्पक्षता की जरूरत है।

हिमाचल में यात्रियों से भरी बस पलटी, 7 की मौत

चंबा, 8 अगस्त (एजेंसियां)। हिमाचल के चंबा जिले में शनिवार सुबह एक बड़ा बस हादसा हो गया। तीसा-बैरागढ़ मार्ग पर चालुज मोड़ के पास यात्रियों से भरी एक बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस भीषण हादसे में सात लोगों की मौत हो गई, जबकि 11 अन्य यात्री घायल हो गए। घायलों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरातफरी का माहौल बन गया। बैरागढ़ से चंबा की ओर जा रही यह निजी बस हादसे का शिकार हुई। जानकारी के अनुसार, बस में 18 सवारियां मौजूद थीं।

■ बस में थीं 18 सवारियां मौजूद
■ हादसे के कारणों की जांच में जुटी पुलिस

पीएम मोदी व मुख्यमंत्री सुक्खू ने जताया दुख

हिमाचल प्रदेश के चंबा में हुए हादसे में लोगों की मौत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने दुख जताया। मोदी ने कहा कि मेरी संवेदनाएं उन परिवारों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। घायल लोग जल्द से जल्द ठीक हों। सुक्खू ने हादसे में अपनों को खोने वाले परिवारों के प्रति संवेदनाए व्यक्ति की हैं।

रूसी तेल पर अमेरिकी टैरिफ की नई धमकी

भारत पर सौ प्रतिशत टैरिफ वाला बिल अमेरिकी सीनेट में पास

वॉशिंगटन, 8 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिकी सीनेट ने रूस पर प्रतिबंध वाले बिल को मंजूरी दे दी है। इसका मकसद रूस से ऊर्जा खरीद करने वाले भारत और चीन जैसे देशों पर भारी टैरिफ लगाना है। सीनेट में इस बिल को 86-11 के भारी बहुमत से पास किया गया। इसके पहले बिल का नाम बदलकर लिंडसे ओ.ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026 किया गया। यह बिल पूर्व अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने तैयार किया था।

प्रधानमंत्री और भाजपा अध्यक्ष से मिले योगी आदित्यनाथ

नई दिल्ली, 08 अगस्त (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर दिल्ली में राजनीतिक सरगर्मियां तेज होती जा रही हैं। शनिवार मेरठ में कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा के बाद प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दिल्ली पहुंचे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनके सरकारी आवास पर मुलाकात की। यह मुलाकात करीब एक घंटे से ऊपर चली।

आदित्यनाथ ने इसके बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात की। योगी ने नितिन नवीन के साथ मुलाकात की तस्वीर भी साझा की।

प्रधानमंत्री मोदी से योगी की मुलाकात को 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों से जोड़कर देखा जा रहा। दिल्ली में भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के साथ मुख्यमंत्री की हुई मुलाकातों के दौरान प्रदेश में सरकार और संगठन के बीच बेहतर समन्वय, आगामी चुनाव की रणनीति तथा केंद्र और राज्य सरकार की विकास योजनाओं को लेकर भी विचार-विमर्श की संभावना जताई जा रही है। राजनीतिक हलकों में मुख्यमंत्री के इस दौरे को आगामी विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा की तैयारियों के लिहाज से अहम माना जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि लगभग दो महीने पहले भी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री और भाजपा अध्यक्ष से मुलाकात की थी।

कांग्रेस ने महिला आरक्षण विधेयक का हमेशा समर्थन किया: पवन खेड़ा

नई दिल्ली, 08 अगस्त (हि.स.)। कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा ने महिला आरक्षण विधेयक को लेकर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के बयान पर कहा कि कांग्रेस ने हमेशा महिला आरक्षण का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि पहले संसद को सुचारू रूप से चलने दिया जाए, इसके बाद बाकी मुद्दों पर चर्चा की जा सकती है। रिजिजू के सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर किए गए पोस्ट से जुड़े एक सवाल पर पवन खेड़ा ने प्रयागराज में कहा, महिला आरक्षण विधेयक कौन लेकर आया था? इसे किसने पेश किया था? सोनिया गांधी ने 2012 में इसे पेश किया था। उनकी नीयत में खोट है। पहले संसद चलने दीजिए, फिर बाकी चीजों पर चर्चा करेंगे। महिला आरक्षण विधेयक को कौन बाधित कर रहा है, यह सभी जानते हैं। उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी के महिला सशक्तीकरण से जुड़े बयान के बाद मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस पर सियासी तंज कसा था। रिजिजू ने कांग्रेस के आधिकारिक एक्स पोस्ट को साझा करते हुए इसे पार्टी के रुख में सकारात्मक बदलाव का संकेत बताया और उम्मीद जताई कि कांग्रेस अब महिला आरक्षण विधेयक का बिना शर्त समर्थन करेगी। रिजिजू ने इसी पोस्ट को साझा करते हुए कांग्रेस के रुख पर सवाल उठाया और महिला आरक्षण विधेयक के समर्थन को लेकर पार्टी से स्पष्ट रुख की उम्मीद जताई थी।

संक्षिप्त समाचार

डीयू छात्रा ने बंद पड़े मॉल की आठवीं मंजिल से कूदकर दी जान

नई दिल्ली, 08 अगस्त (हि.स.)। पश्चिमी दिल्ली के राजौरी गार्डन इलाके में शनिवार को एक बंद पड़े मॉल की आठवीं मंजिल से कूदकर डीयू की 19 वर्षीय छात्रा ने खुदकुशी कर ली। मृतका की पहचान सिमरन के रूप में हुई है। पुलिस को उसके पास से एक सुसाइड नोट मिला है। इसमें उसने अपनी मौत के लिए किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया है। शुरूआती जांच में सामने आया है कि वर्ष 2021 में मां की मौत के बाद से वह अवसाद में थी। पुलिस इस पहलू को घटना की वजह मानकर जांच कर रही है। पुलिस उपायुक्त पश्चिमी हरेश्वर वी. स्वामी के अनुसार, शनिवार दोपहर राजौरी गार्डन थाने में तैनात हवलदार अवधेश इलाके में पेट्रोलिंग कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें राजौरी में स्थित एक मॉल में युवती का शव पड़े होने की सूचना मिली। उन्होंने तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को इसकी जानकारी दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो करीब 19-20 वर्ष की युवती का शव मिला। पुलिस ने शव की तलाशी ली तो उसकी जेब से सुसाइड नोट बरामद हुआ। नोट में युवती ने अपनी मौत के लिए किसी अन्य व्यक्ति को जिम्मेदार नहीं ठहराया था। इसके बाद पुलिस ने परिजनों को घटना की सूचना दी। मौके पर क्राइम टीम और एफएसएल को बुलाकर घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए गए। परिजनों ने पुलिस को बताया कि सिमरन दिल्ली विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट कॉलेज में बीए तृतीय वर्ष की छात्रा थी। वर्ष 2021 में उसकी मां की मौत हो गई थी। इसके बाद से वह मानसिक रूप से परेशान चल रही थी और अवसाद में थी। पुलिस को आशंका है कि इसी परेशानी के चलते उसने यह कदम उठाया होगा। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। छात्रा का मोबाइल फोन कब्जे में लेकर उसकी जांच की जा रही है। इसके अलावा पुलिस ने उसके कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) भी निकलवाए हैं। पुलिस परिजनों से पूछताछ करने के साथ ही मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रही है।

मदनपुर खादर में नाले के तेज बहाव में बहा युवक, तलाश जारी

नई दिल्ली, 08 अगस्त (हि.स.)। दक्षिण पूर्वी जिले के मदनपुर खादर स्थित प्रियंका कैंप नाले में शुक्रवार रात करीब आठ बजे 18 वर्षीय युवक तेज बहाव में बह गया। युवक की पहचान अंकित के रूप में हुई है। वह नोएडा से आली विहार स्थित अपने घर लौट रहा था। नाले के पास अचानक पैर फिसलने से वह पानी में गिर गया। तेज बहाव उसे अपने साथ बहा ले गया। सूचना मिलने पर पुलिस, दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) की ईस्ट रेस्क्यू टीम और दिल्ली अग्निशमन सेवा की टीम ने तलाश शुरू की, लेकिन शनिवार तक युवक का कोई पता नहीं चल सका। रेस्क्यू अभियान जारी है। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार रात 8:31 बजे थाना कालिंदी कुंज में पहली पीसीआर कॉल मिली। इसके बाद रात 8:54 बजे थाना सरिता विहार में भी सूचना मिली। कॉल में बताया गया कि प्रियंका कैंप नाले में एक युवक बह गया है। सूचना मिलते ही एक एसआइ को बीट स्टाफ के साथ मौके पर भेजा गया। मौके पर पुलिस को शिकायतकर्ता मनीष (23) मिला। पूछताछ में मनीष ने बताया कि उसका दोस्त अंकित (18) नोएडा से घर लौट रहा था। प्रियंका कैंप नाले के पास पहुंचने पर अचानक उसका पैर फिसल गया और वह नाले में गिर गया। पानी का बहाव तेज होने के कारण वह बह गया। पुलिस के अनुसार घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने डीडीएमए की ईस्ट रेस्क्यू टीम और दिल्ली अग्निशमन सेवा को मौके पर बुलाया। दमकल की मदद से नाले में युवक की तलाश शुरू की गई। टीमों ने नाले के आसपास और पानी के बहाव वाले हिस्सों में काफी देर तक सर्च ऑपरेशन चलाया। पुलिस के अनुसार, लगातार प्रयास के बावजूद युवक का अब तक कोई सुराग नहीं मिला है। तेज बहाव के बीच रेस्क्यू टीमों की ओर से नाले के आगे के हिस्सों में भी तलाश की जा रही है। पुलिस, डीडीएमए और अग्निशमन विभाग की टीमें युवक को खोजने में जुटी हुई हैं।

मुख्यमंत्री ने फूल बरसाकर कांवड़ियों का दिल्ली में किया स्वागत

नई दिल्ली, 08 अगस्त (हि.स.)। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली-यूपी स्थित अप्सरा बॉर्डर पर कांवड़ियों पर फूल बरसाकर उनका दिल्ली में स्वागत किया। उन्होंने शनिवार को दिलशाद गार्डन के पास अप्सरा बॉर्डर पर कांवड़ सेवा शिविर का दौरा करके व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस मौके पर उनके साथ दिल्ली के कला और संस्कृति मंत्री कपिल मिश्रा, विधायक संजय गोयल, जितेंद्र महाजन सहित बड़ी संख्या में शिवभक्त एवं कांवड़ सेवा में समर्पित कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजधानी में शिव भक्तों के लिए कांवड़ शिविर लगाए गए हैं और इसमें हजारों कांवड़िए आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार कांवड़ लाने वाले सभी शिव भक्तों का स्वागत और अभिनंदन कर रही है। मुख्यमंत्री ने विभिन्न कांवड़ सेवा शिविरों का निरीक्षण किया और वहां श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं और व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने सेवा कार्य में समर्पित शिविर संचालकों एवं कार्यकताओं से भी संवाद किया और उनके सेवा भाव की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार प्रत्येक शिवभक्त की कांवड़ यात्रा को सरल, सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सरकार द्वारा आवश्यक व्यवस्थाओं पर लगातार नजर रखी जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने सभी कांवड़ शिविरों में सभी जरूरी इंतजाम किए हैं। हमने हर पंडाल में सुविधाएं देने, आर्थिक मदद पहुंचाने और साफ-सफाई व यातायात का प्रबंधन करने जैसी सभी चीजों का ध्यान रखा है। दिल्ली प्रशासन ने इन सभी बातों का इंतजाम किया है। कपिल मिश्रा ने कहा कि कांवड़ यात्रा दिल्ली की सांस्कृतिक पहचान है और इस वर्ष दिल्ली सरकार ने श्रद्धालुओं के लिए सहायता राशि को लगभग दोगुना कर दिया है। मुख्यमंत्री आज स्वयं कांवड़ियों के स्वागत और व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने दिल्ली-यूपी बॉर्डर पहुंची हैं। उल्लेखनीय है कि दिल्ली सरकार की ओर से कांवड़ शिविरों में श्रद्धालुओं के लिए विशेष सुविाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिनमें शिविरों में नियमित सफाई, पर्याप्त पेयजल एवं मोबाइल शौचालयों की व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता के साथ सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत रखा गया है। इसके लिए 1,200 यूनिट तक मुफ्त बिजली, सुचारु यातायात व्यवस्था तथा विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय के लिए सिंगल विंडो व्यवस्था सुनिश्चित की गई हैं। सरकार की ओर से कांवड़ समितियों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही, जिसके तहत 20,000 वर्गफुट से अधिक क्षेत्र में 6 से 12 दिन तक संचालित होने वाले बड़े कांवड़ शिविरों को अधिकतम 15 लाख रुपये तक की सहायता दी गई है। अन्य श्रेणियों के शिविरों की अनुदान राशि में भी वृद्धि की गई है।

नरेश बाल्यान केस में दिल्ली पुलिस की आरोप तय करने पर दलीलें पूरी

नई दिल्ली, 08 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट में शनिवार को मकोका मामले के आरोपित एवं आम आदमी पार्टी के नेता नरेश बाल्यान से जुड़े मामले में दिल्ली पुलिस ने आरोप तय करने पर अपनी दलीलें पूरी कर लीं। स्पेशल जज प्रशांत कुमार ने दो आरोपितों की ओर से आरोप तय करने पर दलीलें सुनने के लिए 17 अगस्त को सुनवाई करने का आदेश दिया।

सुनवाई के दौरान आज दिल्ली पुलिस की ओर से पेश वकील अखंड प्रताप सिंह ने आरोप तय करने पर दलीलें रखीं। सिंह ने संक्षिप्त लिखित दलीलें दाखिल करने की अनुमति मांगी जिसे कोर्ट ने मंजूर कर लिया। आज सुनवाई के दौरान आरोपितों नरेश बाल्यान और कपिल सांगवान की ओर से दलीलें रखने के लिए समय देने की मांग की जबकि बाकी किसी भी आरोपित के वकील ने आरोप तय करने पर कोई दलील नहीं रखी। उसके बाद कोर्ट ने नरेश बाल्यान और कपिल सांगवान की ओर से दलीलें रखने का अंतिम अवसर देते हुए 17 अगस्त को सुनवाई नियत करने का आदेश दिया।

इस मामले में कोर्ट दो आरोपितों कपिल सांगवान और उमेद सिंह को भगोड़ा करार दे चुकी है, दिल्ली पुलिस ने 17 अप्रैल को इस मामले में छठी पूरक चार्जशीट दाखिल की थी। कोर्ट ने 24 जनवरी को मनोज यादव के खिलाफ दिल्ली पुलिस की पांचवी पूरक चार्जशीट पर संज्ञान लिया था। कोर्ट ने मनोज यादव ऊर्फ कैरा के खिलाफ मकोका की धारा 3 और 4 के आरोपों के तहत चार्जशीट पर संज्ञान लिया था। चार्जशीट में मनोज यादव को संगठित अपराध गिरोह का सदस्य बताया गया है। ये गिरोह कपिल सांगवान ऊर्फ नंदू संचालित करता है। कपिल सांगवान ऊर्फ नंदू फिलहाल फरार है। दिल्ली पुलिस की जांच में मनोज यादव के खिलाफ आपराधिक गतिविधियों के कई एफआईआर दर्ज होने का पता चला।

दिल्ली पुलिस के मुताबिक नरेश बाल्यान और गैंगस्टर के बीच बातचीत का मामला 2023 का है। इसे लेकर 2023 में एफआईआर दर्ज कराई गई थी। कपिल सांगवान एक कुख्यात गैंगस्टर है, जो फिलहाल ब्रिटेन में रह रहा है। कपिल सांगवान पिछले पांच वर्षों से ब्रिटेन में ही रह रहा है। कपिल सांगवान और नरेश बाल्यान दोनों दिल्ली के नजफगढ़ के रहने वाले हैं। कपिल सांगवान हरियाणा के नफे सिंह हत्याकांड का भी मास्टरमाइंड है। उसे बल्लू पहलवान और भाजपा नेता सुरेंद्र मटियाला की हत्या का भी मास्टरमाइंड माना जाता है। नरेश बाल्यान ने 2015 और 2019 में उत्तम नगर विधानसभा सीट का प्रतिनिधित्व किया था।

मर्सिडीज और वैगनआर की टक्कर में पास में खड़ी 70 वर्षीय महिला की मौत

नई दिल्ली, 08 अगस्त (हि.स.)। बाहरी उत्तरी जिले के नरेला के मामूरपुर इलाके में शनिवार सुबह मर्सिडीज और वैगनआर की आमने-सामने की टक्कर में 70 वर्षीय महिला की मौत हो गई। टक्कर के बाद वैगनआर पीछे की ओर जा रही एक लोडिंग थ्री-व्हीलर से जा टकराई।

इसी दौरान महिला दोनों वाहनों के बीच फंस गई और गंभीर चोट लगने से मौके पर ही उनकी मौत हो गई। मृतका की पहचान उर्मिला, निवासी मामूरपुर के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, हादसा शनिवार सुबह करीब आठ बजे हिमालय अपार्टमेंट के सामने हुआ। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मर्सिडीज और वैगनआर की आमने-सामने की टक्कर हुई। टक्कर इतनी तेज थी कि वैगनआर पीछे की ओर चली गई और पास में खड़ी लोडिंग वैन से जा भिड़ी।

इसी दौरान वहां मौजूद उर्मिला दोनों वाहनों के बीच फंस गईं। हादसे में उन्हें गंभीर चोटें आईं और उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं, वैगनआर चालक को मामूली चोटें आईं। उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। हादसे में किसी अन्य व्यक्ति के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना नहीं है। घटना की सूचना मिलते ही नरेला थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची।

पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ दोनों वाहनों और आसपास की स्थिति की जांच की। हादसे की सही वजह पता लगाने के लिए पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

पूर्वी दिल्ली में सात अफ्रीकी नागरिक पकड़े

नई दिल्ली, 08 अगस्त (हि.स.)। पूर्वी दिल्ली में वीजा अवधि खत्म होने के बाद भी भारत में रह रहे विदेशी नागरिकों की पहचान और सत्यापन के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पांडव नगर थाना क्षेत्र में पूर्वी जिला पुलिस के स्पेशल स्टाफ और एंटी नारकोटिक्स स्क्वाड (एएनएस) यूनिट की टीमों ने खुफिया सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए सात अफ्रीकी नागरिकों को पकड़ा है।

इनमें पांच नाइजीरियाई और दो घाना के नागरिक हैं। पुलिस ने सभी की आव्रजन और वीजा संबंधी जानकारी की जांच की।

आवश्यक दस्तावेजी कार्रवाई पूरी करने के बाद सभी को दिल्ली के विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) के समक्ष पेश किया। एफआरआरओ ने सातों के खिलाफ प्रतिबंध आदेश जारी किए हैं। साथ ही उन्हें दिल्ली के सेवा सदन, लामपुर, नरेला में रखा गया है। सभी को उनके संबंधित देशों में भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

पूर्वी जिले के पुलिस उपायुक्त राजीव कुमार ने शनिवार को बताया कि पुलिस ने जिले में रहने वाले विदेशी नागरिकों की पहचान और उनके दस्तावेजों के सत्यापन के लिए विशेष अभियान शुरू किया था।

इसी अभियान के तहत स्पेशल स्टाफ और एएनएस की टीमों को विदेशी नागरिकों के संबंध में खुफिया जानकारी जुटाने और उनके आव्रजन दस्तावेजों की जांच करने की जिम्मेदारी दी गई। टीमों ने स्थानीय स्तर पर पूछताछ, मानव स्त्रोतों से मिली जानकारी और उपलब्ध सरकारी रिकार्ड के आधार पर ऐसे विदेशी नागरिकों की पहचान शुरू की, जिनके भारत में रहने की वैध अवधि की जांच जरूरी थी।

पुलिस उपायुक्त के अनुसार एसीपी आपरेशन पवन कुमार के मार्गदर्शन में स्पेशल स्टाफ के इंस्पेक्टर जितेंद्र मलिक की टीम ने चार अगस्त को पांडव नगर थाना क्षेत्र में कार्रवाई की। टीम ने चार विदेशी नागरिकों को पकड़ा।

इनकी पहचान नाइजीरियाई नागरिक ओसिता एनकेमेन (54), नगोता सिंथिया (38) तथा घाना के नागरिक जेम्स (25) और लिवी ओटुगाना (27) के रूप में हुई। सत्यापन के दौरान पुलिस को नगोता सिंथिया के पुराने आपराधिक मामले में शामिल होने की जानकारी मिली। उसके खिलाफ एनसीबी बेंगलुरु में वर्ष 2021 में एनडीपीएस एक्ट की धारा 22 के तहत प्राथमिकी दर्ज है। इस मामले में अदालत में कार्रवाई लंबित है। पुलिस उसके संबंध में आगे की कार्रवाई कानून के अनुसार कर रही है।

इसी अभियान के तहत इंस्पेक्टर अरुण कुमार की टीम ने पांडव नगर थाना क्षेत्र से तीन नाइजीरियाई नागरिकों को हिरासत में लिया। इनकी पहचान केलिची कार्नेलियस (32), ओकेचुक्वु सोलोमन (36) और चुकवुडी एलिसन (43) के रूप में हुई।

जांच में सामने आया कि केलिची कार्नेलियस और ओकेचुक्वु सोलोमन के नाम संबंधित अधिकारियों की ओर से तैयार की गई ओवरस्टे करने वाले विदेशी नागरिकों की सूची में दर्ज हैं। इसके बाद दोनों टीमों ने सभी सातों विदेशी नागरिकों के दस्तावेजों और आव्रजन स्थिति का निर्धारित प्रक्रिया के तहत सत्यापन किया।

पुलिस के अनुसार, सभी आवश्यक दस्तावेजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद सातों विदेशी नागरिकों को एफआरआरओ दिल्ली के समक्ष पेश किया गया।

दिल्ली-एनसीआर में 12 करोड़ की हेरोइन-एमडीएमए की तस्करी का भंडाफोड़, पांच गिरफ्तार

नई दिल्ली, 08 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली-एनसीआर में बड़े स्तर पर हेरोइन और एमडीएमए की तस्करी करने वाले अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ गिरोह का क्राइम ब्रांच की ईस्टर्न रेंज-1 ने भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनमें दो नाइजीरियाई नागरिक, एक घाना का नागरिक और दो भारतीय शामिल हैं। आरोपित दिल्ली-एनसीआर में मादक पदार्थों की थोक और खुदरा सप्लाई से जुड़े थे।

पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से कुल 2.554 किलोग्राम हेरोइन और 881 ग्राम एमडीएमए बरामद किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में बरामद मादक पदार्थों की कीमत करीब 12 करोड़ रुपये आंकी गई है। इसके अलावा 11 मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान नाइजीरियाई नागरिक मोरिस ओकाली (52), घाना के अकरा निवासी इमैनुएल (38), नाइजीरियाई नागरिक इबेग्बु चिगोजी सैमुअल (50), नंद नगरी निवासी समीर उर्फ नन्हे (28) और गाजियाबाद के शालीमार गार्डन निवासी लेडी (36) के रूप में हुई है।

क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त संजीव यादव ने शनिवार को बताया कि नशा मुक्त भारत अभियान के तहत दिल्ली-एनसीआर में सक्रिय ड्रग तस्करों की जानकारी जुटाई जा रही थी।

पुलिस टीम को सूचना मिली कि नाइजीरियाई नागरिक मोरिस ओकाली दिल्ली में हेरोइन और एमडीएमए की थोक व खुदरा सप्लाई करता है। वह 19 और 20 जुलाई की दरम्यानी रात शाहदरा स्थित एक अस्पताल के पास मादक पदार्थों की खेप देने आने वाला है। सूचना के आधार पर पुलिस ने अस्पताल के पास घेराबंदी की। निगरानी के बाद काले रंग का कंधे वाला बैग लेकर पहुंचे मोरिस को दबोच लिया गया।

बैग की तलाशी में चार पॉलिथीन पैकेट मिले। इनमें 2.004 किलोग्राम हेरोइन और 863 ग्राम एमडीएमए बरामद हुई। मोरिस को पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ की गई। उसकी निशानदेही पर चंदर विहार, निलोठी इलाके से घाना निवासी इमैनुएल और नाइजीरियाई नागरिक इबेग्बु चिगोजी सैमुअल को पकड़ा गया। पुलिस के मुताबिक, इबेग्बु के कब्जे से 254 ग्राम उच्च गुणवत्ता की हेरोइन और इमैनुएल के पास से 14 ग्राम एमडीएमए बरामद हुई। दोनों को 23 जुलाई को गिरफ्तार किया गया। पुलिस उपायुक्त के अनुसार जांच आगे बढ़ने पर पुलिस ने गिरोह से जुड़े दो भारतीय सदस्यों की पहचान की। नंद नगरी निवासी समीर उर्फ नन्हे को 31 जुलाई को शालीमार गार्डन, गाजियाबाद से पकड़ा गया। उसके पास से 300 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। इसके बाद लेडी को पश्चिम विहार से गिरफ्तार किया गया।

जांच में सामने आया कि समीर और लेडी दोनों दिल्ली-एनसीआर में सक्रिय संगठित ड्रग सिंडिकेट के सदस्य थे। दोनों पर हेरोइन और एमडीएमए की खरीद, भंडारण, परिवहन और सप्लाई में शामिल होने का आरोप है। जांच के मुताबिक, विदेशी नागरिकों का नेटवर्क दिल्ली में मादक पदार्थों की खरीद और भंडारण के बाद उन्हें स्थानीय सप्लायरों और पेडलरों तक पहुंचाता था। समीर कथित तौर पर गिरोह की आखिरी कड़ी के रूप में काम करता था।

दिल्ली विधानसभा में अंतरराष्ट्रीय युवा प्रतिनिधिमंडल और छात्र सांसदों का संवाद

नई दिल्ली, 08 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली विधानसभा सचिवालय ने शनिवार को दो छात्र प्रतिनिधिमंडलों की मेजबानी की। इनमें ब्रिक्स चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के यूथ लीडरशिप डायलॉग 3.0 में हिस्सा लेने वाले अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागी और छात्र संसद (डीपीएस लावा, नागपुर) के छात्र सांसद शामिल रहे। ये प्रतिनिधिमंडल दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता की पहल पर साप्ताहिक युवा संपर्क कार्यक्रम के तहत विधानसभा पहुंचे। विजेंद्र गुप्ता ने ब्रिक्स चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री यूथ लीडरशिप डायलॉग 3.0 के प्रतिनिधियों के साथ शासन व्यवस्था, सार्वजनिक नीति, कूटनीति, उद्यमिता और वैश्विक सहयोग समेत विभिन्न विषयों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र और सुशासन ऐसे सार्वभौमिक मूल्य हैं, जो विभिन्न देशों के युवाओं के बीच विविध दृष्टिकोणों के साथ होने वाले संवाद से और मजबूत होते हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को सार्वजनिक नीति की समझ और कूटनीतिक दृष्टिकोण से सशक्त बनाना सतत विकास और वैश्विक स्थिरता को आगे बढ़ाने के लिए अत्यंत आवश्यक है। वैश्विक चुनौतियों के समाधान में युवा पीढ़ी की भागीदारी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। दूसरे प्रतिनिधिमंडल में छात्र संसद (डीपीएस लावा, नागपुर) के विद्यार्थी शामिल थे। उन्होंने नागरिक चेतना और विधायी प्रक्रियाओं की समझ विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित विशेष अभिमुखीकरण कार्यक्रम में भाग लिया। युवा प्रतिनिधियों को यह प्रत्यक्ष रूप से समझने का अवसर मिला कि संसदीय व्यवस्था में विधेयकों पर किस प्रकार चर्चा होती है, कानून कैसे बनाए जाते हैं और कार्यपालिका की जवाबदेही किस प्रकार सुनिश्चित की जाती है।

दोनों प्रतिनिधिमंडलों को दिल्ली विधानसभा के ऐतिहासिक सदन का निर्देशित भ्रमण भी कराया गया। 1912 में निर्मित इस भवन में मूल रूप से केंद्रीय विधान सभा का संचालन होता था। यह भारत के स्वतंत्रता आंदोलन तथा देश के विधायी विकास से जुड़ी अनेक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाओं का साक्षी रहा है।

दिल्ली लक्ष्मी योजना में 5.14 लाख से अधिक पंजीकरण, 2.18 लाख से अधिक आवेदन अंतिम रूप से हुए जमा

नई दिल्ली, 08 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली लक्ष्मी योजना में केवल सात दिनों के भीतर ही पांच लाख से अधिक महिलाओं ने पोर्टल पर पंजीकरण करा लिया है, जबकि दो लाख से अधिक आवेदन अंतिम रूप से जमा किए जा चुके हैं।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को एक बयान में कहा कि दिल्ली लक्ष्मी योजना को लॉन्च के महज सात दिनों में मिल रहा अभूतपूर्व जनसमर्थन अपने आप में ऐतिहासिक है। किसी भी सरकारी योजना में इतने कम समय में इतने बड़े पैमाने पर पंजीकरण होना एक रिकॉर्ड है। ये आंकड़े योजना के प्रति महिलाओं के बढ़ते विश्वास और आर्थिक सशक्तीकरण के लिए दिल्ली सरकार की पहल को मिल रही व्यापक स्वीकृति को दशार्ता है।

आज दोपहर तक दिल्ली लक्ष्मी योजना के तहत कुल 5,14,460 महिलाओं के आवेदन पंजीकृत हो चुके हैं। इनमें से 4,36,316 पंजीकृत लाभार्थियों ने अपना जिला व विधानसभा क्षेत्र दर्ज कर दिया है, जबकि 78,144 लाभार्थियों ने अभी तक अपना जिला व विधानसभा क्षेत्र दर्ज नहीं कराया है। वहीं, कुल 2,18,728 आवेदन अंतिम रूप से जमा हो चुके हैं। जिलावार आंकड़ों के मुताबिक उत्तर-पूर्वी जिले में सबसे अधिक 73,676 पंजीकृत उपयोगकताओं ने अपना जिला दर्ज किया है, जिनमें से 38,579 आवेदन अंतिम रूप से जमा किए जा चुके हैं। इसके बाद उत्तर-पश्चिमी जिले में 55,700 पंजीकृत उपयोगकताओं में से 34,545, पश्चिमी जिले में 44,358 में से 18,967, दक्षिण-पश्चिमी जिले में 44,149 में से 23,994, बाहरी उत्तर जिले में 39,401 में से 23,694, दक्षिण-पूर्वी जिले में 38,979 में से 18,725, उत्तरी जिले में 37,263 में से 16,074, पूर्वी जिले में 30,621 में से 14,771, दक्षिणी जिले में 26,316 में से 11,000, मध्य-उत्तरी जिले में 14,279 में से 6,332, मध्य जिले में 13,715 में से 4,208, पुरानी दिल्ली जिले में 12,286 में से 6,038 और नई दिल्ली जिले में 5,573 में से 1,801 आवेदन अंतिम रूप से जमा किए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार ने विधानसभा चुनाव के दौरान महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण का जो संकल्प लिया था, उसे पूरी प्रतिबद्धता के साथ धरातल पर उतारा जा रहा है।

उन्होंने कहा कि इतने कम समय में रिकॉर्ड संख्या में पंजीकरण होना दिल्ली की माताओं-बहनों के सरकार और योजना के प्रति विश्वास को दशार्ता है। दिल्ली लक्ष्मी योजना के तहत पात्र महिलाओं को प्रतिमाह 2,500 रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को दो वित्तीय विकल्प दिए गए हैं। पहले विकल्प में 1,000 रुपये सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) वॉलेट में दैनिक आवश्यकताओं के लिए उपलब्ध होंगे तथा 1,500 रुपये आरडी व एफडी में जमा किए जाएंगे। दूसरे विकल्प में पूरी 2,500 रुपये की राशि आरडी व एफडी में जमा कर दी जाएगी, जिससे महिलाओं की दीर्घकालिक बचत को बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि योजना पूरी तरह तकनीक आधारित और पारदर्शी व्यवस्था पर संचालित हो रही है। आवेदन प्रक्रिया से लेकर दस्तावेज सत्यापन, पात्रता परीक्षण, अनुमोदन, पीएफएमएस एकीकरण, बैंकिंग सेवाओं तथा भुगतान तक की पूरी प्रक्रिया डिजिटल माध्यम से संचालित की जा रही है। प्रत्येक आवेदन चार-स्तरीय जांच एवं अनुमोदन प्रक्रिया से गुजरता है, जिससे केवल वास्तविक पात्र लाभार्थियों को ही योजना का लाभ सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य योजना की पहली किस्त रक्षाबंधन के अवसर पर पात्र लाभार्थी महिलाओं के खातों में जारी करने का है।

दिल्ली भाजपा मनाएगी आजादी का जश्न, 9 से 15 अगस्त तक होंगे कार्यक्रम

नई दिल्ली, 08 अगस्त (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) दिल्ली प्रदेश की ओर से 80वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में 9 से 15 अगस्त तक जिला एवं मंडल स्तर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इनमें तिरंगा यात्रा, शहीद स्मारकों की स्वच्छता एवं माल्यार्पण, शहीद परिवारों का सम्मान, विभाजन विभीषिका दिवस तथा स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण कार्यक्रम प्रमुख हैं। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने बताया कि 9 अगस्त को अंग्रेजों भारत छोड़ो दिवस से स्वतंत्रता दिवस सप्ताह की शुरूआत होगी। उन्होंने कहा कि सप्ताह भर दिल्ली के विभिन्न जिलों एवं मंडलों में देशभक्ति और राष्ट्रसेवा से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों के संयोजन एवं संचालन की जिम्मेदारी प्रदेश महामंत्री विष्णु मित्तल को दी गई है। प्रदेश उपाध्यक्ष सुनील यादव एवं सारिका जैन तथा पूर्वांचल मोर्चा अध्यक्ष संतोष ओझा सह-संयोजक के रूप में उनका सहयोग करेंगे। स्वतंत्रता दिवस सप्ताह की शुरूआत 9 अगस्त को सुबह 9:30 बजे सांसद बांसुरी स्वराज मालवीय नगर में पंडित मदन मोहन मालवीय की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर करेंगी। इसके बाद सुबह 10:15 बजे पिलंजी गांव से ग्रेटर कैलाश तक तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी।

भविष्यफल

मेष - बुद्धि व धन का दुरूपयोग न करें। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय न गंवाकर काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। शुभांक - 2 - 5 - 7

वृष - कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान - सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक - 2 - 3 - 5

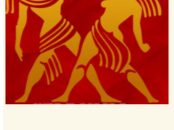

मिथुन - यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढने. के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। ङ्कषचतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक - 2 - 3 - 8

कर्क - मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक - 2 - 5 - 8

सिंह - परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक - 4 - 8 - 9

कन्या - अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी ङ्कषचता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति ठीक रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। कार्य सफल होंगे। शुभांक - 2 - 8 - 9

तुला - मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पाएंगे। परामर्श आदि सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक - 5 - 7 - 9

वृश्चिक - दिनभर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। उतावलेपन से बचे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। किसी को हानि पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। स्वविवेक से कार्य करे। शुभांक - 1 - 2 - 7

धनु - घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। शुभांक - 1 - 4 - 8

मकर - प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। स्त्री - संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक - 5 - 6 - 8

कुंभ - कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कुछ तनाव हो सकता हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक - 5 - 7 - 8

मीन - आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढने.के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख - आनंद कारक समय है। यात्रा सुखद रहेगी। शुभांक - 3 - 5 - 7

ईरान ने जारी की फाइटर जेट के मलबे की तस्वीरें

ईरान ने अमेरिका को युद्ध में हुए नुकसान के दिए सबूत

अप्रैल की शुरुआत में ईरान ने अमेरिका के इस विमान को मार गिराया था

● तेहरान / (एजेंसी)

ईरानी सरकारी मीडिया ने अमेरिका-ईरान जंग में नष्ट हुए विमानों के मलबे की तस्वीरें जारी की हैं। इनमें अमेरिकी वायुसेना के एफ-15ई स्ट्राइक ईगल का मलबा भी शामिल है। तस्वीरों में विमान का ऊपरी कवर और एसीईएस-2 इजेक्शन सीट साफ दिखाई दे रही है। तस्वीरों में नजर आ रहे निशानों के आधार पर इस एफ-15ई की पहचान विमान संख्या 00-3000 के तौर पर की गई है। यह विमान डीयूडीई 44 से जुड़ा है, जिसे अप्रैल की शुरुआत में ईरान के ऊपर मार गिराया गया था। एफ-15ई स्ट्राइक ईगल 00-3000 पहले भी चर्चा में रहा है। 2023-24 की तैनाती के दौरान इस विमान ने एआईएम-9एक्स साइडवाइंडर मिसाइलों से कम से कम नौ ड्रोन मार गिराए थे। ईरान की ओर से जारी तस्वीरों में विमानों के मलबे को जमीन के नीचे बने कमरों में प्रदर्शित किया है। एफ-15ई के साथ एमक्यू-1 प्रीडेटर और एमक्यू-9 रीपर ड्रोन का मलबा भी प्रदर्शनी में रखा गया है। एमक्यू-1 के नुकसान में अमेरिकी सेना का एमक्यू-1सी ग्रे ईगल संस्करण भी शामिल था।

प्रदर्शनी में विमानों के अवशेष

डीयूडीई-44 का यह एफ-15ई ब्रिटेन के आरएएफ लैकेनहीथ स्थित 48वें लड़ाकू विमान दल का था। लैकेनहीथ ने ऑपरेशन एपिक फ्यूरी के लिए अपने आधे से ज्यादा सक्रिय लड़ाकू विमान भेजे थे, जिनमें एफ-15ई स्ट्राइक ईगल और एफ-35ए लाइटनिंग-2 शामिल थे। तस्वीरों में एसीईएस-2 इजेक्शन सीट विमान के सबसे ज्यादा सुरक्षित हिस्सों में से एक दिखाई देती है। इसके अलावा प्रदर्शनी में इजराइली हर्मीस ड्रोन का मलबा भी रखा गया है। इनमें हर्मीस 900 का सीरियल नंबर 923 भी शामिल है, जिसे मार्च में हथियारों के साथ मार गिराया गया था। इसमें सी-130 विमानों के अवशेष भी प्रदर्शनी में शामिल हो सकते हैं, हालांकि तस्वीरों में उनकी तुरंत पहचान नहीं हो सकी है।

यूएई का दावा, ईरान ने अबू धाबी के टैंकर को बनाया निशाना

आबूधाबी। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने शनिवार को दावा किया कि ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रहे उसके एक तेल टैंकर को निशाना बनाया। बीबीसी फारसी के मुताबिक, यूएई के विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रहे अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी (एडीएनओसी) के तेल टैंकर पर ईरान के मिसाइल हमले की निंदा की। मंत्रालय के मुताबिक, इस हमले में किसी की मौत या घायल होने की खबर नहीं है। एडीएनओसी ने शुक्रवार को बताया था कि युद्ध शुरू होने के बाद से होर्मुज स्ट्रेट से गुजरते समय उसके 15 जहाजों को मिसाइल और ड्रोन हमलों का सामना करना पड़ा है। कंपनी के मुताबिक, इनमें से तीन हमले पिछले एक हफ्ते के दौरान हुए हैं।

शटडाउन से बचने यूएस सीनेट ने अंतरिम फंडिंग बिल को दी मंजूरी

वॉशिंगटन, आरएनएन। यूएस सीनेट ने शनिवार को संघीय सरकार के कामकाज को 11 दिसंबर तक सुचारू रूप से चलाने के लिए एक स्टॉपगैप (अंतरिम) फंडिंग बिल को मंजूरी दे दी। मध्यावधि चुनावों से पहले सरकारी शटडाउन की स्थिति से बचने की कोशिशों के तहत इस विधेयक को अब प्रतिनिधि सभा के पास भेजा गया है। 90-6 के भारी बहुमत से पारित यह विधेयक 30 सितंबर को वित्तीय वर्ष की समाप्ति

11 दिसंबर तक सुचारू रूप से चलाने की कवायद

के बाद हफ्तों के लिए मौजूदा फंडिंग स्तर को बनाये रखेगा। अगस्त के ग्रीष्मकालीन अवकाश पर जाने से पहले प्रतिनिधि सभा पहले ही अपना प्रस्ताव पारित कर चुकी थी, जो सरकार को दिसंबर तक फंड प्रदान करता है। हालांकि, रिपा के उस उपाय को डेमोक्रेटों के भारी विरोध का सामना करना पड़ा था। स्पीकर माइक जॉनसन को अब यह फैसला करना होगा कि 31 अगस्त को पांच सप्ताह के अवकाश से लौटने के बाद प्रतिनिधि सभा के पटल पर सीनेट के इस प्रस्ताव को लाया जाये या नहीं।

ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा की हालत बेहद नाजुक, मौत तक की उड़ी अफवाहें

● तेहरान / (एजेंसी)

ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई की हालत बेहद नाजुक है और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इजरायली मीडिया ने यह दावा किया है। मोजतबा खामेनेई की मौत तक की अफवाहें फैलाई जा रही हैं। हालांकि, इनकी स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो पाई है। यह खबर ऐसे समय सामने आई है जब ईरान में मोजतबा खामेनेई की सेहत और उनके सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आने को लेकर पहले से ही कई तरह की अटकलें लग रही हैं।

ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने भी हाल ही में कहा था कि इस समय मोजतबा खामेनेई से सीधे संपर्क करना बहुत मुश्किल है। इजराइली मीडिया चैनल 14 ने ईरान के अंदर मौजूद सूत्रों के हवाले से मोजतबा खामेनेई की हालत को गंभीर बताया है। इससे पहले राष्ट्रपति पेजेशकियन के प्रशासन के करीबी सूत्रों के हवाले से एक दावा किया गया था।

इसमें कहा गया कि ईरानी शासन के टॉप लेवल पर उनकी हालत को लेकर बेहद गंभीर स्थिति की चर्चा चल रही है। एक सूत्र ने यहां तक कहा कि अगर जल्द ही उनकी मौत की खबर सामने आए तो इसमें हैरानी नहीं होगी। हालांकि, यह ध्यान रखना जरूरी है कि ये सभी दावे मीडिया रिपोर्टों और अनाम सूत्रों पर आधारित हैं, इसलिए इन्हें अभी पुष्ट खबर नहीं माना जा सकता।

अमेरिका- इजराइल के हमलों में पिता की मौत

मोजतबा खामेनेई ने अपने पिता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद ईरान के सर्वोच्च नेता का पद संभाला था। फाइल में दी गई रिपोर्ट के मुताबिक, 28 फरवरी को हुए अमेरिका-इजरायल के संयुक्त सैन्य हमलों में उनके पिता की मौत के बाद उन्हें यह जिम्मेदारी मिली। इसके बाद से मोजतबा खामेनेई सार्वजनिक रूप से दिखाई नहीं दिए हैं और उनके संदेश मुख्य रूप से लिखित बयानों के जरिए सामने आए हैं। रिपोर्टों में दावा किया गया है कि शुरुआती हमलों में वह भी घायल हुए थे और सुरक्षा कारणों से छिपकर रह रहे हैं। मोजतबा खामेनेई की गैरमौजूदगी ने ईरान के नेतृत्व और देश की राजनीतिक स्थिरता को लेकर सवाल बढ़ा दिए हैं। अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मीडिया में उनकी लोकेशन व फैसले लेने की क्षमता को लेकर अलग-अलग दावे सामने आते रहे हैं। जुलाई में सऊदी मीडिया ने एक इजरायली सुरक्षा सूत्र के हवाले से दावा किया था कि वह ईरान में नहीं हैं। वहीं, ईरानी अधिकारियों ने पहले उनकी चोटों की गंभीरता को कम करके बताया था और कहा था कि वह रणनीतिक फैसलों व शासन संबंधी निर्देशों पर निगरानी बनाए हुए हैं। इसलिए फिलहाल मोजतबा खामेनेई के अस्पताल में भर्ती होने और उनकी हालत बेहद गंभीर होने की खबर को दावे के तौर पर ही देखा जाना चाहिए।

सिद्धिविनायक मंदिर: उच्च स्तरीय जांच के दिए आदेश

मुंबई, आरएनएन। महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने सबसे सम्मानित धार्मिक स्थलों में से एक श्री सिद्धिविनायक मंदिर में कथित वित्तीय गड़बड़ियों पर कार्रवाई करते हुये दान के तौर पर इकट्ठा की गयी रकम की व्यापक और उच्च-स्तरीय जांच के आदेश दिये हैं।

दान में गड़बड़ी का मामला

सरकार का यह आदेश एमएनएस प्रमुख राज ठाकरे द्वारा लगाए गये भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों के बाद आया है। सूत्रों के अनुसार ठाकरे ने यह दावा किया था कि मंदिर के दान-पात्रों से हर साल भारी-भरकम 18 करोड़ रुपये की हेराफेरी की जा रही है। राज्य के सभी अधिकारियों को पिछले पांच वर्षों (2023-2026) के दौरान मंदिर में आए दान और हुंडी (दान-पात्र) से इकट्ठा हुई रकम के विस्तृत रिकॉर्ड की जांच करने का निर्देश दिया गया है।

बच्चों की ट्रैफिकिंग के खिलाफ देशव्यापी अभियान शुरू

जेआरसी का लक्ष्य डेढ़ लाख गांवों को ट्रैफिकिंग मुक्त बनाना, एक लाख बच्चों को बचाना

नई दिल्ली (दिव्य भारत ब्यूरो)। बच्चों की ट्रैफिकिंग के खिलाफ जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) ने देशव्यापी अभियान शुरू किया है। नई दिल्ली में आयोजित चार दिवसीय राष्ट्रीय परामर्श कार्यक्रम के दौरान नेशनल कैंपेन अगेंस्ट चाइल्ड ट्रैफिकिंग की शुरुआत की गई। अभियान देश के 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के सभी 782 जिलों में जेआरसी के 250 से अधिक सहयोगी संगठनों के माध्यम से चलाया जाएगा।

अभियान के तहत अगले एक वर्ष में 1.5 लाख गांवों को बाल तस्करी मुक्त बनाने और ट्रैफिकिंग के शिकार एक लाख बच्चों को बचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए जिला प्रशासन, कानून प्रवर्तन एजेंसियों, बाल कल्याण समितियों और पंचायती राज संस्थाओं के साथ मिलकर बच्चों की पहचान, बचाव, पुनर्वास और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने पर जोर दिया जाएगा।

अभियान के तहत ग्राम सभाओं, पंचायतों और स्कूलों में व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। पोस्टर, बैनर और अन्य गतिविधियों के माध्यम से परिवारों एवं समुदायों को बाल तस्करी के बदलते तरीकों, पीड़ित बच्चों के कानूनी अधिकारों और उपलब्ध उपायों की जानकारी दी जाएगी। संवेदनशील क्षेत्रों और सीमावर्ती जिलों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

अभियान में तस्करी करने वाले गिरोहों की पहचान कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई मजबूत करने के साथ ही वंचित और कमजोर बच्चों को सरकारी योजनाओं, कौशल विकास कार्यक्रमों और शिक्षा से जोड़ने पर भी जोर रहेगा, ताकि उन्हें तस्करी के जोखिम से बचाया जा सके।

जेआरसी के अनुसार, एनसीआरबी-2024 के आंकड़ों में देश में प्रतिदिन छह बच्चों की ट्रैफिकिंग और पांच बच्चों को जबरन मजदूरी के लिए मजबूर किए जाने का उल्लेख है। संगठन के मुताबिक हर घंटे करीब 11 बच्चे गुम होते हैं, जिनमें बड़ी संख्या में बच्चों के ट्रैफिकिंग का शिकार होने की आशंका रहती है।

जेआरसी के संस्थापक भुवन ऋभु ने कहा कि मानव तस्करी के खिलाफ कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ त्वरित रिपोर्टिंग, समयबद्ध बचाव, जांच, कानूनी कार्रवाई और पुनर्वास की समन्वित व्यवस्था जरूरी है।

उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयासों से वर्ष 2030 तक बाल तस्करी जैसे संगठित अपराध को समाप्त करने की दिशा में निर्णायक प्रगति की जा सकती है।

भारत के गिफ्ट 5 मोर यूएन ऑफिस पहुंचे

● जिनेवा (एजेंसी)

यूएन ने भारत द्वारा उपहार में दिए पांच युवा मोरों का पैलेस आफ नेशंस स्थित परिसर में स्वागत किया है, जिससे इस स्थल पर चली आ रही एक पुरानी परंपरा जारी है। यूएन स्थित न्यूयार्क में भारत के स्थायी मिशन ने इस उपहार को भारत और यूएन साझेदारी का एक नया आयाम बताया। मिशन ने एक्स पोस्ट में लिखा कि साझेदारी का एक नया आयाम- यूएन जिनेवा को युवा मोरों का उपहार। पोस्ट में आगे लिखा कि राष्ट्रीय पक्षी होने के नाते, मोर हर

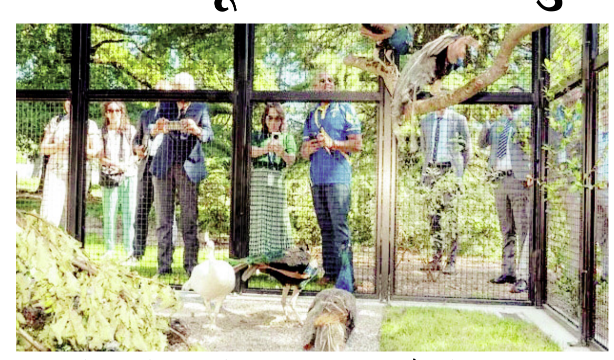

भारतीय के दिल में एक विशेष स्थान रखते हैं। उपहार का स्वागत करते हुए, संयुक्त राष्ट्र जिनेवा ने लिखा कि पांडा कूटनीति को भूल जाइए: पांच युवा मोर संयुक्त राष्ट्र जिनेवा पहुंच गए हैं। जो भारत द्वारा उपहार स्वरूप दिए गए हैं और संयुक्त राष्ट्र से भी पुरानी परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। जिनेवा के सबसे नए और आकर्षक राजनयिकों से मिलिए।

रांची के छात्रों को मिला कॉकरोच पार्टी का साथ

देवेंद्रनाथ महतो से मिला डेलिगेशन

● रांची (हि.स.)।

झारखंड में सरकारी नौकरियों की भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों और पेपर लीक को लेकर छात्रों का आंदोलन शनिवार को तेज हो गया है। इस विरोध प्रदर्शन के बीच कॉकरोच जनता पार्टी सीजेपी का एक प्रतिनिधिमंडल रांची में प्रदर्शन स्थल पर पहुंचा। सीजेपी ने छात्रों के प्रति पूरी एकजुटता की घोषणा की।

बेनतीजा रही वार्ता

झारखंड सरकार ने बढ़ते विरोध को शांत करने के लिए शनिवार को कई छात्र समूहों के साथ बैठक की। राज्य के मंत्रियों वाली 5 सदस्यीय समिति ने सबसे पहले जेएलकेएम नेता देवेंद्र नाथ महतो के नेतृत्व वाले प्रदर्शनकारियों से मुलाकात की, जो सात दिन से भूख हड़ताल पर बैठे हैं। इसके बाद समिति ने कांग्रेस समर्थित एनएसयूआई, एसीएस और जेसीएम के प्रतिनिधियों के साथ भी अलग-अलग बैठकें कीं।

पार्टी ने साफ किया है कि वह इस आंदोलन में छात्रों को हरसंभव मदद देगी। झारखंड में भर्ती परीक्षाओं की अनियमितताओं के खिलाफ चल रहे इस आंदोलन के बीच सीजेपी के प्रवक्ता आशुतोष रांका ने कहा कि पार्टी पूरी दृढ़ता के साथ छात्रों के साथ खड़ी है। मुकेश और अक्षय शिंदे के नेतृत्व में पार्टी का प्रतिनिधिमंडल रांची पहुंचा है, ताकि चल रहे इस आंदोलन के दौरान छात्रों की हरसंभव मदद की जा सके।

कर्नाटक के कांग्रेस नेता का दिनदहाड़े मर्डर

बेंगलुरु, आरएनएन। कर्नाटक में कांग्रेस नेता और कारोबारी डेविड डिसूजा की शुक्रवार को सरेआम दो बाइक सवार युवकों ने हत्या कर दी थी। हत्या के मुख्य आरोपी शूटर उग्र निवासी राजू को बिंदूर के पास ओट्टिनने इलाके में पुलिस की मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस मुठभेड़ में मुख्य शूटर गिरफ्तार

मामले में दो अन्य आरोपी मौके से फरार होने में कामयाब हो गए, हालांकि पुलिस उनकी तलाश में जुटी है। आरोपी राजू ने जब कथित तौर पर पुलिस टीम पर हमला किया तो पुलिस ने अपने बचाव में आरोपी पर गोली चलाई। आरोपी के दाहिने पैर में गोली लग गई।

नेपाल में मेडिकल यूज के लिए गांजा लीगल

● काठमांडू / (एजेंसी)

नेपाल के बिहार से सटे एक राज्य ने मेडिकल यूज के लिए गांजा की खेती और इस्तेमाल को लीगल कर दिया। इसके साथ ही गंडकी नेपाल का ऐसा पहला राज्य बन गया है, जिसने मेडिकल जरूरतों के लिए कैनाबिस की खेती को कानूनी मंजूरी दी है।

गंडकी की सीमा बिहार के पश्चिम चंपारण जिले के वाल्मीकिनगर से लगती है। बिहार में शराब-गांजा की बिक्री और सेवन पर रोक है। ऐसे में अब सीमा के दोनों तरफ नशे को लेकर बिल्कुल अलग पॉलिसी बन गई है। नेपाल के गंडकी प्रॉविन्स ने यह नियम किसी आदेश के जरिए पारित नहीं किया है। इसे बाकायदा स्टेट एसेम्बली में बिल पास कर बनाया है। इसी साल 9 जुलाई को राज्य की इंडस्ट्री और टूरिज्म मिनिस्टर यशोदा रिमाल ने

एसेम्बली में मेडिकल एंड इंडस्ट्रीयल पर्पस मारिजुआना कल्टीवेशन (रेगुलेशन एंड मैनेजमेंट) बिल पेश किया था। 14 जुलाई को इसे गवर्नर डिल्लराज भट्ट के पास भेजा गया। गवर्नर ने पहले सेंट्रल लॉ नारकोटिक ड्रग्स कंट्रोल एक्स, 1976 का हवाला देते हुए रोक दिया। हालांकि,इसके बावजूद 31 जुलाई को यह बिल बिना किसी बदलाव के पारित कर दिया गया।

ट्रम्प के पूर्व निजी वकील टॉड ब्लांच बने यूएस अटॉर्नी जनरल

● वाशिंगटन / (हि.स.)।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के पूर्व निजी वकील टॉड ब्लांच को नया यूएस अटॉर्नी जनरल नियुक्त किया गया है। वह देश के शीर्ष कानून प्रवर्तन अधिकारी होंगे।

ब्लांच के नाम की पुष्टि सीनेट में हुई

ब्लांच के नाम की पुष्टि सीनेट में 50-49 वोट से हुई। रिपब्लिकन सीनेटर सुसान कॉलिन्स और लिसा मुर्कोव्स्की ने उनके खिलाफ वोट किया। वहीं, सीनेटर बिल कैसिडी निर्णायक वोट साबित हुए। उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि राष्ट्रपति ट्रम्प की ओर से पेश विकल्पों में ब्लांश सबसे बेहतर हैं। कैसिडी के फैसले पर सबकी नजरें थीं, क्योंकि ट्रम्प और इस रिपब्लिकन सीनेटर के बीच मतभेद हैं। ब्लांच की नियुक्ति से सीनेट के रिपब्लिकन सदस्यों और ट्रम्प प्रशासन के बीच जारी गतिरोध भी खत्म हो गया।

आज का इतिहास

- 1173: पीसा के लीनिंग टॉवर का निर्माण कार्य शुरू हुआ।
- 1483: वेटिकन का सिस्टिन चैपल प्रार्थना के लिए खुला।
- 1683: एक आदेश के जरिए ब्रिटिश राजशाही ने ईस्ट इंडिया कंपनी को एशिया में युद्ध अथवा शांति की घोषणा का अधिकार दिया।
- 1788: गुलाम कादिर ने दिल्ली के सुल्तान शाह आलम द्वितीय की आंख में अपना खंजर घोंपकर उसे अंधा कर दिया।
- 1830: लुई फिलिप फ्रांस के राजा बने।
- 1831: अमेरिका में पहली बार स्टीम इंजन ट्रेन चली।
- 1892: थॉमस अल्वा एडिसन ने टू-वे टेलिग्राफ का पेटेंट कराया।
- 1910: अल्वा फिशर ने बिजली से चलने वाली वाशिंग मशीन का पेटेंट हासिल किया।

पुरानी हवेली — आरोपियों के अचानक अमीर बनने से खुला राज, अब तक पांच लोग गिरफ्तार

जयपुर में हवेली की तुड़ाई में मिला करोड़ों का खजाना

● जयपुर (हि.स.)।

राजधानी में एक पुरानी हवेली की तुड़ाई के दौरान सामने आए खजाने की कहानी अब फिल्मी पटकथा जैसी लगती है। माणक चौक इलाके में मलबे से निकली चांदी की सिल्लियां, सोने के सिक्के और हजारों पुराने चांदी के सिक्कों के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 1.75 करोड़ रुपए मूल्य की 66.400 किलो चांदी की सिल्लियां बरामद की हैं।

यह मामला 15 जुलाई 2026 को माणक चौक थाने में दर्ज हुआ था। पुलिस के अनुसार, विद्याधर का रास्ता स्थित एक पुरानी हवेली को गिराकर नया निर्माण कराया जा रहा था। तुड़ाई के दौरान मलबे में बड़ी मात्रा में कीमती सामान मिलने की बात सामने आई, जिसके बाद पूरे मामले ने सनसनी फैला दी थी।

10-15 चांदी की सिल्लियां, स्वर्ण कलश मिले

हालांकि, बाद में राहुल सेठी को जानकारी मिली कि तुड़ाई के दौरान मलबे से लगभग 10-15 चांदी की सिल्लियां, जिनका वजन करीब 40-45 किलो था, 14-15 स्वर्ण कलश जिनमें सोने के सिक्के भरे हुए थे, लगभग 8-10 हजार पुराने चांदी के सिक्के और अन्य बहुमूल्य संपत्ति मिली थी। आरोप है कि महेश मल्होत्रा ने यह सामान अपने सहयोगियों अनुज, जगदीश, रजनी, रेहान, सुल्तान और पप्पू अजमेरा के साथ मिलकर खुर्दबुर्द कर लिया। आरोप है कि कीमती सामान मिलने के बाद इसे मालिक को देने के बजाय अपने साथियों के साथ मिलकर छिपाने और बेचने की योजना बनाई गई। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने कथित तौर पर करीब 10-15 चांदी की सिल्लियां, जिनका वजन लगभग 40-45 किलो बताया गया, 14-15 सोने के सिक्के और करीब 8-10 हजार पुराने चांदी के सिक्के समेत अन्य कीमती सामान अपने कब्जे में ले लिया।

हवेली मालिक ने रखी थी ये शर्त

पुलिस के अनुसार, परिवादी राहुल सेठी ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि उनकी पुरानी बिल्डिंग को तोड़कर नया भवन बनाने के लिए एक फर्म के साथ एग्रीमेंट किया गया था। फर्म की ओर से तुड़ाई का काम महेश मल्होत्रा उर्फ छोटू को सौंपा गया था। शिकायत में कहा गया कि भवन तुड़ाई शुरू होने से पहले राहुल सेठी ने महेश मल्होत्रा को साफ कहा था कि यदि तोड़फोड़ के दौरान कोई भी कीमती सामान निकलता है तो उसे तत्काल उन्हें सौंप दिया जाए।

पश्चिम रेलवे के पीसीसीएम ने कर्मियो से किया संवाद

उत्कृष्ट कार्य: 3 अफसर, 32 कर्मी पुरस्कृत

● अहमदाबाद / (हि.स.)

पश्चिम रेलवे के वाणिज्य विभाग में कार्यरत रेल कर्मियों के साथ संवाद कार्यक्रम का आयोजन शनिवार को डीआरएम ऑफिस, अहमदाबाद में किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व तरुण जैन, प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक (पीसीसीएम), पश्चिम रेलवे द्वारा किया गया। इस संवाद कार्यक्रम में पश्चिम रेलवे के विभिन्न मंडलों से वाणिज्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से सहभागिता की। संवाद के दौरान पैसेंजर मार्केटिंग, टिकट चेकिंग, आरक्षण, टिकट बुकिंग, कैटरिंग व राजस्व वृद्धि से संबंधित अहम विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। विभाग में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 3 अफसरों एवं 32 कर्मियों को जैन ने मेरिट सर्टिफिकेट दे सम्मानित किया।

संपादकीय

जायज जेन-जी

अब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने भी कहा है कि नई पीढ़ी को सुना जाना चाहिए। विरोध प्रदर्शन संवाद का एक वैध तरीका है। हाल ही में जेन-जी आंदोलन के प्रदर्शन के दौरान जो शिकायतें सामने आई हैं, वे जायज हैं। गुरुवार को जेन-जी से जुड़े एक कार्यक्रम में बातचीत के दौरान भागवत ने ये बातें कहीं। उन्होंने यह भी कहा कि विरोध करने वाले राष्ट्रविरोधी नहीं हैं। लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन भी सहमति बनाने का माध्यम है। हालांकि, विपक्ष ने तंज किया कि उन्हें यह सलाह सरकार को भी देनी चाहिए और यह भी कि आंदोलनकारियों की मांग को इतनी देर से क्यों सुना गया। बहरहाल, भागवत ने माना कि बहुत संभव है कि विरोध के दौरान मुद्दों को लेकर विचारों की भिन्नता हो, लेकिन चर्चा के बाद ही किसी विषय पर सहमति बनती है। साथ ही माना कि आंदोलन का उद्देश्य सहमति बनाना होना चाहिए, न कि समाज में विभाजन पैदा करना। उन्होंने माना कि भारत की शिक्षा व्यवस्था में बहुत कुछ बदलाव की जरूरत है, जो अभी तक नहीं हो पाया है। यही वजह है कि छात्रों का गुस्सा सामने आ रहा है, जिसे संवाद से दूर करने की जरूरत है। साथ ही, सख्ती नहीं, बातचीत के जरिये अपनापन का अहसास कराना भी जरूरी है। यह भी कि जेन-जी और जेन-अल्फा की सोच पहले की पीढ़ियों से भिन्न है। पहले की पीढ़ी बड़ों की बात मान लेती थी, सवाल नहीं करती थी। लेकिन नई पीढ़ी सवाल करने के साथ ही तर्कसंगत जवाब की आकांक्षा रखती है। निस्संदेह, बहस से कई विचार सामने आते हैं। हर व्यक्ति का अलग दृष्टिकोण होता है। लेकिन इसका सकारात्मक पक्ष यह है कि किसी एक ही विषय के कई पहलू सामने आ सकते हैं। यह तय है कि विचार-प्रतिविचार के मंथन से नई दिशा व नई तस्वीर उभरती है। विरोध करना बुरा नहीं है, लेकिन उसका स्वरूप लोकतांत्रिक होना चाहिए। भागवत ने इस बात पर भी बल दिया कि विरोध-आंदोलन संविधान की मर्यादा के दायरे में होना भी जरूरी है। समस्याओं पर ध्यान दिया जाना चाहिए, लेकिन उसका लक्ष्य व्यक्ति का विरोध नहीं, बल्कि व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव होना चाहिए। साथ ही, संघ प्रमुख ने आरक्षण पर भी राय स्पष्ट की कि सामाजिक भेदभाव दूर करने तक आरक्षण की जरूरत होगी। लेकिन सवाल यह है कि इस सत्य से वाकिफ होने के बावजूद सरकारें क्यों टालमटोल का रवैया अपनाती हैं? यह संवादहीनता की स्थिति क्यों पैदा की जाती है? विडंबना यह है कि सरकारें तब जागती हैं जब स्थिति नियंत्रण से बाहर हो जाती है। सरकारों को लोकतंत्र में प्रतिरोध के स्वरों का भी सम्मान करना है। लोकतंत्र का आधार जनमत है। जनमत को सुना जाना चाहिए। आमतौर पर नागरिक तब ही सड़कों पर उतरते हैं जब पानी सिर के ऊपर से गुजरने लगता है। ऐसे में, शांतिपूर्ण प्रदर्शन और असहमति के स्वरों पर ध्यान देने की जरूरत है। आज जरूरत इस बात की है कि पुलिस को बताया जाए कि राष्ट्रविरोधियों और जायज मांगों के लिए आंदोलन कर रहे लोगों को एक ही लाठी से नहीं हांका जा सकता। खासकर, जेन-जी पर शक्ति प्रयोग असंतोष को उग्र बनाना ही है। सत्ताधीशों को इस बात का भान होना चाहिए कि असहमति और शांतिपूर्ण अभिव्यक्ति से लोकतंत्र जीवंत होता है। सत्ता की उदासीनता और उपेक्षापूर्ण रवैये से आंदोलन की जमीन तैयार होती है। कालांतर में हठधर्मिता से यह आक्रोश को ही बढ़ाता है। सत्ताधीशों को समझना चाहिए कि लोकतंत्र में लोग अपनी बात सुनाने के लिए आंदोलन को विकल्प के तौर पर अपनाते हैं। ऐसे ही नीट प्रश्नपत्र मुद्दे पर समय रहते वे कदम पहले ही उठा लिए जाते, तो आंदोलन को व्यापक होने से टाला जा सकता था। अक्सर संवादहीनता की स्थिति में आंदोलन में राजनीतिक दल रोटियां सेंकने लगते हैं। निहित स्वार्थी तत्व इसमें अवसर तलाशने लगते हैं, जिससे आंदोलन की दिशा नियंत्रित नहीं रह सकती है। यही वजह है कि एक सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा कि युवाओं के गुस्से को शांत करने के लिए बातचीत जरूरी विकल्प है। निश्चित ही, पुलिस को भी संवेदनशील बनाने की जरूरत है। आशा है, भागवत की सलाह पर सरकारें ध्यान देंगी।

स्पेन से सीखः अवैध अप्रवासन, सीमा सुरक्षा और जनसांख्यिकीय परिवर्तन के प्रति समय रहते जागना क्यों आवश्यक है?

कैलाश चन्द्र

विश्व के अनेक देशों के सामने आज सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है, अवैध अप्रवासन सीमा सुरक्षा और उससे उत्पन्न होने वाले जनसांख्यिकीय परिवर्तन। यह केवल किसी एक देश या महाद्वीप का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक स्थिरता, आर्थिक संसाधनों और सुशासन से जुड़ा वैश्विक प्रश्न है। यूरोप, अमेरिका और एशिया के अनेक देशों ने पिछले दो दशकों में इस चुनौती का सामना किया है।

हाल के वर्षों में स्पेन के उत्तर अफ्रीकी क्षेत्र सेउटा और मेलिला एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय चर्चा में रहे हैं। मोरक्को की सीमा से बड़ी संख्या में लोगों द्वारा सामूहिक रूप से सीमा पार करने के प्रयासों ने यह स्पष्ट किया कि यदि किसी देश की सीमाओं पर लगातार दबाव बढ़े और अवैध प्रवेश को समय रहते प्रभावी ढंग से नियंत्रित न किया जाए, तो प्रशासन, कानून-व्यवस्था और स्थानीय संसाधनों पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। यही कारण है कि स्पेन और यूरोपीय संघ ने सीमा सुरक्षा, पहचान सत्यापन और प्रवासन नियंत्रण को अपनी प्रमुख नीतिगत प्राथमिकताओं में शामिल किया है।

स्पेन का अनुभव यह भी बताता है कि सीमा संकट केवल सीमा सुरक्षा बलों का विषय नहीं होता। इसके प्रभाव शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आवास, स्थानीय प्रशासन और सामाजिक विश्वास तक पहुँचते हैं। जब किसी क्षेत्र में अचानक बड़ी संख्या में अनियमित प्रवासन होता है, तब स्थानीय संसाधनों पर अतिरिक्त दबाव पड़ना स्वाभाविक है। इसलिए अधिकांश विकसित राष्ट्र अपनी सीमाओं की निगरानी, नागरिक पहचान प्रणाली और आव्रजन कानूनों को लगातार मजबूत करते रहते हैं।

यहाँ एक मूलभूत अंतर समझना आवश्यक है, वैध प्रवासन और अवैध अप्रवासन। किसी भी संप्रभु राष्ट्र को यह अधिकार है कि वह अपने कानूनों के अनुसार विदेशियों को प्रवेश, निवास या नागरिकता प्रदान करे। लेकिन बिना वैध अनुमति या दस्तावेज के सीमा पार करना कानून और राष्ट्रीय सुरक्षा दोनों के लिए चुनौती माना जाता है। इसलिए इस विषय का मूल प्रश्न किसी व्यक्ति की धार्मिक या सांस्कृतिक पहचान नहीं, बल्कि कानून का पालन और सीमा प्रबंधन है।

भारत के संदर्भ में भी यह विषय दशकों से सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा रहा है। विशेषकर पूर्वी सीमा, नकली दस्तावेजों, सीमा प्रबंधन और नागरिक पहचान से जुड़े प्रश्न समय-समय पर संसद, न्यायालयों और सरकारी एजेंसियों के समक्ष उठते रहे हैं। पश्चिम बंगाल और असम जैसे सीमावर्ती राज्यों में अवैध प्रवासन को लेकर लंबे समय से राजनीतिक और प्रशासनिक बहस होती रही है। इस विषय पर विभिन्न राजनीतिक दलों के मत भिन्न रहे हैं, इसलिए किसी भी निष्कर्ष पर पहुँचने से पहले आधिकारिक आँकड़ों, न्यायालयों के निर्णयों और सरकारी दस्तावेजों का अध्ययन आवश्यक है।

जनसांख्यिकीय परिवर्तन स्वयं में न तो सकारात्मक होता है और न नकारात्मक। यह जन्मदर, मृत्यु दर, शहरीकरण, आर्थिक अवसरों और प्रवासन जैसे अनेक कारणों से होता है। किंतु यदि किसी क्षेत्र में लंबे समय तक बड़े पैमाने पर अनियंत्रित अवैध प्रवासन होता रहे, तो स्थानीय प्रशासन, सार्वजनिक सेवाओं और सामाजिक संतुलन पर उसका प्रभाव पड़ सकता है। यही कारण है कि विश्व के अधिकांश राष्ट्र जनसंख्या के वैज्ञानिक अध्ययन, सीमा प्रबंधन और नागरिक पहचान व्यवस्था को राष्ट्रीय नीति का महत्वपूर्ण भाग मानते हैं।

स्पेन की घटनाएँ हमें यह भी सिखाती हैं कि किसी भी समस्या की अनदेखी लंबे समय तक नहीं की जा सकती। जब तक स्थिति सामान्य रहती है, तब तक उसका वास्तविक स्वरूप स्पष्ट नहीं होता, लेकिन संकट उत्पन्न होने के बाद उसे नियंत्रित करने की आर्थिक, प्रशासनिक और सामाजिक लागत कई गुना बढ़ जाती है। राष्ट्रीय सुरक्षा का मूल सिद्धांत भी यही है कि रोकथाम, उपचार से अधिक प्रभावी होती है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण लोकतंत्र के लिए यह विषय और भी महत्वपूर्ण है। भारत की हजारों किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमाएँ अनेक देशों से जुड़ी हैं। इसलिए आधुनिक तकनीक-आधारित सीमा निगरानी, दस्तावेज सत्यापन, प्रभावी सीमा प्रबंधन, स्थानीय प्रशासन की क्षमता और नागरिक पंजीकरण प्रणाली को मजबूत करना राष्ट्रीय हित का विषय है। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि प्रत्येक कार्रवाई संविधान, विधि के शासन और मानवाधिकारों के अनुरूप हो।

लोकतंत्र में सरकार का पहला दायित्व अपने नागरिकों की सुरक्षा, कानून का समान अनुपालन और सीमाओं की रक्षा करना है। यदि सीमा सुरक्षा, अवैध प्रवासन और नागरिक पहचान जैसे विषयों को केवल अल्पकालिक राजनीतिक दृष्टि से देखा जाए, तो समाज में अविश्वास और तनाव बढ़ने की आशंका हो सकती है। दूसरी ओर, यदि इन विषयों पर तथ्य-आधारित, पारदर्शी और दीर्घकालिक नीति बनाई जाए, तो राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक स्थिरता दोनों को सुदृढ़ किया जा सकता है।

आज आवश्यकता भय या वैमनस्य फैलाने की नहीं, बल्कि जागरूक नागरिक चेतना विकसित करने की है। किसी भी देश की सीमाएँ केवल नक्शे पर खींची गई रेखाएँ नहीं होतीं, वे उसकी संप्रभुता, सुरक्षा, प्रशासनिक क्षमता और भविष्य की स्थिरता का आधार होती हैं। इसलिए सीमा सुरक्षा, नागरिक पहचान, अवैध अप्रवासन और जनसांख्यिकीय परिवर्तन जैसे विषयों पर सार्वजनिक चर्चा प्रमाण, कानून और राष्ट्रीय हित के आधार पर होनी चाहिए।

स्पेन का अनुभव भारत सहित सभी लोकतांत्रिक देशों के लिए एक महत्वपूर्ण अध्ययन-प्रकरण है। इससे यह शिक्षा मिलती है कि राष्ट्रीय सुरक्षा और मानवीय दायित्वों के बीच संतुलन बनाए रखते हुए प्रभावी सीमा प्रबंधन, निष्पक्ष कानून-प्रवर्तन, पारदर्शी नागरिक पहचान व्यवस्था और समय पर नीति-निर्माण किसी भी राष्ट्र की दीर्घकालिक स्थिरता के लिए अनिवार्य हैं। इतिहास उन राष्ट्रों को अधिक सुरक्षित पाता है, जो चुनौतियों को समय रहते पहचानते हैं, तथ्यों के आधार पर उनका विश्लेषण करते हैं और दूरदर्शी नीतियों के माध्यम से उनका समाधान खोजते हैं। (लेखक वरिष्ठ स्तम्भकार एवं सामाजिक कार्यकर्ता हैं)

9 अगस्तः काकोरी कांड और भारत छोड़ो आंदोलनः स्वाधीनता के सूर्योदय के लिए निर्णायक आंदोलन का उद्घोष

रमेश शर्मा

भारत के स्वाधीनता आंदोलन में 9 अगस्त वह ऐतिहासिक तिथि है, जब स्वतंत्रता के लिए निर्णायक संघर्ष का उद्घोष हुआ था। इसलिए इसे अगस्त क्रांति कहा जाता है।

स्वाधीनता आंदोलन के इतिहास में यह 9 अगस्त की तिथि दो महत्वपूर्ण स्मृतियों से जुड़ी है। पहली तिथि 9 अगस्त 1925 है। इस दिन क्रांतिकारी आंदोलन को गति देने के लिए काकोरी रेलवे स्टेशन पर सरकारी खजाना लूटा गया था। दूसरी तिथि 9 अगस्त 1942 है। इस दिन अहिंसक आंदोलन को निर्णायक स्वरूप देने के लिए अंग्रेजों, भारत छोड़ो आंदोलन आरंभ हुआ था। इस आंदोलन का आह्वान गांधी जी ने किया था, पर एक रात पहले ही 8 अगस्त को गांधी जी सहित सभी कांग्रेस नेता बंदी बना लिए गए थे। लेकिन यह आंदोलन मानो जन आंदोलन था। देश के अधिकांश स्थानों में सामान्य जन हाथ में तिरंगा लेकर निकल पड़े थे। जनसामान्य की भागीदारी के कारण ही इस आंदोलन को अगस्त क्रांति नाम मिला।

क्रांतिकारी आंदोलन में सुप्रसिद्ध क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद, सरदार भगतसिंह सहित विभिन्न क्रांतिकारियों को फाँसी और जेल में डाल देने से भले ही सशस्त्र क्रांति की धारा में कुछ शिथिलता आई, पर काकोरी कांड से पूरी अंग्रेज सरकार हिल गई थी। इसकी गूँज लंदन तक हुई थी। तब अंग्रेज सरकार ने दो काम किए। एक ओर कुछ नागरिक अधिकार देना आरंभ किया और दूसरी ओर अंग्रेज-विरोधी क्रांतिकारियों के दमन का क्रम शुरू किया। यह क्रांतिकारी आंदोलन का दबाव ही था कि अंग्रेजों ने कुछ तटस्थ लोगों को विश्वास में लिया और नागरिक अधिकार देने का क्रम बनाया। इसके लिए लंदन से कुछ अध्ययन दल आए और आगे चलकर स्थानीय असेंबलियों के चुनाव हुए।

काकोरी कांड के नायक चंद्रशेखर आजाद थे। क्रांतिकारियों को धन की आवश्यकता थी। वे अंग्रेजों को भारत से बाहर करने के लिए निर्णायक लड़ाई छेड़ना चाहते थे। इसके लिए धन जुटाने के अनेक प्रयत्न हुए। तभी पता चला कि ट्रेन से सरकारी खजाना जाने वाला था। कहने के लिए यह खजाना सरकारी था, अंग्रेज यह पैसा लंदन से लेकर नहीं आए थे। यह भारतीयों का ही पैसा था, जो अंग्रेजों ने बलपूर्वक वसूला था। क्रांतिकारियों ने भारत की स्वतंत्रता के लिए सशस्त्र आंदोलन में इस पैसे को लगाने का संकल्प किया और पता लगाया कि यह पैसा कब और किस ट्रेन से ले जाया जाएगा।

जिस ट्रेन से यह खजाना जाने वाला था, वह आठ डाउन पैसेंजर थी। इस खजाने को लूटने की योजना बनी। इसमें सत्रह क्रांतिकारियों की टोली ने हिस्सा लिया।

चंद्रशेखर आजाद के नेतृत्व में बनी इस योजना में रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खान, योगेशचंद्र चटर्जी, प्रेमचंद खन्ना, मुकुंदीलाल, विष्णु शरण, सुरेशचंद्र भट्टाचार्य, रामकृष्ण खत्री, मन्मथनाथ गुप्त, राजकुमार सिंह ठाकुर, रोशन सिंह, राजेंद्र लाहिड़ी, गोविंद शरण, रामदुलारे त्रिवेदी, रामनाथ पांडे, शचींद्रनाथ सान्याल, भूपेश सान्याल और प्रणवेशकुमार शामिल थे। इसके लिए चार जर्मनी निर्मित माउजर रिवॉल्वर जुटाए गए। माउजर की खास बात यह होती है कि यदि इसके बट में लकड़ी का हैंडल लगा दिया जाए, तो इसे बंदूक की तरह उपयोग किया जा सकता है।

गाड़ी जैसे ही काकोरी से सहारनपुर के लिए रवाना हुई, तो इसे चेन खींचकर रोका गया और ट्रेन पर धावा बोलकर खजाना लूट लिया गया। बाद में अंग्रेजों ने 40 क्रांतिकारियों को बंदी बनाया। इनमें चार को फाँसी, बारह को उम्रकैद, काला पानी और बाकी को चार-चार साल के कारावास का दंड मिला।

9 अगस्त 1945 को भारत छोड़ो आंदोलन आरंभ हुआ। इस आंदोलन के पीछे अंग्रेजों द्वारा अपने उस आश्वासन से पीछे हट जाना था। अंग्रेजों ने द्वितीय विश्व युद्ध आरंभ होने पर कांग्रेस से सहयोग माँगा और आश्वासन दिया कि वे भारत को स्वतंत्र कर देंगे और इसकी प्रक्रिया तुरंत आरंभ कर देंगे तथा युद्ध समाप्त होते ही भारत स्वतंत्र हो जाएगा।

द्वितीय विश्व युद्ध 1939 में आरंभ हुआ था। इसके आरंभ होने को तीन वर्ष बीत गए थे, पर भारत की स्वतंत्रता के लिए कोई प्रक्रिया आरंभ न हो सकी। तब 4 जुलाई 1942 को कांग्रेस ने बैठक की और अंग्रेजों से भारत की स्वतंत्रता के लिए प्रक्रिया आरंभ करने का स्मरण दिलाया, पर कुछ नतीजा नहीं निकला। 9 अगस्त 1942 से निर्णायक आंदोलन आरंभ करने का निर्णय हुआ। इसके लिए मुंबई का पार्क तय हुआ। अब इस पार्क को अगस्त क्रांति मैदान का नाम दे दिया गया है।

यद्यपि 4 जुलाई 1942 को हुई इस महत्वपूर्ण बैठक में निर्णायक आंदोलन चलाने के निर्णय पर मतभेद थे। कुछ नेता चाहते थे कि द्वितीय विश्व युद्ध समाप्त होने तक प्रतीक्षा करनी चाहिए। इन नेताओं में चक्रवर्ती राजगोपालाचारी प्रमुख थे।

जबकि पंडित जवाहरलाल नेहरू और मौलाना अबुल कलाम आजाद ने आंदोलन से पहले अंग्रेजों से बात करने का सुझाव दिया, तो सरदार वल्लभभाई पटेल आदि नेता तीन साल बीत जाने पर भी कोई कदम न उठाने पर नाराज थे और तुरंत आंदोलन छेड़ने के पक्ष में थे। अंततः अंग्रेजों को एक माह की अवधि दी गई और नौ अगस्त से आंदोलन करने का निर्णय हुआ। बैठक में आंदोलन का विरोध कर रहे चक्रवर्ती राजगोपालाचारी ने कांग्रेस से त्यागपत्र दे दिया।

अंग्रेजों ने आंदोलन का नोटिस मिलने के बाद भी भारत की स्वतंत्रता के लिए कोई प्रक्रिया आरंभ नहीं की। उल्टे आंदोलन का दमन करने का निर्णय लिया और आंदोलन की तिथि नौ अगस्त से दो दिन पहले, सात अगस्त से ही देशभर में गिरफ्तारियाँ शुरू कर दीं। गांधी जी और अन्य प्रमुख नेता 8 अगस्त को बंदी बना लिए गए। पर देशव्यापी गिरफ्तारियों के बाद भी आंदोलन न रुका और जनसामान्य तिरंगा हाथ में लेकर निकल पड़ा। भारत का संभवतः कोई नगर और कस्बा न बचा, जहाँ लोग हाथ में तिरंगा लेकर घर से न निकले हों।

पुलिस ने पचास से अधिक स्थानों पर गोलियाँ चलाईं, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए। यह आंदोलन महीनों चला। अंततः विवश होकर नवंबर 1942 में अंग्रेजों ने गांधी जी से चर्चा की और समझौता हुआ। गिरफ्तार लोग रिहा हुए। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में यह आंदोलन अंतिम और निर्णायक था। इस आंदोलन का भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी और मुस्लिम लीग ने विरोध किया था। नमन उन हुतात्माओं को, जिनके बलिदान से हम स्वतंत्र हवा में श्वास ले रहे हैं।

सुविधा की राजनीति और शिक्षा जगत की दुविधा

गिरीश्वर मिश्र

लोकतंत्र के आधुनिक परिवेश में सामाजिक-राजनीतिक जीवन में उथल-पुथल आम बात है। विकसित और विकासशील सभी तरह के देशों में, जहाँ लोकतांत्रिक सरकारें सत्ता की बागडोर संभाल रही हैं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बहाल है। वहाँ तमाम चीजों को लेकर बहसें होती रहती हैं। ऐसे में विभिन्न मुद्दों पर राजनैतिक दलों की अलग-अलग राय भी होती है। यह स्थिति बहुत हद तक स्वस्थ राजनीतिक प्रवृत्ति को दशार्ती है। सच कहें तो असहमति को आदर देना सभ्य समाज की वैचारिक परिपक्वता का परिचायक होता है।

भारत जैसे देश में जहाँ राष्ट्रीय स्तर की छह और क्षेत्रीय स्तर की साठ राजनीतिक दलों की संख्या है वैचारिक मतभेद होना सहज और स्वाभाविक है। ऊपर से क्षेत्रीय, भाषाई, धार्मिक तथा आर्थिक विविधतायें भी बहुत तरह की हैं। ऐसी बहुलताओं वाले देश में किसी प्रश्न पर भिन्न प्रकार के विचारों को राजनैतिक विमर्श में सहनशीलता के साथ सम्मानजनक जगह मिलनी चाहिए। अक्सर विरोध की गुंजाइश न होने पर लोकतांत्रिक संस्थाएं और उनकी गतिविधियाँ पटरी से उतर कर ठप पड़ जाती हैं। देश में जब आपातकाल लगा था तब कुछ ऐसा ही हुआ था। इतिहास गवाह है कि देश ने उस कदम को नकार दिया था और जेपी के नेतृत्व में बड़ा बदलाव आया और वह एक प्रस्थानविंदु बन गया। उसके बाद किसी एक दल का राजनीतिक वर्चस्व खत्म हो गया। ऐसे में पारस्परिक वाद, विवाद और संवाद राजनीतिक अनिवार्यता बन चुकी है।

गौरतलब है संविधान सभा की बहसों और उसके बाद देश के संसदीय इतिहास में भी अनेक अवसरों पर संसद में तीखी बहसें होती रही हैं। कई सांसदों के वक्तव्यों में ज्ञान-विज्ञान और संस्कृति-सभ्यता की बातें भी हुआ करती थीं और हास्य-विनोद का पुट भी रहता था।

इनसे लोगों को सीखने को भी बहुत कुछ मिलता था। कुछ समय से इस तरह की परम्परा से अलग हट कर संसद में चल रही गतिविधि देखते-सुनते हुए आमजन हतप्रभ हैं और उनकी चिंता बढ़ती रही है। अब संसद परिसर का वातावरण गंभीर विचार-विनिमय की जगह नाटकीय अभिनय के प्रदर्शन का मंच सा होता जा रहा है। संसद के भीतर और बाहर बार-बार मान्यवरों की ओर से ऐसा होना आमजन को निराश करने वाला है।

इससे किसी दल कितना राजनैतिक लाभ मिलता है ये तो वे ही जानें पर ऐसे गैरज़िम्मेदार आचरण से तात्कालिक रूप से देश के संसाधनों का अपव्यय तो निश्चित रूप से होता है। यह अलग बात है कि इसकी ज़िम्मेदारी कोई नहीं लेता है। साथ ही जनता को अवांछित संदेश भी जाता है। संसद का पूरा का पूरा सत्र कोरा बीत जाता है और उसके काम धरे के धरे रह जाते हैं या फिर आपाधापी में बिना विचारे निपटा लिए जाते हैं। दोनों ही हाल में यह एक जोखिम वाली बात है, पर यह प्रवृत्ति रुकने का नाम नहीं ले रही है। समस्याओं पर विचार करने और उनकी ओर ध्यान आकृष्ट करने का जो अभिनव तरीका उभर रहा है वह संसद की गरिमा के विरुद्ध है।

अलबत्ता सांसदों को अन्न, जल तथा पर्यटन और कार्य के भत्ते आदि की तरह-तरह की सुविधाएं उपलब्ध रहती हैं। सांसद होने के लाभ उन्हें मिलते रहते हैं। उन्होंने अपने लिए नीति बना रखी है ताकि सुविधाएं बिना बंदिश के मिलती रहें। सुविधा सबको चाहिए, राजा को भी और प्रजा को भी। राजनीति सुविधाभोगी हो रही है और लोक-जीवन के सरोकार पिछड़ते जा रहे हैं। जनता की नियति असुविधा भोगने की है। उसकी लाचारी और विवशता कई-कई मोर्चों जारी है।

आजकल राजनीति में भी सत्ता पक्ष और विपक्ष में ठनी हुई है और संसद में गतिरोध जारी है। इस खेदजनक रुकावट की त्रासदी देश में शिक्षा की समस्याओं से जुड़ी हुई है। बावजूद इसके शिक्षा किसी भी समाज की रीढ़ होती है केंद्र और राज्यों की सरकार हो या संसद, शिक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण और बुनियादी प्रश्नों की लगातार उपेक्षा होती आ रही है। चचाओं में सभी विषयों पर ध्यान देने के बाद शिक्षा की बारी आती है और इस पर सतही तौर पर नजर डाली जाती है और रस्म अदायगी निभाई जाती है।

शिक्षा एक ऐसा विषय है जिसके लिए कोई विशिष्ट योग्यता भी नहीं चाहिए इसलिए किसी को भी इसे सुपुर्द कर दिया जाता है। साथ ही भारतीय शिक्षा व्यवस्था इस अर्थ में अनूठी है कि इसमें अपनी शिक्षा पर भरोसा नहीं है। मसलन हायर सेकेंड्री से बीए/ बीएससी और बीए/ बीएससी से एमए/ एमएससी में प्रवेश के लिए किस्म-किस्म की परीक्षाओं का एक बड़ा जाल बना रखा है। प्रवेश-परीक्षाओं की बड़ी लंबी सूची है जिसमें विद्यार्थी को लगातार पात्रता सिद्ध करते रहना है। सिर्फ. पढ़ाई काफी नहीं है; प्रवेश-परीक्षाएँ शिक्षा-क्रम में आगे कदम बढ़ाने के लिए सीढ़ी बन गई हैं। इस मद्देनजर मददगार कोचिंग संस्थानों की संख्या भी बढ़ती जा रही है।

पर ताजा संदर्भ में परीक्षा कराने की चाक-चौबंद राष्ट्रीय व्यवस्था (एनटीए) ही बड़ी चुनौती बन गई। नीट के पेपर लीक की बार-बार की घटनाओं ने छात्रों के भरोसे को तोड़ दिया पर इसकी अनदेखी होती रही। इसका परिणाम युवा-आक्रोश के रूप में उभरा। दुखी होकर आज जेनरेशन जेड और जेनरेशन अल्फा ने तीव्र स्वर में अपनी बात उठाने का संकल्प कर लिया। हम सबने देखा कि कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के उग्र प्रदर्शन के आगे सरकार को बाध्य होकर कई कड़े कदम उठाने पड़े और तब जाकर कहीं आंदोलन थमा।

इस घटनाक्रम ने यह भलीभाँति प्रकट कर दिया कि प्रश्नों का टालते रहना या उन पर कारवाई न करने की बड़ी क ीमत अदा करनी पड़ती है। लोकतंत्र जनता के लिए होता है और उसकी आवाज का बड़ा महत्व होता है। आज जब संचार के साधन बहुत बढ़ चुके हैं, लोकमत की तरफ से मुँह मोड़ लेना या आँख बंद रखना और खतरनाक हो रहा है। अब झारखंड में परीक्षाओं में धांधली को लेकर छात्रों का धरना-प्रदर्शन जारी है।

परीक्षा के पेपर बार-बार लीक होना शर्मनाक है और अब सरकार उसका संज्ञान लेकर सख्त कदम उठा रही है। परंतु शिक्षा के सवाल केवल परीक्षा तक सीमित नहीं हैं। राजस्थान, बिहार और उत्तर प्रदेश आदि कई राज्यों में सरकारी स्कूलों की खस्ता हालत बता रही है कि शिक्षा की आधारशिला कमजोर हो रही है। बहुतेरे विद्यालयों में न तो शौचालय जैसी सामान्य सुविधाएं हैं न ही पढ़ने-पढ़ाने के लिए पर्याप्त अध्यापक हैं।

अनुमानतः देश में एक लाख स्कूल ऐसे हैं जहाँ केवल एक अध्यापक है और वही सभी कक्षाओं को पढ़ाता है। ऐसे एकल शिक्षक विद्यालयों की संख्या बढ़ रही है। केंद्रीय विश्वविद्यालयों में लगभग 28 प्रतिशत और राज्यों के विश्वविद्यालयों में अध्यापकों के लगभग 40 से 60 प्रतिशत पद खाली पड़े हैं। भर्ती की प्रक्रिया समय पर न हो पाना और विकट नौकरशाही के झमेलों के चलते प्राध्यापकों की नियुक्ति नहीं हो पा रही है। फलतः ज्यादातर जगहों पर अतिथि अध्यापकों से काम चलाया जा रहा है। स्ववित्त पोषित (सेल्फ-फाइनेंस्ड) पाठ्यक्रम भी चल रहे हैं जिनकी अपनी मुश्किलें हैं। निजी क्षेत्र में शिक्षा के विस्तार में आशातीत वृद्धि हुई है। प्राइमरी से विश्वविद्यालय तक विस्तृत ये निजी प्रयास व्यापारिक माडल पर चल रहे हैं और मुख्यतः धनार्जन के उद्यम हैं। सार्वजनिक क्षेत्र की शिक्षा-संस्थाओं की सीमाओं के कारण ये खूब फल-फूल रहे हैं।

वर्तमान सरकार ने शिक्षा में रुचि ली और उत्साहपूर्वक 2020 में एक नई शिक्षा नीति का ऐलान किया। तब से उस पर अमल चल रहा है, पर किसी भी बदलाव की तरह यह भी पेचीदा है। बड़े परिवर्तन के लिए अपेक्षित संसाधन और जरूरी तैयारी भी चाहिए। इस महत्वाकांक्षी बदलाव ने शिक्षा-जगत के सामने नई चुनौतियाँ भी खड़ी की हैं। आज तक राष्ट्रीय बजट का छह प्रतिशत शिक्षा पर खर्चने का वादा पूरा नहीं हो सका है जबकि जनसंख्या में वृद्धि के हिसाब से शिक्षा के लिए इससे भी ज्यादा संसाधन आवंटित होना चाहिए। इस बीच संख्या की दृष्टि शिक्षा-संस्थानों में इजाफा तो जरूर हुआ परंतु गुणवत्ता की दृष्टि से स्थिति संतोषप्रद नहीं कहीं जा सकती। ऐसे में जरूरी है कि शिक्षा के प्रश्नों पर समग्रता में विचार किया जाय। देश की जनसंख्या में 65 प्रतिशत बच्चे, किशोर और युवा हैं। इसलिए यथार्थ के धरातल पर आवश्यकता का आकलन कर संसाधनों, परीक्षाओं और रोजगार के अवसरों के बीच तालमेल बैठाना अत्यंत आवश्यक है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ ही सामाजिक-आर्थिक उन्नति की यात्रा हो सकेगी। (लेखक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व कुलपति हैं।)

एक रिपोर्ट जो बताती है, कैसे भारत पर्यटन को नई गति दे रहा

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत अब पर्यटन को आर्थिक विकास, सांस्कृतिक संरक्षण, रोजगार सृजन और विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने के प्रमुख इंजन के रूप में स्थापित करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसी सोच को मजबूती देते हुए नीति आयोग और केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय की पिछले दिनों एक रिपोर्ट पर्यटन एवं आतिथ्य क्षेत्र में विकास की संभावनाओं को खोलने विषय पर जारी हुई है। संयोग से यह रिपोर्ट ऐसे समय आई है, जब भारत वैश्विक पर्यटन अर्थव्यवस्था में लगातार अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है। उक्त रिपोर्ट इस क्षेत्र में आशा के द्वार खोलती है।

दरअसल, इस रिपोर्ट में पर्यटन क्षेत्र में वर्षों से चली आ रही जटिल नियामकीय प्रक्रियाओं को सरल बनाने, निवेश को बढ़ावा देने, विश्वस्तरीय पर्यटन अवसंरचना विकसित करने तथा स्थानीय समुदायों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए व्यापक सुझाव दिए गए हैं। विश्व यात्रा एवं पर्यटन परिषद के अनुसार भारत वैश्विक पर्यटन अर्थव्यवस्थाओं में आठवें स्थान पर पहुंच चुका है और अगले दशक में शीर्ष चार देशों में शामिल होने की क्षमता रखता है। प्रधानमंत्री का विजन : देखो अपना देश से विकसित भारत तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार पर्यटन को देश की आर्थिक शक्ति और सांस्कृतिक एकता का सबसे प्रभावी माध्यम बताते रहे हैं। उनका मानना है कि भारत का प्रत्येक जिला अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक, प्राकृतिक अथवा ऐतिहासिक पहचान के कारण पर्यटन की अपार संभावनाएं रखता है। प्रधानमंत्री ने कई अवसरों पर देशवासियों से वर्ष में कम-से-कम कुछ नए स्थलों की यात्रा करने का आह्वान किया है, ताकि स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा मिले। उनके अनुसार पर्यटन ऐसा क्षेत्र है, जिसमें सबसे अधिक रोजगार सृजित करने की क्षमता है। एक पर्यटक केवल होटल में ठहरता ही नहीं बल्कि परिवहन, हस्तशिल्प, स्थानीय बाजार, लोक कलाकारों, किसानों और छोटे व्यापारियों तक आर्थिक गतिविधियों का विस्तार करता है। पर्यटन बनेगा आर्थिक विकास का नया इंजन इस संबंध में केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत का कहना है, पर्यटन क्षेत्र भारत की विकास यात्रा में परिवर्तनकारी भूमिका निभा रहा है। इसके लिए निवेशकों को सरल और पारदर्शी व्यवस्था उपलब्ध कराना आवश्यक है। आनेवाले समय में गुणवत्तापूर्ण होटल, बेहतर आवास क्षमता, आधुनिक पर्यटन सुविधाएं और आसान अनुमोदन प्रक्रिया भारत को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगी। आज हम इसी दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

इसके साथ ही इस विषय पर नीति आयोग के सदस्य राजीव गौबा ने भी स्पष्ट किया, निवेश वहीं आता है जहां नीतिगत स्पष्टता और समयबद्ध अनुमोदन उपलब्ध हो। यदि पर्यटन परियोजनाओं के लिए अनुमति प्रक्रिया सरल होगी तो निजी निवेश तेजी से बढ़ेगा और उसका लाभ दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंचेगा।

सरल नियमों से बढ़ेगा निवेश

रिपोर्ट का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष पर्यटन क्षेत्र में नियामकीय सुधारों पर केंद्रित है। वर्तमान में होटल, रिसॉर्ट, वेलनेस सेंटर या पर्यटन परियोजनाओं के लिए विभिन्न विभागों से अलग-अलग अनुमति लेनी पड़ती है, जिससे परियोजनाएं वर्षों तक लंबित रहती हैं। रिपोर्ट में सिंगल विंडो क्लीयरेंस, ऑनलाइन अनुमोदन, समयबद्ध स्वीकृति, विभागों के बेहतर समन्वय तथा अनुपालन प्रक्रियाओं को सरल बनाने की अनुशंसा की गई है। इससे परियोजनाओं की लागत घटेगी, निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा और पर्यटन क्षेत्र में निजी निवेश को नई गति मिलेगी। आंकड़े बता रहे पर्यटन की बढ़ती ताकत भारत का पर्यटन क्षेत्र आज देश की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार बन चुका है। वर्ष 2025-26 के दौरान भारत में लगभग 9.02 मिलियन (90.2 लाख) विदेशी पर्यटक आए थे। इसके बाद, 2026 की शुरूआत (जनवरी-अप्रैल) में भारत में लगभग 10 लाख से 5.34 लाख मासिक विदेशी पर्यटक दर्ज किए गए हैं, जबकि इससे पहले वर्ष 2024 में भारत में लगभग 2.06 करोड़ अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों का आगमन दर्ज किया गया, तब विदेशी पर्यटकों से 35 अरब डॉलर से अधिक विदेशी मुद्रा अर्जित हुई। इस तरह यदि देखें तो पर्यटन उद्योग का देश की जीडीपी में योगदान लगभग 231.6 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच चुका है। रोजगार के क्षेत्र में भी यह उद्योग बड़ी भूमिका निभा रहा है।

जॉब के लिए इन चीजों की कुर्बानी कभी न दें

हम आठ से दस घंटे जॉब करते हैं और वह भी अपना पूरा सौ प्रतिशत देकर। आप भले ही अपने जॉब से कितना भी प्यार क्यों न करते हों लेकिन आपको अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में सीमा बनाकर रखने की जरूरत होती है। अगर हम ऐसा नहीं करेंगे तो हमारा काम, हमारा स्वास्थ्य, हमारा निजी जिंदगी प्रभावित होगी। आइए जानते हैं कि ऐसी कौन सी 5 चीजें हैं जिसे आपको अपने जॉब के लिए कभी कुर्बान नहीं करना चाहिए।

आपका स्वास्थ्य

यह बहुत ही मुश्किल होता है कि काम के समय आप अपने स्वास्थ्य के लिए सीमा तैयार कर ले क्योंकि आपको इसके दुष्प्रभाव का अंदाज ही नहीं होता। आप तनाव का स्वागत करते हैं, नींद खो देते हैं और बिना व्यायाम के लंबे समय पर बैठकर काम करते हैं। जब तब आपको इस बारे में पता चलेगा आपकी हालत खराब हो चुकी होगी। इसलिए इस बात को सुनिश्चित कर लें कि आपकी जॉब के कारण आपके हेल्थ पर कोई गलत प्रभाव तो नहीं पड़ रहा है। कोई भी जॉब ऐसी नहीं है जिसकी कीमत आपके स्वास्थ्य से बढ़कर हो।

आपका परिवार

यह बहुत ही आसान होता है कि आपका परिवार आपके जॉब के कारण प्रभावित हो रहा हो। हममें से कई लोग यह करते हैं क्योंकि हम हमारी नौकरी को हमारे परिवार का चलाने का साधन मानते हैं। आप यह सोचते हैं कि बच्चों को अच्छे कॉलेज-स्कूल में पढ़ाना है तो मुझे ज्यादा पैसा कमाना होगा। बस फिर क्या आप परिवार के साथ क्वॉलिटी टाइम भी नहीं बिता पाते। आप ऐसी कई मेमोरिज मिस कर देते हैं जो आपके परिवार को खुशियां देती है।

आपका विवेक

वह जॉब जो आपके विवेक का एक छोटा सा हिस्सा भी ले ले तो यह आपके लिए अच्छा नहीं है। आपका विवेक कुछ ऐसा है कि इसे आपको ही मॉनिटर करना होगा और खुद को हेल्दी रखने के लिए सीमाएं तय करनी होगी।

आपकी पहचान

जब आपका काम आपकी पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है तो यह खतरनाक साबित हो सकता है कि आपकी पूरी पहचान केवल आपका काम ही हो। अपनी पहचान के बाहर का काम कर के आपको सुखद एहसास होगा। यह आपके तनाव दूर करने में मदद करेगा और एक व्यक्ति के रूप में विकास करने में मददगार साबित होगा।

आपके संपर्क

आपके संपर्क आपकी मेहनत और प्रयास का उत्पाद है। किसी भी जॉब की खातिर आप अपने अच्छे संपर्क सूत्रों से मुंह नहीं मोड़ सकते हैं।

होम साइंस में बनाएं आदर्श करियर

गृह विज्ञान का उद्देश्य नित्य परिवर्तनशील समाज में घर, सामाजिक तथा पारिवारिक जीवन के कल्याण और स्वास्थ्य को बनाए रखना है। गृह प्रबंधन के लिए कौशल एवं वैज्ञानिक ज्ञान अपेक्षित होता है जो मात्र घर के कार्यकलापों तक सीमित नहीं होता बल्कि यह एक चुनौतीपूर्ण व्यवसाय का आधार भी बनता है। गृह विज्ञान पाठ्यक्रम का उद्देश्य न केवल बेहतर गृह प्रबंध से जुड़ा हुआ है, बल्कि यह समृद्ध सामाजिक तथा पारिवारिक जीवन के लिए विशेषज्ञ परामर्श देने हेतु समाज को सक्षम बनाने के लिए उपयोगी है।

वर्तमान समय में होम साइंस अर्थात गृह विज्ञान विषय बहुत व्यापक हो गया है, इसे अब केवल खाना बनाने में दक्षता वाला क्षेत्र ही नहीं माना जाता अपितु गृह-कार्यों को श्रेष्ठता से सम्पन्न करने वाला विज्ञान माना जाने लगा है। होम साइंस एक अंतरविषयी क्षेत्र है, जिसमें कई विषय सम्मिलित हैं। होम साइंस में जीव विज्ञान, भौतिकी, रसायन विज्ञान, शरीर विज्ञान, स्वास्थ्य, अर्थशास्त्र, ग्रामीण विषय, सामाजिक एवं परिवार संबंध, बाल विकास, खाद्य एवं पोषण, परिधान डिजाइन, पहनावा, मानव विकास संसाधन, गृह प्रबंधन, गृह सज्जा, प्रदर्शनी एवं प्रदर्शन कला, ब्यूटी कल्चर, गृह प्रबंध, फैशन मैनेजमेंट, शिशु देखभाल, भोजन प्रबंध, टेक्सटाइल एंड क्लोथिंग, पोषण इत्यादि विषय समाहित हो गए हैं और यह विषय बदलते वक्त की आवश्यकता बन गया है। इस विषय का ज्ञान रखने वाले युवा बेहतर कॅरियर बना सकते हैं।

गृह विज्ञान का उद्देश्य नित्य परिवर्तनशील समाज में घर, सामाजिक तथा पारिवारिक जीवन के कल्याण और स्वास्थ्य को बनाए रखना है। गृह प्रबंधन के लिए कौशल एवं वैज्ञानिक ज्ञान अपेक्षित होता है जो मात्र घर के कार्यकलापों तक सीमित नहीं होता बल्कि यह एक चुनौतीपूर्ण व्यवसाय का आधार भी बनता है। गृह विज्ञान पाठ्यक्रम का उद्देश्य न केवल बेहतर गृह प्रबंध से जुड़ा हुआ है, बल्कि यह समृद्ध सामाजिक तथा पारिवारिक जीवन के लिए विशेषज्ञ परामर्श देने हेतु समाज को सक्षम बनाने के लिए उपयोगी है। गृह विज्ञान प्रकृति में अधिकांशतः वैज्ञानिक है और इसलिए विश्लेषिक मस्तिष्क एवं वैज्ञानिक कुशाग्र बुद्धि होना इस विषय में कॅरियर बनाने हेतु आवश्यक है। इस क्षेत्र में एक व्यावहारिक सोच, सौंदर्यपरक, सृजनशील तथा युक्तिसंगत अभिवृत्ति होना अपेक्षित है।

गौरतलब है कि गृह विज्ञान 10 +2 स्तर पर एक विषय के रूप में लिया जा सकता है। गृह विज्ञान में शिक्षा चार चरणों में डिप्लोमा डिग्री, स्नातकोत्तर डिग्री और डॉक्टरेट स्तर पर प्रदान की जाती है। होम साइंस में बेहतर कॅरियर बनाने के लिए व्यावसायिक पाठ्यक्रम करने आवश्यक हैं। हालांकि एक विषय के रूप में होम साइंस स्कूलों में पढ़ाया जाता है, परंतु यह होम साइंस का बहुत सूक्ष्म रूप होता है जो केवल विषय की सतही जानकारी ही देता है। इसके अलावा कई विश्वविद्यालय होम साइंस में डिप्लोमा भी कराते हैं, जो एक वर्षीय या दो वर्षीय अवधि के होते हैं। जो विद्यार्थी होम साइंस को स्नातक स्तर पर चुनना चाहते हैं, उनके लिए यह आवश्यक है कि उन्होंने इस विषय को 12वीं तक पढ़ा हो। यह पाठ्यक्रम कला एवं विज्ञान दोनों विषयों के साथ उपलब्ध है। आप बीएससी होम साइंस, होम इकोनॉमिक्स, एप्लाइड न्यूट्रीशन, ह्यूमन न्यूट्रीशन, खाद्य व तकनीक, हेल्थ एंड न्यूट्रीशन, फूड टेक्नोलॉजी, फूड सर्विसेज से तथा होम साइंस से बीए कर सकते हैं।

गृह विज्ञान में डिप्लोमा पाठ्यक्रम एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय, मुंबई में चलाया जा रहा है। ग्रेजुएशन स्तर पर आप बीएससी (ऑनर्स) या बीए (गृह विज्ञान) या गृह विज्ञान स्नातक (बीएचएससी) डिग्री चुन सकते हैं। गृह विज्ञान की विभिन्न शाखाओं में स्नातक या स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी किया जा सकता है। जादवपुर विश्वविद्यालय एक वर्षीय अवधि का बीएड (गृह विज्ञान) पाठ्यक्रम चलाता है। जो अपनी किस्म का एकमात्र पाठ्यक्रम है। कई विश्वविद्यालयों में एमफिल तथा डॉक्टोरल (पीएचडी) पाठ्यक्रम की सुविधा भी उपलब्ध है।

पूर्णकालिक एमफिल पाठ्यक्रम की अवधि एक वर्ष है, जबकि अंशकालिक पाठ्यक्रम में दो वर्ष अध्ययन करना होता है। पीएचडी पाठ्यक्रम तीन से चार वर्षों में पूरा किया जा सकता है। इस क्षेत्र में कॅरियर चुनने वाले व्यक्ति को यथार्थवादी सोच सहित तार्किक बुद्धि एवं संतुलित मनोवृत्ति वाला होना चाहिए। कलात्मक कल्पना के साथ सृजनशीलता होना भी इस क्षेत्र में आवश्यक है। होम साइंस रोजगार की दृष्टि से एक अत्यंत उपयोगी विषय है। इससे स्नातक एवं स्नातकोत्तर करने के उपरांत न केवल सरकारी तथा प्रायवेट क्षेत्र में नौकरियाँ हासिल की जा सकती हैं, बल्कि कई प्रकार के स्वरोजगार की प्रारंभ किए जा सकते हैं। इसके अलावा इस क्षेत्र में उच्च शिक्षा नेट/पीएचडी आदि के उपरांत अध्यापन का पेशा भी अपनाया जा सकता है। गृह विज्ञान विषय से स्नातक कोर्स करने के उपरांत सामुदायिक एवं सामाजिक कार्य के क्षेत्रों तथा गैर सरकारी संगठनों, अस्पतालों में खाद्य एवं पोषण से जुड़े कार्यों तथा खाद्य सेवाओं में कॅरियर बनाया जा सकता है। विश्वविद्यालयों तथा कॉलेजों में एसोसिएट प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर, प्रोफेसर के रूप में अध्यापन व्यवसाय में कार्य ग्रहण करने के अलावा शिक्षा अधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता, मनोवैज्ञानिक तथा अनुसंधानकर्ता के रूप में भी अवसर हैं। गृह विज्ञान के छात्र पोषण सलाहकार, अनुसंधान सहायक, खाद्य वैज्ञानिक, खाद्य विश्लेषक तथा पारिवारिक सलाहकार के रूप में भी कार्य कर सकते हैं। खाद्य उत्पादों, शिशु आहार तथा खाद्य उत्पादों के विक्रय एवं संवर्धन के क्षेत्र में भी कॅरियर के विकल्प हैं। कुछ अन्य क्षेत्र जिनमें होम साइंस के विशेषज्ञ कॅरियर बना सकते हैं, वह इस प्रकार हैं-

केटरिंग के क्षेत्र में कॅरियर

गृह विज्ञान में स्नातक या स्नातकोत्तर करने के उपरांत केटरिंग के क्षेत्र में कॅरियर बनाया जा सकता है। केटरिंग का कार्य कुछ विशेष स्थानों जैसे स्कूल एवं अस्पतालों में किया जा सकता है। इनके अतिरिक्त विभिन्न प्रकार के संस्थानों एवं कार्यालयों में कैंटीन चलाने में भी यह पाठ्यक्रम बहुत लाभप्रद है। प्रशिक्षित व्यवसायी उन व्यक्तियों के लिए भी केटरिंग सेवाएँ जैसे भोजनालय या टिफिन सेंटर संचालित कर सकते हैं जो कारखानों एवं कार्यालयों में कार्य करते हैं तथा भोजन की, विशेष रूप से दोपहर के भोजन की व्यवस्था नहीं कर सकते या व्यवस्था करने का समय नहीं होता है।

बेकरी एवं कन्फेक्शनरी के क्षेत्र में कॅरियर

गृह विज्ञान स्नातक या स्नातकोत्तर व्यक्ति कन्फेक्शनरी, आइसक्रीम पार्लर अथवा बेकरी आसानी से चला सकते हैं। वे अपने निजी ऐसे उत्पादों को भी विकसित करने के लिए अभिनव कौशल का प्रयोग कर सकते हैं जो अधिक पोषक हों और पुराने उत्पादों से भिन्न हों।

डे केयर सेंटर के रूप में कॅरियर

नौकरी करने वाली महिलाओं को परिवार से बाहर शिशु देखरेख की आवश्यकता होती है। जिन बच्चों को 12 वर्ष की आयु का होने तक वयस्कों द्वारा देखरेख किए जाने की आवश्यकता होती है और जिन्हें घर पर अकेले नहीं छोड़ा जा सकता, उनके लिए गृह विज्ञान के विशेषज्ञ डे केयर सेन्टर, क्रेच, नर्सरी स्कूल एवं ऑफ्टर स्कूल सेंटर जैसी चाइल्ड हुड केयर यूनिट चला सकते हैं। इसके अलावा वृद्धाश्रम का भी संचालन किया जा सकता है।

पुनर्वास केन्द्र के रूप में कॅरियर

होम साइंस स्नातक कम समझ वाले बच्चों के लिए पुनर्वास केन्द्र संचालित कर सकते हैं। ये केन्द्र समाज के लिए न केवल एक सेवा होगी, बल्कि इनसे उनके तथा अन्य व्यक्तियों के लिए रोजगार सृजन में भी सहायता मिलेगी।

हॉबी सेंटर के रूप में कॅरियर

गृह विज्ञान के विशेषज्ञ ऐसे हॉबी सेंटर चला सकते हैं जहाँ सजावटी वस्तुएँ, खिलौने, डिजाइनर मोमबत्ती, रंगोली, आभूषण डिजाइनिंग, पेंटिंग तथा घरेलू बेकार सामग्रियों से उपयोगी वस्तुएँ बनाना सिखाया जाता है।

ब्यूटी पार्लर के रूप में कॅरियर

आप ब्यूटी पार्लर के क्षेत्र में भी कॅरियर बना सकते हैं। इस क्षेत्र में आप त्वचा तथा बालों की देखभाल संबंधी सेवाएँ दे सकते हैं।

वैश्वीकरण के वर्तमान दौर में होम साइंस एक अच्छा कॅरियर प्रदान करने वाला क्षेत्र है। इस क्षेत्र में आपका वेतन आपकी योग्यताओं तथा अनुभव पर निर्भर करेगा।

किस तरह क्वॉलिफाई कर सकते हैं सीसैट

युवाओं में सिविल सर्विसेज की प्रिलिम्स, यानी सीसैट (सिविल सर्विसेज एप्टिट्यूड टेस्ट) बहुत मायने रखती है। अगर आपमें पैशन है, तो आप इस परीक्षा में अपनी योग्यता दिखाकर अच्छे अंक पा सकते हैं। जानते हैं सी-सैट सहित सिविल सेवा परीक्षा से संबंधित कुछ सामान्य सवालों के जवाब।

सीसैट की तैयारी में कितना समय लगता है

सीसैट (प्रिलिम्स) में 2 ऑब्जेक्टिव टाइप सेक्शन होते हैं। पहला पेपर जनरल स्टडीज का और दूसरा पेपर एप्टीट्यूड टेस्ट का होता है। अगर उम्मीदवार प्रिलिम्स की तैयारी कर रहा है, तो उसे दोनों यानी जनरल स्टडीज पेपर 1 और जीएस मेन्स की तैयारी साथ में ही करनी चाहिए। जहां तक समय का सवाल है, तो प्रिलिम्स की तैयारी के लिए 6 से 8 महीने का समय लग जाता है। अगर उम्मीदवार सही तरीके से तैयारी करे, तो वह जीएस मेन्स का 60 से 70 प्रतिशत भाग कवर कर सकता है। इसके अलावा नोट्स बनाने भी बहुत जरूरी हैं। आपको सिलेक्शन पाने के लिए कुछ हटकर करना पड़ेगा।

सीसैट व मेन्स का जीएस पेपर क्या एक-दूसरे से किसी तरह संबंधित हैं?

शायद ही इन दोनों में कुछ कॉमन हो। फिर भी, अगर हम इसकी गहराई में जाएं, तो एक संबंध देख सकते हैं कि अगर किसी उम्मीदवार की जीएस बहुत अच्छी है, तो यह उसे रीडिंग काम्प्रिहेंशन सेक्शन में मदद कर सकती है, जिससे सीसैट में कम से कम 40 से 60 प्रतिशत प्रश्न पूछे जाते हैं।

सीसैट पेपर 1 और 2 के लिए विद्यार्थियों की क्या रणनीति होनी चाहिए?

पेपर 1 - इसके लिए सबसे जरूरी यह है कि उम्मीदवार एनसीईआरटी की पुस्तकों को बहुत अच्छे-से पढ़े। कक्षा 6 से 12 तक की हिस्ट्री, सिविक्स और जिओग्रॉफी को अच्छे से पढ़ें। कक्षा 9 से 12 तक की इकोनॉमिक्स का गहराई से अध्ययन करें और कक्षा 11 व 12 की सोशलॉजी पर फोकस करें। एनसीईआरटी बुक्स के साथ-साथ आपको एक अच्छा अखबार भी नियमित रूप से पढ़ना चाहिए। इसके अलावा वार्षिक बुक भी अच्छे से पढ़ें। आपको इकोनॉमिकल और पॉलिटिकल साप्ताहिक मैगजीन भी पढ़नी चाहिए।

पेपर 2 - इसके लिए आपको कक्षा 7 से 10 तक की मैथ्स पर बहुत अच्छा कमांड होना चाहिए। इसके अलावा रीजनिंग का बेसिक ज्ञान भी अच्छा होना चाहिए।

करंट अफेयर्स के तहत किस तरह के प्रश्न पूछे जाते हैं?

जहां तक प्रिलिम्स का सवाल है, कुछ साल पहले तक करंट अफेयर्स से काफी प्रश्न पूछे जाते थे, लेकिन पिछले 2-3 सालों से इन प्रश्नों में कुछ कमी आई है। एक बात का हमेशा ध्यान रखें कि सिविल सर्विसेज एग्जाम का कोई स्पष्ट ट्रैंड नहीं होता है। करंट अफेयर्स के प्रश्न सीसैट में नहीं पूछे जाते, बल्कि मेन्स में पूछे जाते हैं। इसीलिए उम्मीदवारों को अपने आसपास की घटनाओं से अपडेट रहना चाहिए।

सीसैट में एक सामान्य विद्यार्थी की सफलता की कितनी संभावना होती है?

लगभग 5 लाख उम्मीदवार इस परीक्षा के लिए बैठे थे, जिसमें 3.7 प्रतिशत ही सीसैट क्रैक कर पाए, जबकि करीब 80 प्रतिशत उम्मीदवार ऐसे भी थे, जो बहुत आश्वस्त थे अपने चयन को लेकर मगर वे प्रिलिम्स तक नहीं क्वॉलिफाई कर पाए। वास्तव में प्रतिस्पर्धा 20 प्रतिशत उम्मीदवारों के बीच ही थी। पिछले 5-6 साल से सक्सेस रेट 3-6 प्रतिशत रहा है। सीसैट कठिन तो है पर असंभव नहीं है। एक सामान्य विद्यार्थी भी कड़ी मेहनत करके सीसैट क्वॉलिफाई कर सकता है।

क्या सीसैट क्वॉलिफाई करने के लिए कोचिंग जरूरी है?

कोचिंग जरूरी तो नहीं है, फिर भी अगर आप कोई कोचिंग ज्वॉइन करना चाहते हैं, तो बहुत सोच-समझकर ऐसा करें और हो सके तो उसी से मार्गदर्शन लें, जिसने खुद यह परीक्षा दी हो। कारण यह कि कई कोचिंग संस्थानों में फैकल्टी अच्छी नहीं होती।

सीसैट में सफलता का मुख्य सूत्र क्या है?

सबसे जरूरी बात तो यह है कि उम्मीदवारों का कॉन्सेप्ट बिल्कुल स्पष्ट होना चाहिए। कॉन्सेप्ट क्लीयर हो, तो सी-सैट मुश्किल नहीं। सभी विषयों पर मेहनत करें। किसी विषय को नजरअंदाज न करें।

हेडफील्ड सॉल्यूशंस ने भारत का पहला ग्लोबल सेल्स टैलेंट हंट किया लॉन्च

जिससे 300 से ज्यादा ग्लोबल करियर के मौके खुलेंगे

दो दिन चलने वाला यह हायरिंग प्लेटफॉर्म एक ही जगह पर ग्लोबल सेल्स की भूमिकाएँ, लाइव स्किल असेसमेंट और हायरिंग से जुड़े फैसले लेने वालों से सीधे बातचीत का मौका देता है

भारत के सेल्स टैलेंट को ग्लोबल वर्कफोर्स के लिए हायर करने के तरीके में बदलाव का संकेत देते हुए, हेडफील्ड सॉल्यूशंस ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में अपनी तरह का पहला ग्लोबल सेल्स टैलेंट हंट लॉन्च किया। इस पहल के तहत 14 से ज्यादा बिजनेस वर्टिकल और 25 से ज्यादा सेक्टर में 300 से ज्यादा ग्लोबल करियर के मौके उपलब्ध कराए जा रहे हैं।8 और 9 अगस्त को आयोजित होने वाले इस दो-दिवसीय टैलेंट हंट में सेल्स प्रोफेशनल्स, नए ग्रेजुएट्स और बिजनेस डेवलपमेंट में करियर बनाने के इच्छुक लोगों को ग्लोबल स्तर के मौकों, रिक्रूटर्स और हायरिंग लीडर्स से जुड़ने का मौका मिलेगा। आम तौर पर होने वाली हायरिंग ड्राइव्स में पहले रिज्यूमे जमा करना होता है और कई राउंड की स्क्रीनिंग होती है, लेकिन इस पहल में उम्मीदवारों की कम्युनिकेशन,

लोगों को मनाने (स्त्री१२४३ङ्कल्ल), समस्या सुलझाने और बेचने की क्षमताओं को रियल-टाइम में दिखाने पर ज्यादा जोर दिया जाता है। इस पहल का दायरा काफी बड़ा है।14 से ज्यादा बिजनेस लाइन्स में 300 से ज्यादा मौकों के साथ, हेडफील्ड इस इवेंट को भारत के कमर्शियल टैलेंट को इंटरनेशनल बिजनेस के मौकों से जोड़ने वाले एक नेशनल प्लेटफॉर्म के तौर पर पेश कर रहा है। यह हायरिंग ड्राइव हर तरह के अनुभव वाले उम्मीदवारों के लिए खुली है, जिसमें फ्रेशर्स, शुरूआती करियर वाले प्रोफेशनल्स और अनुभवी सेल्स व बिजनेस डेवलपमेंट टैलेंट शामिल हैं।

सेल्स हायरिंग में पारंपरिक रूप से रिज्यूमे, इंटरव्यू और स्टैंडर्ड स्क्रीनिंग प्रोसेस पर बहुत ज्यादा निर्भरता रही है। हेडफील्ड का टैलेंट हंट एक अलग तरीका अपनाता है, जिसमें हायरिंग प्रोसेस के केंद्र में उम्मीदवारों की असल सेल्स क्षमताएँ होती हैं। इस इवेंट में लाइव पिच बैटल्स और रियल-टाइम असेसमेंट शामिल हैं, जिससे उम्मीदवार यह दिखा सकते हैं कि वे कैसे बातचीत करते हैं, दबाव को कैसे संभालते हैं, आपत्तियों का जवाब कैसे देते हैं और लोगों को प्रभावित करने वाला बिजनेस केस कैसे बनाते हैं। उम्मीदवारों को रिक्रूटर्स और फैसले लेने वालों से सीधे बातचीत करने का मौका भी मिलता है, जिससे पारंपरिक हायरिंग प्रोसेस का समय कम हो सकता है।

हेडफील्ड सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के फाउंडर और उएड कुणाल जग्गी ने कहा भारत में टैलेंट की कभी कमी नहीं रही है बड़ी चुनौती ग्लोबल मौकों तक सीधी पहुँच बनाना रही है। ग्लोबल सेल्स टैलेंट हंट के जरिए हम सेल्स टैलेंट को खोजने और परखने के तरीके को बदलना चाहते हैं। एक रिज्यूमे से यह तो पता चल सकता है कि किसी ने कहाँ काम किया है, लेकिन उससे हमेशा यह पता नहीं चलता कि वे कैसे सोचते हैं, बातचीत करते हैं, दूसरों पर असर डालते हैं या अहम मौकों पर कैसा प्रदर्शन करते हैं। उन्होंने आगे कहा इसीलिए हम एक ऐसा प्लेटफॉर्म बनाना चाहते थे जहाँ टैलेंट को रियल-टाइम में देखा, परखा और खोजा जा सके। हमारा मकसद भारत के कमर्शियल टैलेंट को ग्लोबल मार्केट तक पहुँचाना और ऐसे प्रोफेशनल्स की एक मजबूत पाइपलाइन तैयार करना है जो इंटरनेशनल ग्रोथ को आगे बढ़ा सकें।

मीडिया फेडरेशन ऑफ इंडिया ने दूसरे बिजनेस आइकन अवॉड्र्स 2026 में दिग्गजों को किया सम्मानित

मीडिया फेडरेशन ऑफ इंडिया ने द्वितीय बिजनेस आइकन अवॉड्र्स 2026 का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस अवसर पर बिजनेस, स्वास्थ्य सेवा, परिवहन, लोक प्रशासन, मीडिया और कॉरपोरेट संचार सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले प्रतिष्ठित पेशेवरों और संगठनों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन मीडिया फेडरेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अरुण शर्मा के नेतृत्व में किया गया। इस आयोजन को गेल (इंडिया) लिमिटेड, एनटीपीसी, ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस, दिल्ली कॉन्ट्रैक्ट बस एसोसिएशन, रेवेन्यू न्यूज, सन एविएशन प्राइवेट लिमिटेड, अरुण भारत और वैक्सीन इंडिया ट्रस्ट का सहयोग प्राप्त हुआ।

समारोह में कई प्रतिष्ठित अतिथि उपस्थित रहे, जिनमें डॉ. अजय गंभीर, डॉ. अंजू गंभीर और श्री ओम प्रकाश, पूर्व अतिरिक्त निदेशक, पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन, प्रमुख रूप से शामिल रहे।

अवार्ड समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाले लोगों को सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में डॉ. हरीश सभरवाल, प्रोफेसर (डॉ.) सिम्मी रत्तन, श्री विजेंदर सिंह, प्रोफेसर शिल्पा शर्मा, श्री गौरव शर्मा, श्री रवि नायर, वेदांता बाल्को (श्री विजय बाजपेयी द्वारा प्रतिनिधित्व), श्री शाहिद सईद, श्री राजेंद्र कुमार, डॉ. जहीरूद्दीन, सुश्री प्रतीक्षा, श्री कुलदीप शर्मा और श्री आशुबोध देवड़ी शामिल रहे।

श्री आशुबोध देवड़ी को राजनीतिक जनसंपर्क में सर्वश्रेष्ठ योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

मीडिया फेडरेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अरुण शर्मा ने कहा बिजनेस आइकन अवॉड्र्स उन लोगों के योगदान को पहचानने का हमारा प्रयास है, जिनका काम समाज पर स्थायी प्रभाव डालता है और दूसरों को उत्कृष्टता के लिए प्रेरित करता है। मीडिया फेडरेशन ऑफ इंडिया आगे भी ऐसे उपलब्धि हासिल करने वालों को सम्मानित करता रहेगा और नेतृत्व, नवाचार तथा जनसेवा को प्रोत्साहित करने वाले मंचों को मजबूत करेगा। सम्मान प्राप्त करने के बाद प्रतीक्षा ने आभार व्यक्त करते हुए कहा, ह्लयह सम्मान मुझे ईमानदारी के साथ काम जारी रखने और जिम्मेदार पत्रकारिता एवं रणनीतिक संचार के मूल्यों को बनाए रखने के लिए प्रेरित करता रहेगा। वहीं श्री आशुबोध देवड़ी ने पुरस्कार प्राप्त करने के बाद कहा, ह्लराजनीतिक संचार का उद्देश्य तथ्यों, रणनीति और सार्थक जनसंपर्क के माध्यम से विश्वास कायम करना है।

यह सम्मान मुझे इस पेशे में और अधिक जिम्मेदारी एवं प्रतिबद्धता के साथ योगदान देने के लिए प्रेरित करेगा। कार्यक्रम का समापन पुरस्कार वितरण समारोह और धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इस दौरान आयोजन को सफल बनाने के लिए सहयोगी संस्थाओं, विशिष्ट अतिथियों, प्रतिभागियों और सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया गया।

कोफोर्ज पब्लिक लाइब्रेरी ने बच्चों के लिए रीडिंग पासपोर्ट और रीडिंग जर्नल किया लॉन्च

नेशनल बुक लवर्स डे के अवसर पर, कोफोर्ज पब्लिक लाइब्रेरी बच्चों को पढ़ने की बेहतर आदतें विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एक रीडिंग पासपोर्ट और एक रीडिंग जर्नल लॉन्च कर रही है। यह पासपोर्ट और जर्नल नोएडा, गुरुग्राम, दिल्ली और हैदराबाद स्थित सभी कोफोर्ज पब्लिक लाइब्रेरियों में निःशुल्क उपलब्ध होंगे। इस पहल का उद्देश्य बच्चों के लिए पढ़ने के अनुभव को अधिक रोचक, विचारशील और फायदेमंद बनाना है। रीडिंग पासपोर्ट की मदद से बच्चे अपनी पढ़ी गई किताबों का ट्रैक रख सकेंगे, नए पड़ावों को चिह्नित कर सकेंगे और अपनी

प्रगति का जश्न मना सकेंगे। वहीं, रीडिंग जर्नल उन्हें थोड़ा ठहरकर यह सोचने और लिखने के लिए प्रेरित करेगा कि हर किताब ने उन्हें क्या नया सिखाया - जैसे नए शब्द, पसंदीदा पात्र, यादगार पल, मुख्य सीख और कहानी से प्रेरित उनके विचार। निरंतरता और चिंतन दोनों को बढ़ावा देकर, इन टूल्स को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि बच्चे नियमित रूप से पढ़ने के साथ-साथ अपनी भाषाई क्षमता, आलोचनात्मक सोच, रचनात्मकता और खुद को व्यक्त करने की कला को भी विकसित कर सकें। यह लॉन्च बच्चों के लिए पढ़ने की आदत को एक आनंददायक, सार्थक और फायदेमंद अनुभव बनाने के कोफोर्ज पब्लिक लाइब्रेरी के व्यापक प्रयासों का ही एक हिस्सा है।

कोफोर्ज की चीफ ब्रांड एंड सस्टेनेबिलिटी ऑफिसर, अनुराधा सहगल ने कहा किताबें पढ़ना किसी भी बच्चे में जिज्ञासा, कल्पनाशीलता और आत्मविश्वास विकसित करने के सबसे सशक्त माध्यमों में से एक है। रीडिंग पासपोर्ट और रीडिंग जर्नल बहुत ही सरल टूल हैं, लेकिन हमें उम्मीद है कि ये बच्चों को नियमित रूप से पढ़ने, अपनी प्रगति का जश्न मनाने और हर किताब से मिलने वाली सीख को सहेजने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। हम अपने युवा पाठकों के सामने इन्हें पेश करते हुए बेहद उत्साहित हैं।

सोच-समझकर तैयार किए गए किताबों के कलेक्शन और एक प्रेरणादायक व बेहतरीन डिजाइन वाले माहौल के साथ, कोफोर्ज पब्लिक लाइब्रेरी पुस्तकालयों को एक ऐसे आकर्षक सार्वजनिक स्थान के रूप में फिर से परिभाषित कर रही है, जहाँ बच्चे अपनी आकांक्षाएं व आत्मविश्वास बढ़ा सकें और किताबों के साथ जीवन भर का रिश्ता जोड़ सकें।

शब्दवाणी समाचार

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

बजाज फाइनेंस	5.90 प्रतिशत
बजाज फिनसर्व	4.18 प्रतिशत
आईसीआईसीआई बैंक	3.72 प्रतिशत
ट्रेंट	3.54 प्रतिशत
एक्सिस बैंक	1.20 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	1,49,724
बिटुर	88,730
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	2,28,350
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	96.34	93.27
पौंड स्टर्लिंग	130.17	125.58
यूरो	111.66	107.51
चीन युआन	14.99	13.27

अनाज

देसी गेहूं एमपी	2400-3000
गेहूं दड़ा	2862.70
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4293.58
चीनी एम	4500-4600
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4986.64

दाल-दलहन

चना	5700-5800
दाल चना	7798.23
मसूर काली	8109.74
उड़द दाल	10982.42
मूंग दाल	10178.50
अरहर दाल	11305.20

बिहार की मिथिला मखाना ने भरी वैश्विक उड़ान

पटना, 8 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार के जीआई-टैग प्राप्त मिथिला मखाना ने वैश्विक बाजार में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। बिहार से पहली बार 18 मीट्रिक टन जीआई-टैग प्राप्त मिथिला मखाना की खेप समुद्री मार्ग से ऑस्ट्रेलिया निर्यात की गई है। इस उपलब्धि को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राज्य के किसानों की मेहनत और बिहार के कृषि उत्पादों की बढ़ती वैश्विक पहचान का गौरवपूर्ण प्रमाण बताया है। उन्होंने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की पोस्ट को री-पोस्ट करते हुए कहा कि मिथिलांचल की धरती से ऑस्ट्रेलिया के बाजार तक बिहार के मखाने ने वैश्विक उड़ान भरी है।

सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि जीआई-टैग प्राप्त मिथिला मखाना की 18 मीट्रिक टन की पहली समुद्री खेप का ऑस्ट्रेलिया निर्यात राज्य के किसानों की मेहनत और कृषि उत्पादों की बढ़ती वैश्विक पहचान का गौरवपूर्ण प्रमाण है। दरभंगा के किसानों से सीधे खरीदी गई इस खेप से उन्हें बाजार मूल्य की तुलना में करीब 18 प्रतिशत अधिक लाभ मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह उपलब्धि बिहार के कृषि उत्पादों की बढ़ती वैश्विक स्वीकार्यता और किसानों की समृद्धि की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

■ बिहार से ऑस्ट्रेलिया भेजी गई 18 मीट्रिक टन की पहली समुद्री खेप

उन्होंने इसे बिहार के कृषि क्षेत्र के लिए उत्साहजनक उपलब्धि बताया। वहीं, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने अपनी 'एक्स' पोस्ट में कहा कि भारत के जीआई-टैग प्राप्त मिथिला मखाना ने वैश्विक बाजार में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। एपीडा के सहयोग से बिहार से पहली बार 18 मीट्रिक टन जीआई-टैग प्राप्त मिथिला मखाना का समुद्री मार्ग से ऑस्ट्रेलिया को निर्यात किया गया।

पीयूष गोयल के अनुसार, इस खेप की खरीद दरभंगा के किसानों से सीधे की गई, जिससे उन्हें बाजार मूल्य की तुलना में लगभग 18 प्रतिशत अधिक लाभ प्राप्त हुआ। उन्होंने इसे भारतीय कृषि उत्पादों की वैश्विक पहुंच और किसानों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम के रूप में रेखांकित किया। मिथिला मखाना को जीआई टैग मिलने के बाद इसकी विशिष्ट पहचान को वैश्विक बाजार में मजबूती मिली है। ऑस्ट्रेलिया को समुद्री मार्ग से पहली बड़ी खेप का निर्यात बिहार के मखाना उत्पादकों के लिए नए अंतरराष्ट्रीय बाजारों के द्वार खोलने वाला कदम माना जा रहा है।

बिहार की प्रतिभा व उत्पादों को वैश्विक बाजार में मिल रही नई पहचान : पीयूष गोयल

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि बिहार की प्रतिभा और उत्पाद अब वैश्विक बाजारों में एक नई पहचान बना रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के नए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के साथ 'बिहार के कृषि और कृषि-प्रसंस्कृत, वस्त्र, चमड़ा, फुटवियर, इंजीनियरिंग, रसायन और फार्मास्युटिकल उत्पादों के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजारों के द्वार खुल रहे हैं। मंत्री ने कहा कि बिहार के उत्पाद अब केवल घरेलू बाजार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि दुनिया के विभिन्न देशों में अपनी मौजूदगी दर्ज करा रहे हैं, जिससे राज्य के किसानों, छोटे उद्योगों और निर्यातकों को बड़ा लाभ मिलने की उम्मीद है। भारत ने वित्त वर्ष 2025-26 में 863.1 अरब डॉलर के रिकॉर्ड निर्यात का आंकड़ा हासिल किया है, और विभिन्न मुक्त व्यापार समझौते भारतीय कंपनियों और उत्पादों को वैश्विक बाजारों तक बेहतर पहुंच प्रदान कर रहे हैं और निर्यात को अधिक विविध बनाकर श्रम-प्रधान क्षेत्रों को मजबूत कर रहे हैं। सरकार ने निर्यात बाजारों में विविधता लाने के लिए कई कदम उठाए हैं, जिनमें नए मुक्त व्यापार समझौतों पर हस्ताक्षर करना, प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के साथ व्यापार वार्ता आगे बढ़ाना और विभिन्न निर्यात प्रोत्साहन गतिविधियों को बढ़ावा देना शामिल है। इसके लिए निर्यात संवर्धन मिशन, विदेशों में भारतीय मिशन, निर्यात संवर्धन परिषदों (ईपीसी), उद्योग संगठनों और अन्य हितधारकों के साथ मिलकर काम किया जा रहा है।

■ एफटीए से खुल रहे निर्यात के नए रास्ते

वैश्विक टेक सेक्टर में 2026 में गई 1.63 लाख से ज्यादा नौकरियां

नई दिल्ली, 8 अगस्त (एजेंसियां)। वैश्विक टेक्नोलॉजी उद्योग में इस साल छंटनी का दौर लगातार जारी है। एक नई रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2026 की शुरुआत से अब तक दुनिया भर की टेक कंपनियां 1.63 लाख से अधिक कर्मचारियों की छंटनी कर चुकी हैं। इनमें से बड़ी संख्या में नौकरियां ऐसी हैं, जहां कंपनियों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को प्रमुख कारणों में से एक बताया है।

ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि 2026 में अब तक कुल 1,63,427 कर्मचारियों की छंटनी की गई है, जिनमें से 91,215 नौकरियों पर एआई का सीधा या परोक्ष प्रभाव बताया गया है। इससे संकेत मिलता है कि कंपनियां तेजी से ऑटोमेशन और एआई तकनीकों को अपनाते हुए अपने कार्यबल का पुनर्गठन कर रही हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, सबसे

■ एआई के चलते बढ़ी छंटनी की रफ्तार

ज्यादा प्रभावित क्षेत्रों में क्लाउड और सास कंपनियां रहीं, जहां 37,492 कर्मचारियों की छंटनी हुई। इसके बाद ई-कॉमर्स और मार्केटप्लेस सेक्टर में 22,633, आईटी सेवाओं में 16,756 और सोशल मीडिया कंपनियों में 13,592 नौकरियां समाप्त की गईं। एंटरप्राइज सॉफ्टवेयर सेक्टर में भी कुल छंटनी का करीब 8.14 प्रतिशत हिस्सा रहा।

एंटरप्राइज सॉफ्टवेयर सेक्टर में हुई छंटनी का सबसे बड़ा प्रभाव अमेरिका में देखने को मिला। इस क्षेत्र में हुई कुल छंटनी का लगभग 88.6 प्रतिशत हिस्सा अमेरिकी कंपनियों से जुड़ा रहा।

उपभोक्ता निश्चिंत होकर ई20 पेट्रोल का कर सकते हैं उपयोग : सरकार

नई दिल्ली, 8 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने ई20 पेट्रोल की गुणवत्ता को लेकर सामने आई चिंताओं को खारिज करते हुए कहा है कि उपभोक्ताओं को इस ईंधन का इस्तेमाल पूरी तरह भरोसे के साथ जारी रखना चाहिए। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने शनिवार को स्पष्ट किया कि तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) द्वारा उपलब्ध कराया जा रहा ई20 पेट्रोल निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप है और इसकी निगरानी के लिए मजबूत गुणवत्ता नियंत्रण व्यवस्था लागू है।

मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि हाल के दिनों में कुछ मीडिया रिपोर्टों में ई20 पेट्रोल में नमी और क्लोराइड की मौजूदगी को लेकर सवाल उठाए गए थे, जिसके बाद तेल कंपनियों ने पूरे देश में ई20 पेट्रोल की सप्लाई चेन

■ निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप है ईंधन

में अतिरिक्त और व्यापक परीक्षण अभियान चलाया। सरकार के अनुसार, इन परीक्षणों के नतीजों से यह साफ हुआ है कि ईंधन की गुणवत्ता निर्धारित सीमा से काफी बेहतर स्तर पर बनी हुई है।

मंत्रालय ने कहा कि वैज्ञानिक तरीकों से किए गए व्यापक और यादृच्छिक परीक्षणों में ईंधन के दूषित होने का कोई प्रमाण नहीं मिला है।

एससीआई ने कंटेनर जहाजों के निर्माण के लिए जारी किया वैश्विक टेंडर

नई दिल्ली, 8 अगस्त (एजेंसियां)। देश की प्रमुख सरकारी नौवहन कंपनी शिपिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एससीआई) ने अब तक का सबसे बड़ा वैश्विक जहाज निर्माण टेंडर जारी किया है। कंपनी ने लगभग 720 मिलियन डॉलर (करीब 6,858 करोड़ रुपए) की लागत से छह आधुनिक कंटेनर जहाजों के निर्माण के लिए अंतरराष्ट्रीय निविदा आमंत्रित की है। इस कदम को भारत की समुद्री परिवहन क्षमता बढ़ाने और घरेलू जहाज निर्माण उद्योग को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मरीन इनसाइट की रिपोर्ट के अनुसार, इस टेंडर के तहत 6

■ कंपनी ने करीब 6,858 करोड़ रुपए की लागत से छह कंटेनर जहाजों के निर्माण के लिए अंतरराष्ट्रीय निविदा किया आमंत्रित

सेल्युलर कंटेनर पोत बनाए जाएंगे, जिनमें से प्रत्येक की क्षमता 8,000 ट्वेंटी-फुट इक्विवेलेंट यूनिट (टीईयू) होगी। टीईयू कंटेनर जहाजों की माल ढुलाई क्षमता मापने की एक मानक इकाई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, छह जहाजों में से दो जहाजों का ऑर्डर पक्का होगा, जबकि शेष चार जहाज वैकल्पिक श्रेणी में रखे गए हैं। इससे एससीआई को भविष्य की जरूरतों और बाजार की परिस्थितियों के अनुसार अतिरिक्त जहाजों का ऑर्डर देने की सुविधा मिलेगी। टेंडर की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इसमें भारतीय शिपयार्ड्स को विशेष प्राथमिकता दी गई है। इसके लिए राइट ऑफ फर्स्ट रिफ्यूजल (आरओएफआर) व्यवस्था लागू की गई है। इस व्यवस्था के तहत यदि किसी विदेशी शिपयार्ड की बोली सबसे कम रहती है, तो योग्य भारतीय शिपयार्ड को उस कीमत का मिलान करने का अवसर दिया जाएगा।

सार संक्षेप

सेंचुरीप्लाई ने लॉन्च किया 'टोटल कवर'

नई दिल्ली। सेंचुरीप्लाई ने 'टोटल कवर' लॉन्च किया है, जो देश में प्लाईवुड के लिए अपनी तरह की पहली कम्प्रीहेंसिव वारंटी है। इसके तहत यदि क्लब प्राइम या आर्किटेक्ट प्लाई में खरीद की तारीख से 10 वर्षों के भीतर वारंटी के दायरे में आने वाली कोई खराबी पाई जाती है, तो कंपनी सिर्फ प्लाईवुड ही नहीं, बल्कि उससे जुड़े फर्नीचर पर आने वाले खर्च की भी भरपाई करेगी। इसमें प्लाईवुड, लैमिनेट या वीनियर, एडहेसिव, मजदूरी और परिवहन जैसे खर्च शामिल होंगे। कंपनी का कहना है कि इस स्तर की वारंटी वही निर्माता दे सकता है, जिसे अपने उत्पादों की गुणवत्ता पर पूरा भरोसा हो। 'टोटल कवर' उसी भरोसे का विस्तार है, जिसे सेंचुरीप्लाई अपने ग्राहकों तक पहुंचाना चाहती है। सेंचुरीप्लाई के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर केशव भजनका ने कहा, 'करीब ढाई वर्षों तक ग्राहकों के अनुभवों का अध्ययन करने के बाद हमें यह महसूस हुआ कि आज का ग्राहक यह तय नहीं कर पा रहा कि किस पर भरोसा किया जाए। वर्षों से अलग-अलग कंपनियां कई तरह के दावे करती रही हैं, जिससे केवल दावों के आधार पर विश्वास कायम रखना मुश्किल हो गया है। यही वजह है कि 'टोटल कवर' सिर्फ एक और उत्पाद संबंधी दावा नहीं, बल्कि ग्राहकों के फर्नीचर पर किए गए पूरे निवेश के साथ खड़े रहने का हमारा वादा है।

जियो ने पेश किए 84 दिन व एक साल के ओटीटी-पास

नई दिल्ली। फिल्में, वेब सीरीज, लाइव स्पोर्ट्स और टीवी चैनल देखने वाले ग्राहकों के लिए जियो ने लंबी वैलिडिटी वाले ओटीटी-पास पेश किये हैं। कंपनी ने 550 रुपए में 84 दिन और 2,000 रुपए में 365 दिन वाले दो नए पास की घोषणा की है। पहले से मौजूद 200 रुपए के पास की वैधता 28 दिन है। तीनों पास में हाई-स्पीड डेटा, अनलिमिटेड 5जी, 15 प्रीमियम ओटीटी ऐप और जियो टीवी पर 1,000 से ज्यादा लाइव टीवी चैनल का एक्सेस मिलेगा। नये ओटीटी-पास के लिए ग्राहक के पास एक साल का सक्रिय बेस प्लान होना अनिवार्य होगा। वॉयस-ओनली प्लान इसमें शामिल नहीं हैं। कंपनी ने कहा कि लंबी अवधि का पास लेने पर ग्राहक की लागत भी कम होती है।

ब्रिक्स देश इनवॉयस डिस्काउंटिंग प्रणाली शुरू करने पर सहमत

जयपुर। ब्रिक्स व्यापार समूह के व्यापार मंत्रियों की 16वीं बैठक यहां भारत की अध्यक्षता में 'जयपुर सहमति' की घोषणा के साथ सम्पन्न हुई जिसमें सदस्य अन्य बातों के अलावा देश आपस में व्यापारियों की अल्पकालिक कर्ज सुविधा के लिए एक इनवॉयस (बीजक) डिस्काउंटिंग प्रणाली शुरू करने पर सहमत हुए हैं। इनवॉइस डिस्काउंटिंग के तहत कोई फर्म अपने ग्राहकों के बकाया बिलों को किसी बैंक यह वित्तीय कंपनी अथवा डिजिटल प्लेटफॉर्म पर गिरवी रखकर तुरंत नकद पैसा प्राप्त कर सकता है।

स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने किए रणनीतिक समझौते

नई दिल्ली, 8 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने शनिवार को कहा कि देश के स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत बनाने और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए प्रमुख उद्योग संगठनों और इकोसिस्टम भागीदारों के साथ कई रणनीतिक समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिनका उद्देश्य स्टार्टअप्स को वित्तीय, तकनीकी, निवेश और क्षमता निर्माण से जुड़ी बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने डिजिटल भुगतान कंपनी कैशफ्री पेमेंट्स इंडिया के साथ एक समझौता किया है। इस साझेदारी का उद्देश्य डीपीआईआईटी से मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स को डिजिटल पेमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर, फिनटेक समाधान और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों तक बेहतर पहुंच उपलब्ध कराना है। सरकारी बयान के अनुसार, यह सहयोग डीपीआईआईटी की संस्थागत पहुंच और कैशफ्री की डिजिटल भुगतान विशेषज्ञता को एक साथ लाकर स्टार्टअप्स को तेजी से

बढ़ने में मदद करेगा, जिसके तहत पात्र स्टार्टअप्स को सुरक्षित और स्केलेबल पेमेंट एवं पेआउट समाधान, डिजिटल पहचान सत्यापन, जोखिम प्रबंधन सेवाएं, आसान ऑनबोर्डिंग और विशेष व्यावसायिक लाभ दिए जाएंगे। इसके अलावा, डीपीआईआईटी ने डार्विन डायनेमिक्स के साथ भी एक समझौता किया है, जिसका उद्देश्य उद्यमिता विकास को बढ़ावा देना और देश में अधिक समावेशी तथा नवाचार आधारित स्टार्टअप इकोसिस्टम तैयार करना है।

इस साझेदारी के तहत स्टार्टअप इंडिया पहल को टियर-2, टियर-3 शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया जाएगा। साथ ही स्टार्टअप्स को मेंटरशिप, संस्थागत नेटवर्क,

■ स्टार्टअप इंडिया पहल को टियर-2, टियर-3 शहरों व ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाने पर जोर

बाजार तक पहुंच और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों का लाभ मिलेगा।

डार्विन डायनेमिक्स स्टार्टअप्स के औपचारिक पंजीकरण को बढ़ावा देने, उद्यमिता के प्रति जागरूकता फैलाने और कौशल विकास कार्यक्रमों को मजबूत करने का काम करेगी। इसके अलावा स्वच्छ ऊर्जा, ग्रीन हाइड्रोजन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), जलवायु प्रौद्योगिकी और उन्नत विनिर्माण जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में नवाचार को भी प्रोत्साहित किया जाएगा। डीपीआईआईटी ने वल्टर इंडिया के साथ भी साझेदारी की है, जिसका लक्ष्य स्टार्टअप्स के लिए तकनीकी बुनियादी ढांचे को मजबूत करना है। इसके तहत स्टार्टअप्स को क्लाउड कंप्यूटिंग संसाधनों, तकनीकी प्रशिक्षण और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर तक बेहतर पहुंच मिलेगी।

आरबीआई ने शहरी सहकारी बैंकों के प्रति सहयोगात्मक रवैया अपनाया : शाह

मुंबई, 8 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने हाल के वर्षों में शहरी सहकारी बैंकों के प्रति सहयोगात्मक रवैया अपनाया है। उन्होंने दोनों पक्षों से एक-दूसरे के प्रति लंबे समय से बनी धारणाओं से आगे बढ़कर इस क्षेत्र को मजबूत बनाने की अपील की।

मुंबई में नेशनल अर्बन कोऑपरेटिव फाइनेंस एंड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के नए कार्यालय भवन के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि शहरी सहकारी बैंक और आरबीआई को अधिक विश्वास और भरोसे के साथ मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब भी सरकार और सहकारी बैंकिंग क्षेत्र ने सकारात्मक तरीके से आरबीआई से संपर्क किया, तब केंद्रीय बैंक ने भी सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है।

अमित शाह ने आरबीआई द्वारा उठाए गए कई कदमों का उल्लेख किया। इनमें शाखाओं के विस्तार संबंधी नियमों में ढील देना, घर-घर बैंकिंग सेवाओं की अनुमति देना, यूसीबी को डिमांड ड्राफ्ट और जीवन

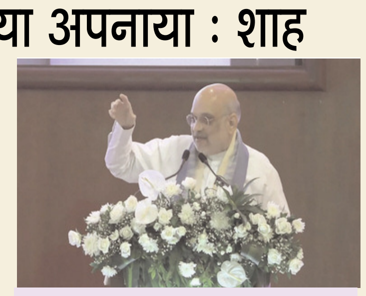

■ आपसी भरोसे से मजबूत होगा सेक्टर

प्रमाण पत्र जारी करने की अनुमति देना तथा इस क्षेत्र के लिए एक समर्पित नोडल अधिकारी की नियुक्ति शामिल है। उन्होंने शहरी सहकारी बैंकों के लिए हाल ही में किए गए नियामकीय सुधारों का भी स्वागत किया। इनमें गोल्ड लोन की सीमा बढ़ाना और वन-टाइम सेटलमेंट की व्यवस्था लागू करना शामिल है।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि वर्तमान में शहरी सहकारी बैंकों में 6 लाख करोड़ रुपए से अधिक की जमा राशि मौजूद है। उनकी यह टिप्पणी आरबीआई गवर्नर द्वारा हाल ही में शहरी सहकारी बैंकों के लिए ऑन-टैप लाइसेंसिंग फ्रेमवर्क लागू करने की दिशा में हुई प्रगति की जानकारी दिए जाने के कुछ दिनों बाद आई है।

इस हफ्ते सोना 6 हजार रुपए से अधिक महंगा हुआ, चांदी 2.3 लाख के पार

नई दिल्ली, 8 अगस्त (एजेंसियां)। डॉलर इंडेक्स पर दबाव और महंगाई कम होने की संभावना के चलते सोने और चांदी में इस हफ्ते तेजी देखने को मिली, जिससे सोना और चांदी क्रमशः 6 हजार रुपए और 13 हजार रुपए से अधिक महंगे हो गए हैं।

इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट सोने का दाम इस हफ्ते 6,761 रुपए बढ़कर 1,49,621 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जबकि पहले यह 1,42,860 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था। 22 कैरेट सोने की कीमत बढ़कर 1,37,053 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि पहले 1,30,860 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। 18 कैरेट सोने का दाम बढ़कर 1,12,216 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 1,07,145 रुपए प्रति 10 ग्राम था। इस हफ्ते सोने में सबसे न्यूनतम दाम 3 अगस्त को शाम के सत्र में 1,42,557 रुपए प्रति 10 ग्राम देखा गया। वहीं, उच्चतम दाम 7 अगस्त को शाम के सत्र में 1,49,621 रुपए प्रति 10 ग्राम देखा गया। सोने के साथ चांदी की कीमत में भी तेजी देखने को मिली है। चांदी का दाम 13,086 रुपए बढ़कर 2,31,381 रुपए प्रति किलो हो गया है, जो कि पहले 2,18,295 रुपए प्रति किलो था।

इस हफ्ते चांदी में उच्चतम दाम 7 अगस्त को शाम के सत्र में 2,31,381 रुपए प्रति किलो देखा गया। वहीं, न्यूनतम दाम 3 अगस्त को शाम के सत्र में 2,17,287 रुपए प्रति किलो देखा गया। आईबीजेए की ओर से दिन में दो बार सुबह और शाम के सत्र में सोने और चांदी की कीमतों को जारी किया जाता है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने का दाम 4,400 डॉलर प्रति औंस और चांदी का दाम 63 डॉलर प्रति औंस के करीब पहुंच गया है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, सोने और चांदी में तेजी की वजह कच्चे तेल में कमजोरी आने के कारण महंगाई की संभावना कम होना है।

तमिलनाडु के डेयरी नेटवर्क में 22,500 दुधारू गायें जोड़ने की तैयारी में सरकार

चेन्नई, 8 अगस्त (एजेंसियां)। तमिलनाडु की मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली सरकार ने ग्रामीण डेयरी क्षेत्र को मजबूत करने और कोऑपरेटिव डेयरी ब्रांड आविन द्वारा दूध खरीद में आई गिरावट को दूर करने के लिए सहकारी डेयरी नेटवर्क में 22,500 अतिरिक्त दुधारू गायों को शामिल करने की योजना बनाई है। इस पहल के तहत वर्ष 2026-27 में ग्रामीण लाभार्थियों को 10,000 दुधारू गायें मुफ्त वितरित करने का प्रस्ताव है। इसके साथ ही मध्यम और मिनी डेयरी योजनाओं के जरिए 12,500 अतिरिक्त गायों की खरीद को भी बढ़ावा दिया जाएगा।

डेयरी विस्तार कार्यक्रम का विवरण राज्य सरकार द्वारा पशुपालन क्षेत्र को मजबूत करने और ग्रामीण दुग्ध उत्पादकों की आय बढ़ाने के लिए घोषित नवीनतम कदमों के तहत सामने आया है। सरकार को उम्मीद है कि इन उपायों से आने वाले कुछ वर्षों में आविन की दैनिक दूध खरीद में कम से कम 1.5 लाख लीटर की

बढ़ोतरी होगी। योजना के लाभार्थियों को गांव स्तर की प्राथमिक दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों से जोड़ा जाएगा, जिससे वे आविन को दूध की आपूर्ति कर सकेंगे। साथ ही उन्हें पशु चारा सब्सिडी और अन्य सरकारी सहायता भी मिल सकेगी। यह पहल ऐसे समय में महत्वपूर्ण मानी जा रही है, जब आविन की औसत दैनिक दूध खरीद एक साल पहले के लगभग 35 लाख लीटर से घटकर करीब 31.5 लाख लीटर रह गई है।

बेहतर खरीद मूल्य मिलने के कारण कुछ डेयरी किसान निजी डेयरियों की ओर रुख कर

■ वर्ष 2026-27 में ग्रामीण लाभार्थियों को 10 हजार दुधारू गायें मुफ्त वितरित करने का प्रस्ताव

चुके हैं। इसके अलावा, आविन को खरीदे जा रहे दूध में औसत फैट और सॉलिड्स-नॉट-फैट की मात्रा में गिरावट जैसी चुनौतियों का भी सामना करना पड़ रहा है।

डेयरी योजनाओं के तहत प्रस्तावित 12,500 गायों में से 2,500 गायें 500 नई मध्यम आकार की डेयरी इकाइयों के लिए खरीदी जाएंगी। प्रत्येक इकाई में पांच गायें होंगी। शेष 10,000 गायें मौजूदा मिनी डेयरी कार्यक्रम के तहत खरीदी जाएंगी, जिसमें 5,000 इकाइयों को शामिल किया जाएगा और प्रत्येक इकाई में दो-दो गायें होंगी। मीडियम डेयरी योजना के तहत, लाभार्थी शुरू में तीन गायें खरीदेंगे और छह महीने तक उनकी देखभाल करेंगे।

शोधकर्ताओं ने नए अध्ययन में किया खुलासा

हर मच्छर का अपना 'पसंदीदा' इंसान

नई दिल्ली, 8 अगस्त (एजेंसियां)। अगर आपको लगता है कि मच्छर आपको दूसरों से ज्यादा काटते हैं, तो हो सकता है कि आप किसी खास प्रजाति के मच्छर के फेवरेट (पसंदीदा) हों। लेकिन जरूरी नहीं कि हर मच्छर आपको पसंद करे। एक नई स्टडी ने चौंकाने वाला खुलासा किया है कि मच्छरों की अलग-अलग प्रजातियां अलग-अलग इंसानों की तरफ आकर्षित होती हैं। फ्लोरिडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी (एफआईयू) के शोधकर्ताओं ने 119 लोगों पर यह अध्ययन किया। इसमें दुनिया की तीन ऐसी मच्छर प्रजातियों को शामिल किया गया, जो इंसानों में कई गंभीर बीमारियां फैला सकती हैं। शोधकर्ताओं ने देखा कि इन तीनों प्रजातियों को इंसानों की गंध और शरीर से निकलने वाले अलग-अलग रासायनिक संकेत किस तरह आकर्षित करते हैं।

अध्ययन में एडीज एजिप्टी, एडीज एल्बोपिक्टस और क्यूलेक्स क्विनक्वेफैसिएटस को शामिल किया गया। ये तीनों अलग-अलग बीमारियों को फैलाने में भूमिका निभाते हैं। इनमें डेंगू, जीका, येलो फीवर और वेस्ट नाइल जैसी बीमारियां शामिल हैं। नतीजें

चौंकाने वाले थे। तीनों प्रजातियों ने एक जैसे लोगों को पसंद नहीं किया। हर प्रजाति ने इंसानी शरीर की गंध को अपने तरीके से 'पढ़ा' और उसके आधार पर तय किया कि किस इंसान के पास जाना है।

दरअसल इंसानी शरीर से एक हजार से ज्यादा तरह के वाष्पशील कार्बनिक यौगिक निकल सकते हैं। इनमें से कई के बारे में वैज्ञानिक अभी पूरी तरह नहीं जानते। यही रसायन हमारी प्राकृतिक गंध का हिस्सा बनते हैं और मच्छरों के लिए किसी तरह के संकेत का काम कर सकते हैं। स्टडी में सामने आया

- **119 लोगों पर अध्ययन, तीन प्रजातियां शामिल**
- **हर प्रजाति ने इंसानी शरीर की गंध को अपने तरीके से 'पढ़ा'**
- **डेंगू, जीका, येलो फीवर और वेस्ट नाइल जैसी बीमारियां शामिल**

कि एडीज एजिप्टी ऐसे लोगों की ओर ज्यादा आकर्षित हुआ, जिनकी त्वचा में कुछ खास वाष्पशील रसायन कम मात्रा में थे और जो शरीर पर कोई अतिरिक्त खुशबू नहीं लगा रहे थे। इस प्रजाति ने पुरुषों की तरफ हल्की ज्यादा पसंद भी दिखाई। यह मच्छर दिन के समय ज्यादा सक्रिय रहता है।

वहीं एडीज एल्बोपिक्टस, जिसे एशियन टाइगर मच्छर भी कहा जाता है, त्वचा से प्राकृतिक रूप से निकलने वाले कुछ खास केटोन्स और पौधों जैसी गंध वाले रसायनों की ओर ज्यादा आकर्षित हुआ। यह भी दिन में सक्रिय रहने वाली प्रजाति है।

तीसरी प्रजाति क्यूलेक्स क्विनक्वेफैसिएटस की पसंद और भी अलग निकली। यह मच्छर आमतौर पर रात में ज्यादा सक्रिय होता है और इंसान की त्वचा पर मौजूद माइक्रोबायोम यानी बैक्टीरिया, फंगस और दूसरे सूक्ष्मजीवों के समुदाय को पहचानने पर ज्यादा निर्भर करता है।

हमारी त्वचा पर हमेशा लाखों-करोड़ों सूक्ष्मजीव मौजूद रहते हैं। ये माइक्रोब्स हमारी त्वचा की गंध को प्रभावित करते हैं। स्टडी में पाया गया कि कुछ बैक्टीरियल परिवार मच्छरों को इंसान की तरफ आने के लिए प्रेरित कर सकते हैं, जबकि कुछ दूसरे बैक्टीरिया उन्हें दूर रखने वाले संकेत दे सकते हैं।

बता दें कि यह अध्ययन वैज्ञानिक जर्नल आईसाइंस में प्रकाशित हुआ है। शोध टीम का नेतृत्व एफआईयू के न्यूरोजेनेटिसिस्ट मैथ्यू डीगेनारो कर रहे थे, जबकि इस रिसर्च की अगुवाई पीएचडी छात्रा कायली मारेरो ने की। शोधकर्ताओं के मुताबिक, इसके नतीजे भविष्य में मच्छरों से फैलने वाली बीमारियों को रोकने के नए तरीके विकसित करने में मदद कर सकते हैं।

बाबा बैद्यनाथ की भक्ति ने सुल्तानगंज को बनाया कांवरियों की आस्था का केंद्र

भागलपुर, 8 अगस्त (एजेंसियां)। सावन का महीना शुरू होते ही बिहार के भागलपुर जिले का सुल्तानगंज देशभर की आस्था का प्रमुख केंद्र बन जाता है। गंगा के उत्तरवाहिनी स्वरूप के कारण धार्मिक दृष्टि से विशेष महत्व रखने वाला यह क्षेत्र हर साल लाखों कांवरियों की यात्रा का शुरुआती पड़ाव बनता है। श्रद्धालु यहां गंगा स्नान के बाद पवित्र जल कांवर में भरते हैं और करीब 105 किलोमीटर की पैदल यात्रा कर झारखंड के देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं। सवाल यह है कि आखिर बाबा बैद्यनाथ को जल चढ़ाने के लिए सुल्तानगंज से ही गंगाजल क्यों लिया जाता है? इसके पीछे धार्मिक मान्यताओं और सदियों पुरानी परंपराओं का संबंध बताया जाता है। सुल्तानगंज में गंगा की धारा उत्तर दिशा की ओर प्रवाहित होती है। इसे उत्तरवाहिनी गंगा कहा जाता है। सनातन परंपरा में उत्तर दिशा को विशेष आध्यात्मिक महत्व प्राप्त है और उत्तरवाहिनी गंगा के जल को अत्यंत पवित्र माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार भगवान शिव का निवास कैलाश पर्वत भी उत्तर दिशा में माना जाता है। इसलिए उत्तरवाहिनी गंगा का जल शिवलिंग पर अर्पित करना विशेष पुण्यदायी माना जाता है। इसी आस्था के कारण सावन में सुल्तानगंज का पूरा इलाका कांवरियों से भर जाता है। गंगा घाटों पर स्नान और पूजा के बाद श्रद्धालु कांवर में जल भरते हैं और 'बोल बम' के जयघोष के साथ देवघर की ओर रवाना होते हैं। बड़ी संख्या में श्रद्धालु यह दूरी नंगे पैर तय करते हैं। कांवरियों के लिए यह यात्रा केवल एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचने का माध्यम नहीं, बल्कि कठिन तपस्या, संकल्प और भक्ति का प्रतीक मानी जाती है।

धार्मिक मान्यता से जुड़ी एक अन्य कथा के अनुसार भगवान राम ने भी सुल्तानगंज से गंगाजल लेकर बाबा बैद्यनाथ धाम में जल अर्पित किया था। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए श्रद्धालु आज भी यहां से जल लेकर देवघर जाते हैं। हालांकि यह मान्यता धार्मिक परंपरा और लोकविश्वास का हिस्सा है।

सुल्तानगंज का महत्व केवल कांवर यात्रा तक सीमित नहीं है। गंगा की धारा के बीच विशाल चट्टान पर स्थित बाबा अजगैवीनाथ मंदिर यहां का प्रमुख धार्मिक केंद्र है। मंदिर के आसपास की पहाड़ियों पर गुप्त, उत्तर गुप्त और पाल काल से जुड़ी अनेक प्राचीन शिल्पकृतियां मौजूद हैं। विष्णु, उमा-महेश्वर, अर्धनारीश्वर समेत विभिन्न देवी-देवताओं की प्रतिमाएं इस क्षेत्र की समृद्ध कला परंपरा की झलक देती हैं। गंगा तट का मुरली पहाड़ भी पुरातात्विक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। यहां प्राचीन निर्माण अवशेषों, देवी-देवताओं की प्रतिमाओं और शिलालेखों के साथ कई शिवलिंग मिले हैं। दूसरी ओर, सुल्तानगंज में हुए उत्खननों से बौद्ध विहार और स्तूप के अवशेष भी प्राप्त हुए हैं।

'दिल चाहता है' ने हिंदी सिनेमा को दी नई भाषा

मुंबई, 8 अगस्त (एजेंसियां)। फिल्म निर्देशक और अभिनेता फरहान अख्तर का कहना है कि उनकी पहली निर्देशित फिल्म 'दिल चाहता है' ने हिंदी सिनेमा की भाषा बदलने के साथ-साथ फिल्में बनाने के तरीके में भी बदलाव की नींव रखी। उनके मुताबिक, उस दौर में विज्ञापन जगत से जुड़े कई पेशेवर फिल्म उद्योग में आए, जिन्होंने काम करने के तरीके को अधिक व्यवस्थित और पेशेवर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। द जगरनॉट से बातचीत में फरहान अख्तर ने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में नई आवाजें और नया जोश आ रहा था। विज्ञापन जगत से ट्रेनिंग लेकर आए कई एग्जीक्यूटिव्स थे। मैं भी विज्ञापन से आया था। इन लोगों ने फिल्मों की शूटिंग को ज्यादा प्रोफेशनल बनाने में मदद की। मैं खुशकिस्मत था कि उस बदलाव के समय वहां मौजूद था।

वर्ष 2001 में 'दिल चाहता है' से निर्देशन की शुरुआत करने वाले फरहान ने कहा कि इंडस्ट्री की बदलती सोच फिल्म के हर पहलू में दिखाई दी। इसका असर फिल्म की दृश्य भाषा से लेकर उसे बनाने के तरीके तक नजर आया।

उन्होंने कहा कि उनके लिए सबसे बड़ा बदलाव हिंदी फिल्मों के भावनात्मक और संवाद के अंदाज में आया। फरहान के अनुसार, उस दौर ने एक नई भाषा को जन्म दिया। किरदार जिस तरह एक-दूसरे से बातचीत करते और व्यवहार करते थे, उसमें सहजता थी और भावनाओं को जरूरत से ज्यादा नाटकीय नहीं बनाया गया था। फिल्म के लुक को भी कई ऐसे फैसलों ने खास बनाया, जो उस समय हिंदी सिनेमा में आम नहीं थे। बी ब्लंट ने कलाकारों को स्टाइल किया। आमिर खान की गोटी और प्रीति जिंटा के घुंघराले बालों का अंदाज फिल्म की पहचान बन गया।

हंसिका मोटवानी की कहानी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं

मुंबई, 8 अगस्त (एजेंसियां)। हंसिका मोटवानी की कहानी किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं है। बचपन में टीवी की दुनिया में कदम रखा, चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर पहचान बनाई, बॉलीवुड में बड़े सितारों के साथ काम किया और फिर साउथ फिल्म इंडस्ट्री में बतौर लीड एक्ट्रेस अलग जगह बना ली। लेकिन, जितनी तारीफ हंसिका के काम की होती है, उससे ज्यादा चर्चे उनकी निजी जिंदगी को लेकर होते हैं। वह किसी न किसी चीज को लेकर

अक्सर सुर्खियों में बनी रहती हैं। 9 अगस्त 1991 को मुंबई में जन्मीं हंसिका ने बहुत छोटी उम्र में ही कैमरे का सामना करना शुरू कर दिया था। टीवी के मशहूर शो 'शाका लाका बूम बूम' में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट नजर आने के बाद वह घर-घर में पहचानी जाने लगीं। इसके बाद उन्होंने 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' जैसे लोकप्रिय सीरियल में भी काम किया। हंसिका की अगली बड़ी छलांग बॉलीवुड में हुई। ऋतिक रोशन और प्रीति जिंटा की फिल्म 'कोई मिल गया' में उनकी मौजूदगी को दर्शकों ने पसंद किया। कुछ समय बाद हंसिका ने साउथ सिनेमा का रुख किया। उन्होंने तेलुगु फिल्म देसमुदुरु से बतौर लीड एक्ट्रेस डेब्यू किया।

आसियान की रोशनी से जगमगा उठा कुतुबमीनार

नई दिल्ली, 8 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली का मशहूर कुतुब मीनार इतिहास में पहली बार शुक्रवार शाम को एसोसिएशन ऑफ साउथईस्ट एशियन नेशंस (आसियान) के रंगों से जगमग हुआ। आसियान के क्षेत्रीय समूह की 59वीं स्थापना वर्षगांठ देश की राष्ट्रीय राजधानी में मनाई गई। भारत में फिलीपींस के दूतावास के अनुसार, 8 अगस्त, 1967 को पांच देशों द्वारा स्थापित आसियान अब एक समुदाय है, जो सभी 11 साउथ-ईस्ट एशियाई देशों को एक साथ लाता है, जिनमें ब्रुनेई दारुस्सलाम, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओ पीडीआर, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड, तिमोर लेस्ते और वियतनाम शामिल हैं। भारत में सिंगापुर के उच्चायुक्त साइमन वोंग, आसियान नई दिल्ली कमेटी परिवार के साथ 'आसियान दिवस' मनाने के लिए आगे आए और सभी को दिखाया कि आधुनिक क्षेत्रीय कूटनीति असल में कैसी होती है।

उन्होंने कार्यक्रम की तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा कर लिखा, 'नई दिल्ली में हमारे एएनडीसी परिवार के साथ कुतुब मीनार पर पहली बार आसियान झंडे की रोशनी के साथ आसियान दिवस मनाकर बहुत खुश हूं। हमारे फिलीपींस चेयर को बहुत-बहुत धन्यवाद।

वहीं, फिलीपींस के राजदूत जोसेल एफ. इग्नासियो ने कहा, 'हम इस ऐतिहासिक प्रोजेक्ट के लिए भारत सरकार के पूरे समर्थन से बहुत सम्मानित महसूस कर रहे हैं। यह आसियान और भारत के बीच लंबी दोस्ती, सभ्यताओं के जुड़ाव और अब अहम संबंध को दिखाता है, जो हमारे दोनों समाजों में शांति और खुशहाली लाने के लिए साझा मूल्यों और आपसी प्रतिबद्धता पर बना है।'

आसियान और भारत ने 1992 में सेक्टोरल डायलॉग रिलेशन शुरू किए। तीन दशक बाद, 2022 में, यह संबंध एक बढ़ती हुई व्यापक रणनीतिक साझेदारी में बदल गया। दूतावास ने कहा कि अपनी व्यापक रणनीतिक साझेदारी के तहत, आसियान और भारत व्यापार और निवेश, पर्यटन, जुड़ाव, खेती, ऊर्जा, संस्कृति, तकनीक, शिक्षा और लोगों के बीच लेन-देन सहित कई मुद्दों पर सहयोग करते हैं। दूतावास ने आगे लिखा, 'ऐतिहासिक कुतुब मीनार को आसियान के झंडे के रंगों में रोशन किया गया, ताकि 8 अगस्त 2026 को 11 सदस्यों वाले इस समूह की 59वीं स्थापना वर्षगांठ मनाई जा सके।

यूएन ऑफिस पहुंचे पांच भारतीय मोर

चार नीले व एक दुर्लभ सफेद नर मयूर को किया गया भेंट

जिनेवा, 8 अगस्त (एजेंसियां)। जिनेवा स्थित संयुक्त राष्ट्र के 'पैलेस डेस नेशंस' परिसर में भारत से पहुंचे पांच मोरों का स्वागत किया गया। यूएन में भारत के स्थायी मिशन ने इस तोहफे को संयुक्त राष्ट्र के साथ 'हमारी साझेदारी का एक और आयाम 1 करार दिया। वहीं जिनेवा कार्यालय ने इन 'चमकदार राजनयिकों' से सबको रूबरू कराया।

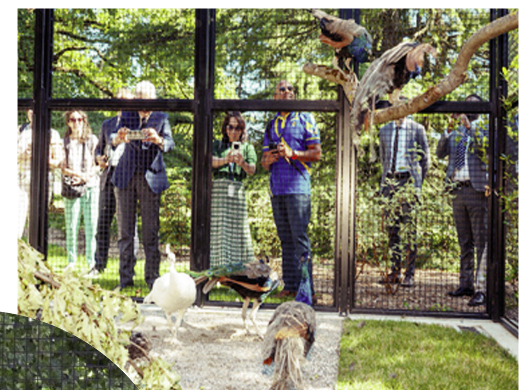

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन ने इस उपहार को भारत और संयुक्त राष्ट्र के बीच साझेदारी का 'एक और आयाम' बताया। मिशन ने एक्स पर लिखा, साझेदारी का एक और आयाम शुरू हुआ। यूएन जिनेवा को हमने उपहार स्वरूप मोर भेंट किए। राष्ट्रीय पक्षी होने के कारण मोरों का हर भारतीय के दिल में विशेष स्थान है। शुक्रवार को इन पांचों पक्षियों का स्वागत किया गया। इसके साथ ही इस परिसर में मोरों को रखने की दशकों पुरानी परंपरा भी जारी है। यूएन न्यूज के अनुसार, भारत की ओर से उपहार में दिए गए पांच युवा मोर यूएन जिनेवा पहुंच गए हैं। यह उस परंपरा को जारी रखता है जो खुद संयुक्त राष्ट्र से भी पुरानी है। जिनेवा के सबसे नए और सबसे चमकदार राजनयिकों से मिलिए।

इस पहल के तहत चार नीले और एक दुर्लभ सफेद नर मयूर भेंट किया गया है। इसका उद्देश्य परिसर में मोरों की संख्या को फिर से बढ़ाना है, जो घटकर केवल एक रह गई थी। इन मोरों को फिलहाल एरियाना पार्क के विशाल एवियरी (पक्षीघर) में रखा गया है, ताकि वे नए वातावरण के अभ्यस्त हो सकें। करीब तीन महीने बाद उन्हें परिसर में स्वतंत्र रूप से घूमने की अनुमति दी जाएगी। जिनेवा की महानिदेशक तातियाना वालोवाया ने कहा कि हम पांच नए मोरों का स्वागत करके बहुत खुश हैं। चार नीले और एक सफेद, संयुक्त राष्ट्र के पारंपरिक नीले और सफेद रंगों को भी रेखांकित करते हैं। हमने उनके लिए एक अस्थायी घर बनाया है। वे अगले तीन महीने यहां रहेंगे और उसके बाद उन्हें स्वतंत्र रूप से घूमने और एरियाना पार्क की मेहमाननवाजी का आनंद लेने की अनुमति दी जाएगी।

यह सजीव भेंट संयुक्त राष्ट्र और भारत के बीच पुरानी राजनयिक परंपरा को आगे बढ़ाता है। 1981 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने जिनेवा को दो मोर भेजे थे।

भारत के संयुक्त राष्ट्र में राजदूत एवं स्थायी प्रतिनिधि अरिंदम बागची ने कहा कि यह भारतीय मिशन के लिए वास्तव में गौरव की बात है कि हम यूएन जिनेवा को पांच मोर 'पावो क्रिस्टेटस' उपहार में दे पा रहे हैं।

धर्म-जाति से उठकर अगर हम पहले भारतीय बनें तो कई समस्याएं होंगी खत्म : असित मोदी

मुंबई, 8 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय लोकप्रिय हास्य धारावाहिक 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के प्रोड्यूसर असित मोदी ने हाल ही में अपने सीरियल के 18 साल पूरे कर लिए हैं। प्रोड्यूसर ने समाज में बढ़ते धर्म, जाति और भाष के मोह पर तंज कसते हुए कहा कि लोगों को खुद को सबसे पहले भारतीय मानना चाहिए। इससे आपसी भाईचारा बढ़ेगा और साथ मिलकर रहने की भावना मजबूत होगी। प्रोड्यूसर का मानना है कि आज के समय में हम, जब किसी से भी मिलते हैं, तो सबसे पहले यही सवाल रहता है कि आप किस धर्म से हैं, जाति क्या है, किस समुदाय से आते हैं या फिर कौन सी भाषा बोलते हैं? मैं हमेशा कहता हूं कि अगर हम सबसे पहले कहें कि मैं भारतीय हूं, तो यह समस्या हल हो जाएगी और सब लोग मिल-जुलकर रह सकेंगे।

उन्होंने अपनी बचपन की बातों को याद करते हुए कहा कि जब हम मुंबई की चॉल में रहते थे, तब वहां पर पड़ोसियों को परिवार की तरह माना जाता था। उन्होंने कहा कि मैं और दिलीप भाई हम दोनों चॉल में रहे हैं। मुंबई में, चाहे भूलेश्वर हो, कालबादेवी हो या दादर, हम सब चॉलों में रहते थे। पड़ोसी ही हमारा परिवार बन जाते थे, क्योंकि घर छोटे होते थे। आज की तरह न्यूक्लियर फैमिली (छोटा परिवार) का कॉन्सेप्ट तब नहीं था। आज भी मैं उन पड़ोसियों से जुड़ा हुआ हूं जो मेरे छह या सात साल की उम्र में मेरे पड़ोसी थे।

असित मोदी ने कहा कि जब आप अपने पड़ोसियों के साथ रहते हैं तो आपको कई चीजें छोड़नी पड़ती हैं। आप मिल-जुलकर रहना सीखते हैं, रहना सीखते हैं और मुझे लगता है कि साथ मिलकर रहना बेहद जरूरी है।

विश्व आदिवासी दिवस : धरती, जंगल व परंपराओं के रखवाले आदिवासी समाज

नई दिल्ली, 8 अगस्त (एजेंसियां)। आदिवासी समाज सदियों से प्रकृति के बेहद करीब रहकर अपनी जिंदगी जीता आया है। जंगल, पहाड़, नदियां और जमीन उनके लिए सिर्फ संसाधन नहीं, बल्कि जीवन और संस्कृति का हिस्सा हैं। विश्व आदिवासी दिवस भी इसी बात पर जोर देता है कि दुनिया की विविधता सिर्फ बड़े शहरों और आधुनिक जीवनशैली से नहीं बनती। जंगलों, पहाड़ों और गांवों में सदियों से अपनी संस्कृति को संजोकर रखने वाले समुदाय भी इस विविधता का बेहद महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

हर साल 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस मनाया जाता है। इसका मकसद सिर्फ एक दिन आदिवासी समुदायों की चर्चा करना नहीं है, बल्कि उनके अधिकारों और समस्याओं को समझना भी है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने दिसम्बर 1994 में हर साल 9 अगस्त को विश्व के मूल निवासियों के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी। यह तारीख इसलिए भी खास है क्योंकि 9 अगस्त 1982 को

संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार संबंधी कार्य समूह की आदिवासी आबादी पर पहली बैठक हुई थी।

भारत में आदिवासी समुदायों की अपनी अलग-अलग भाषाएं, बोलियां, पहनावे, खान-पान, लोकगीत, नृत्य और धार्मिक परंपराएं हैं। देश के अलग-अलग हिस्सों में रहने वाले आदिवासी समुदाय अपनी विशिष्ट पहचान के लिए जाने जाते हैं। उनके त्योहारों और पारंपरिक आयोजनों में प्रकृति का खास महत्व दिखाई देता है।

आदिवासी समाज की सबसे बड़ी खासियत यह है कि उनकी परंपराएं सिर्फ किताबों में नहीं, बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी में जीवित हैं। लोकगीतों और लोककथाओं के जरिए पीढ़ी दर पीढ़ी इतिहास और अनुभव आगे बढ़ते रहे हैं। पारंपरिक नृत्य और संगीत आज भी उनकी सामुदायिक एकता की मजबूत पहचान हैं।

आदिवासी समुदायों का जंगलों से रिश्ता बेहद पुराना है। जंगल उन्हें भोजन, औषधियां, लकड़ी और रोजमर्रा

- **आदिवासी समुदायों की अपनी अलग-अलग भाषाएं, बोलियां, लोकगीत, नृत्य और धार्मिक परंपराएं**
- **शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी कई चुनौतियां**

की कई जरूरतों की चीजें देते हैं। लेकिन इसके बदले प्रकृति की रक्षा करना भी उनकी जीवनशैली का हिस्सा रहा है। पेड़-पौधों, नदियों और वन्यजीवों को लेकर उनके पारंपरिक ज्ञान की अक्सर चर्चा होती है। आज जब पूरी दुनिया पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों से जूझ रही है, तब आदिवासी समुदायों की पारंपरिक जीवनशैली से भी कई महत्वपूर्ण बातें सीखने की जरूरत महसूस होती है। सीमित संसाधनों में संतुलित जीवन जीना और प्रकृति को नुकसान न पहुंचाना उनकी संस्कृति का अहम हिस्सा रहा है।

आदिवासी समुदायों की पहचान का एक बड़ा हिस्सा उनकी भाषाओं में छिपा है। कई आदिवासी भाषाएं और बोलियां पीढ़ियों से चली आ रही हैं। लेकिन बदलते समय, शिक्षा और रोजगार के नए तरीकों तथा मुख्यधारा की भाषाओं के बढ़ते प्रभाव के कारण कई छोटी भाषाओं के सामने अस्तित्व का संकट भी है। भाषा सिर्फ बातचीत का माध्यम नहीं होती, बल्कि उसमें किसी समाज का इतिहास, ज्ञान और संस्कृति भी जुड़ी होती है। इसी कारण आदिवासी भाषाओं को बचाना उनकी सांस्कृतिक पहचान को बचाने जैसा है।

आदिवासी समुदायों के सामने शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी कई चुनौतियां रही हैं। दूरदराज के इलाकों में रहने के कारण कई बार उन्हें बेहतर स्कूल, अस्पताल और रोजगार के अवसरों तक पहुंच बनाने में मुश्किल होती है। हालांकि, समय के साथ सरकारों और विभिन्न संगठनों की ओर से आदिवासी समुदायों के विकास के लिए कई योजनाएं और प्रयास किए गए हैं।

पिंच मयूरासन से पाएं मजबूत कंधा व फिट शरीर

नई दिल्ली, 8 अगस्त (एजेंसियां)। बढ़ती उम्र और कामकाज के बीच शरीर धीरे-धीरे कमजोर होने लगता है। आगे चलकर यही शारीरिक समस्याएं बड़ी बीमारियों का कारण बनती है। हालांकि, योग और नियमित खान-पान से इस पर सुधार किया जा सकता है। ऐसे ही चुनौतीपूर्ण और शक्तिशाली आसनों में से एक है पिंच मयूरासन, जिसे अंग्रेजी में 'फेदर पीकॉक पोज' भी कहा जाता है। इस आसन में शरीर को सिर के बल नहीं, बल्कि कोहनियों और अग्रबाहुओं यानी कोहनी से कलाई तक के हिस्से के सहारे उल्टा साधा जाता है। देखने में जितना आसान लगता है, अभ्यास में उतना ही संतुलन, ताकत और धैर्य चाहिए। पिंच मयूरासन तन और मन दोनों के लिए फायदेमंद है। यह आसन सिर्फ बाहों, कंधों और कोर को ही मजबूत नहीं करता, बल्कि डर पर काबू पाकर आत्मविश्वास बढ़ाने में भी मदद करता है। आयुष मंत्रालय ने पिंच

मयूरासन को संतुलन और व्युत्क्रम आसन के रूप में मान्यता दी है। इसके अनुसार, पिंच मयूरासन को करने के दौरान शरीर का पूरा भार कोहनियों और बांहों पर होता है। यह आसन कंधों, पीठ और पैरों की हड्डियों पर असर करता है। इस आसन को करते समय जब कूल्हों को ऊपर उठाया जाता है, तो शरीर की मांसपेशियों में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है और पोषक तत्व तेजी से हड्डियों तक पहुंचते हैं।

भारतीय मतदाता संसद

भारतीय मतदाताओं का अपना संसद

जनसभा

जनसभा ही क्यों ?

जब दो बिभिन्न विचारधारा की राजनीतिक पार्टी गठबन्धन कर सरकार बना सकती हैं।

तो फिर मतदाता भी भी ऐसा क्यों नहीं कर सकता ?

करके देखें ! ऐसा करने से अच्छे जनप्रतिनिधि को भी अवसर मिलेगा ! मुठितन्त्र वाली सरकार से जनप्रतिनिधि आजाद होगा ! जनप्रतिनिधि मुठितन्त्र के लिए नही लोकतंत्र के लिए होगा ! तब बदलेगा भारत

अब भारतीय मतदाता हारेगा नही, कियोंकि अपने जनसभा संसद में बैठकर अपनी और दूसरे का विचारधारा बदलेगा, फिर एक विचारधारा बनाएगा

वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था और जनसभा राजनीतिक व्यवस्था में अंतर

वर्तमान व्यवस्था

• किसी विशेष राजनितिक पार्टी या समर्थक के रूप में मतदाता को संगठित किया जाता है। जिस कारण मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रूप में चुनने का विकल्प नही रहता इसीलिये लोकतंत्र लोकतंत्र न रहकर मुट्ठितंत्र बन जाता है।

• अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार किसी विशेष पार्टी या राजनितिक के कार्यकर्ता या समर्थक के रूप में करता है जिस कारण अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव महत्व नही रखता।

• भारतीय लोकतंत्र में जनता राजा है पर आज जनता नही कुछ मुट्ठी भर लोग राज कर रहे हैं।

• मुट्ठी भर लोग राज करने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार कम हुआ।

• जनप्रतिनधि बनने के इच्छुक चुनाव के समय ही अपनी कुशलता केवल प्रचार के माध्यम से करता है। जिसमें अधिक रुपया खर्चा करना पड़ता है।

• राजनीति में धन-बल का प्रयोग ज्यादा होता है, जिससे विकास और एक समान मूल अधिकार में बाधा उत्पन होती है।

जनसभा व्यवस्था

• मतदाता मतदाता के रूप में संगठित रहेगा इसीलिये मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रूप में चुनने का विकल्प रहेगा तब लोकतंत्र मुट्ठीतंत्र न बनकर लोकतंत्र रहेगा।

• अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव के आधार पर मत का प्रयोग करेगा।

• भारतीय लोकतंत्र का जो सपना है मुट्ठी भर लोग राज नहीं आम जनता राज करे यह सपना साकार होगा।

• आम जनता का राज होने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार बढ़ेगा।

• जनप्रतिनिधि बनने के इच्छुक को अपनी कुशलता रुपया या प्रचार के माध्यम से नही जनता की अधिक समय सेवा कर दिखाने का अवसर मिलेगा।

• राजनीति में धन-बल का प्रयोग कम होगा जिससे सभी का विकास और एक समान मूल अधिकार सबको मिलेगा।

करके देखें मुठितन्त्र से आजाद होगा हमारा जनप्रतिनिधि फिर भारत बदलेगा

आज ही शब्दवाणी समाचार के स्थाई पाठक बनकर भारतीय मतदाता का अपना संसद जनसभा के सदस्य बनें

शब्दवाणी समाचार विज्ञापन नहीं पाठकों को प्रमुख मानता है इसलिए औरों से अलग है

आज ही शब्दवाणी समाचार (हिंदी दैनिक) के स्थाई पाठक बनें, मात्र 300 रूपये मासिक पर

सम्मान के साथ मिलेगा बहुत कुछ, लेकर देखें

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्कर करें

RNI. NO.DELHIN/2003/09049
हिन्दी दैनिक
शब्दवाणी समाचार
Website : Shabdawanisamachar.page
(नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत)

अस्मिता कयाकिंग-केनोइंग में मध्य प्रदेश ने 12 स्वर्ण सहित 14 पदक जीते

● भोपाल / खेल संवाददाता

अस्मिता कयाकिंग एवं केनोइंग केनो स्प्रिंट सीनियर, जूनियर महिला एवं सब-जूनियर प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 12 स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य सहित कुल 14 पदक अपने नाम किए।

विभिन्न वर्गों की स्पर्धाओं में प्रदेश के खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन कर पदक तालिका में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। राजधानी के छोटे तालाब में महिला खिलाड़ियों ने दम दिखाया और शानदार प्रदर्शन अपने प्रदेश का प्रतिनिधित्व केयिसीनियर महिला वर्ग की सी-4, में मप्र की शिवानी, मासूमा, कावेरी ओर शिवानी वर्मा की चौकडी ने स्वर्ण पदक जीता। ओडिशा ने रजत व हरियाणा ने कांस्य पदक जीता।

के-4 में मप्र की प्रांशी, प्रीति, मोनिका व कुसुम की चौकडी ने स्वर्ण पदक जीता। केरल ने रजत व ओडिशा ने कांस्य पदक जीता। इसके अलावा मप्र के खिलाड़ियों ने के-2 और सी-2 स्पर्धाओं में मप्र के खिलाड़ियों ने स्वर्ण पदक हासिल किए।

वही सी-1 सीनियर गर्ल्स और के-4 सीनियर गर्ल्स वर्ग में भी प्रदेश के खिलाड़ियों ने शीर्ष स्थान हासिल किया। जूनियर बालिका वर्ग में के-2 और सी-2 स्पर्धाओं में मप्र को स्वर्ण पदक मिले। जूनियर गर्ल्स की एक अन्य स्पर्धा में भी प्रदेश की खिलाड़ी ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। सब-जूनियर वर्ग में के-1 और के-2 गर्ल्स स्पर्धाओं में मप्र के खिलाड़ियों ने स्वर्ण पदक जीता। वहीं के-1 गर्ल्स स्पर्धा में प्रदेश को रजत पदक मिला, जबकि सब-जूनियर वर्ग की एक अन्य स्पर्धा में कांस्य पदक हासिल हुआ।

खेलमंत्री सारंग ने पहनाया मेडल

इससे पहले प्रतियोगिता में खेलमंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन कर पदक विजेता खिलाड़ियों को मेडल पहनाया। साथ ही मुख्य अतिथि द्वारा पूजा ओझा पैरा ओलंपियन और राष्ट्रपति अवॉर्डी और प्राची यादव पैरालंपियन अर्जुन अवॉर्डी, विश्वेश्वरी देवी कोच भारतीय खेल विकास प्राधिकरण को अस्मिता के रूप में सम्मानित किया। इस अवसर पर अस्मिता नेशनल के ऑब्जर्वर प्रशांत रघुवंशी सचिव छत्तीसगढ़ तथा रतन सिंह भारतीय खेल विकास प्राधिकरण के ऑब्जर्वर बिना सचिव केरला जोशन,। भारती खेल विकास प्राधिकरण कोच मप्र कयाकिंग एवं कैनोइंग संघ के अध्यक्ष पीएस बुंदेला, एमपीकेसीए के उपाध्यक्ष आरएस कुंभकार, पैरा ओलिंपियन प्राची यादव व पूजा ओझा, प्रशिक्षक विश्वेश्वरी देवी, अंतरराष्ट्रीय तकनीकी अधिकारी विनोद मिश्र, राजू कनाडे उपस्थित रहे। रविवार को प्रतियोगिता के दूसरे दिन 500 मीटर 200 मीटर की रेस संपन्न कराई जाएगी ।

आशीष ने अंडर -20 वर्ल्ड एथलेटिक्स में जीता रजत

भारतीय जैवलिन को मिला नया सितारा

● यूजीन / (एजेंसी)

विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप में पुरूषों के भालाफेंक में आशीष यादव ने सिल्वर मेडल जीता। आशीष ने तीसरे प्रयास में अपना बेस्ट 74.09 मीटर का थ्रो किया। वहीं भारत के टी धरणीधरन 72.35 मीटर के थ्रो के साथ छठे स्थान पर रहे। आशीष ने अपने सर्वश्रेष्ठ निजी प्रदर्शन से 40 सेमी पीछे रह गए।

नीरज ने दी बधाई

नीरज चोपड़ा ने भी आशीष यादव को मेडल जीतने पर बधाई दी है। उन्होंने एक्स पर लिखा, इंटरनेशनल लेवल पर भारतीय एथलीट्स को मुकाबला करते और जीतते हुए देखना हमेशा बहुत अच्छा लगता है, लेकिन एक जैवलिन थ्रोअर होने के नाते यह मेरे लिए कुछ ज्यादा ही खास है।

श्रीलंका इलेवन के खिलाफ वॉर्मअप मैच में भारत के 6 विकेट पर 357 रन

पडिक्कल ने लगाई सेंचुरी, मप्र के सारांश 22 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट

● कोलंबो / (एजेंसी)

श्रीलंका इलेवन के खिलाफ वॉर्मअप मैच के दूसरे दिन भारत ने बैटिंग की। मेजबान टीम ने अपने पहले दिन के स्कोर 8 विकेट पर 363 रन पर पारी घोषित कर दी। दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक भारत ने 6 विकेट पर 357 रन बना लिए हैं। यह वॉर्म अप मैच तीन दिन का है। भारत की तरफ से देवदत्त पडिक्कल ने शतकीय पारी खेली।

यशस्वी भारत के लिए तीसरे नंबर पर उतरे देवदत्त पडिक्कल ने 142 रन बनाकर नाबाद हैं। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल पहले ओवर में खाता खोले बिना विश्वा फर्नांडो का शिकार बने गए। इसके बाद पडिक्कल और केएल राहुल के बीच 96 रनों की साझेदारी हुई। नुवांता की गेंद पर बोल्ड होने के पहले राहुल ने 40 रन बनाए। 103 रन बनाकर देवदत्त पडिक्कल रिटायर्ड हर्ट हो गए। मध्यप्रदेश के सारांश जैन ने भी 22 रन बनाए और रिटायर्ड हर्ट होकर वापस लौटे।

रविंद्र जडेजा ने लगाया अर्धशतक

दो विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और ध्रुव जुरेल कुछ नहीं कर पाए। पंत 2 और जुरेल एक रन बनाकर रमेश मेंडिस का शिकार बने। इसके बाद रविंद्र जडेजा और मानव सुथार ने 76 रनों की साझेदारी हुई। जडेजा ने अपना अर्धशतक पूरा किया। 63 रन बनाकर वो रिटायर्ड हर्ट हो गए। इसके बाद उतरे कुलदीप यादव ने सिर्फ एक रन का योगदान दिया। वह भी रिटायर्ड हर्ट हुए। मानव के बल्ले से 41 रनों की पारी निकली।

सुदर्शन श्रीलंका सीरीज से बाहर, सरफराज दौड़ में आगे

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज होने से पहले भारत को एक और झटका लग गया है। टीम के युवा बल्लेबाज साई सुदर्शन फिट नहीं हो पाए हैं और सीरीज में हिस्सा नहीं लेंगे। 15 अगस्त से दोनों टीमों के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज होनी है। बाएं हाथ के बल्लेबाज सुदर्शन बेंगलुरु के बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैब कर रहे हैं। उनके पैर में दिक्कत है। टीम मैनेजमेंट की उम्मीद थी कि पहला टेस्ट शुरू होने से पहले सुदर्शन फिट हो जाएंगे। अब खबर आ रही है कि साई सुदर्शन सीरीज में नहीं खेल पाएंगे। श्रीलंका दौरे पर साई सुदर्शन की जगह लेने के लिए दो दावेदारों मे सरफराज खान सबसे आगे हैं।

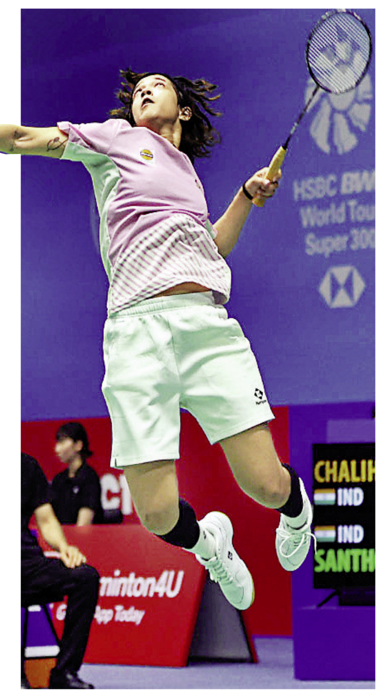

अस्मिता चलिहा कोरिया मास्टर्स सुपर 300 के फाइनल में

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

भारत की अस्मिता चलिहा ने शनिवार को कोरिया मास्टर्स सुपर 300 के महिला एकल फाइनल में जगह बना ली। सेमीफाइनल में अस्मिता ने हमवतन रक्षिता रामराज को तीन गेम तक चले मुकाबले में 21-13, 16-21, 21-13 से हराया। अस्मिता ने पहला गेम 21-13 से अपने नाम किया।

हालांकि, रक्षिता ने दूसरे गेम में वापसी करते हुए 21-16 से जीत दर्ज की । इसके बाद अस्मिता ने अपने अनुभव और आक्रामक खेल का बेहतरीन इस्तेमाल किया। उन्होंने निर्णायक गेम में रक्षिता को कोई मौका नहीं दिया और 21-13 से गेम जीतकर फाइनल का टिकट कटाया। अब 26 वर्षीय अस्मिता की नजर खिताब पर है। गुवाहाटी की यह खिलाड़ी फाइनल में चीन की हान कियानसी से भिड़ेंगी।

पिकलबॉल खिलाड़ियों ने 3 पदक जीते

नई दिल्ली, आरएनएन। एशियन पिकलबॉल जूनियर ओपन/एशियन जूनियर चैंपियनशिप 2026 में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन पदक अपने नाम किए। थाईलैंड के नाखोन पाथोम स्थित माहिडोल यूनिवर्सिटी में आयोजित तीन दिवसीय कॉन्टिनेंटल चैंपियनशिप में भारत ने एक स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक जीता। भारत के लिए पदक जीतने की शुरुआत स्तुति और अंजलि की जोड़ी ने की। दोनों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अंडर-18 गर्ल्स डबल्स वर्ग में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इसके बाद अंजलि पोल ने अंडर-18 गर्ल्स सिंगल्स में रजत पदक जीतकर भारत की पदक तालिका में एक और पदक जोड़ा।

लियोनेल मेसी के पिता का 68 साल की उम्र में निधन

● नई दिल्ली (एजेंसी)

अर्जेंटीना और इंटर मियामी के स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी के पिता जॉर्ज मेसी का 68 साल की उम्र में निधन हो गया। जॉर्ज लंबे समय से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे थे। जॉर्ज की तबीयत को लेकर पिछले कुछ समय से अटकलें लगाई जा रही थीं। लियोनेल मेसी ने भी हाल ही में संकेत दिया था। हालांकि उन्होंने अपने पिता की बीमारी या उनकी स्थिति के बारे में कोई विस्तृत जानकारी साझा नहीं की थी।

मेसी के करियर में पिता का रोल था काफी अहम

थालियोनेल मेसी के फुटबॉल करियर में उनका पिता का रोल काफी अहम था। उन्होंने अर्जेंटीना के स्टील इंडस्ट्री में काम करते थे। वहीं रोसारियो के क्लब में मेसी की शुरुआती समय में फुटबॉल भी सीखाते थे। जब बचपन में मेसी को ग्रोथ हार्मोन की कमीका पता चला तो जॉर्ज का असर और भी अहम हो गया।

हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण द हंड्रेड से बाहर हुईं जेमिमा

नई दिल्ली (आरएनएन)। महिला एशिया कप से पहले टीम इंडिया को बड़ा झटका लगा है। भारत की स्टार बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स चोट के कारण द हंड्रेड टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं। उनकी फ्रेंचाइजी सदर्न ब्रेव ने शनिवार को यह जानकारी दी। इंग्लैंड में खेलते समय 25 साल की खिलाड़ी को हैमस्ट्रिंग की चोट लग गई। उनकी जगह टीम में ऑलराउंडर चार्ली नॉट को शामिल किया गया।

सेज विवि के खिलाड़ियों ने कराटे में जीते 4 पदक

20वीं इंडिपेंडेंस कराटे चैंपियनशिप

● भोपाल (एजेंसी)

सेज यूनिवर्सिटी भोपाल के खिलाड़ियों ने नेशनल और इंटरनेशनल स्तर की कराटे चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए कई पदक जीते।

हाल ही में आयोजित 20वीं इंडिपेंडेंस कराटे चैंपियनशिप-2026 में सेज यूनिवर्सिटी भोपाल के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक अपने नाम किए। यह चैंपियनशिप 7 से 9 अगस्त तक नई दिल्ली में आयोजित की गई। प्रतियोगिता में रूशा तांबत और दीपक रौथान ने स्वर्ण पदक जीतकर यूनिवर्सिटी का नाम रोशन किया। कल्याणी कोडोपे ने रजत पदक और राजवीर सिंह ने कांस्य पदक हासिल किया।

देश में घुड़सवारी खेल को लोकप्रिय बनाने करेंगे विशेष प्रयास: सारंग

पहली बार मध्यप्रदेश खेल विभाग की अभिनव पहल

● भोपाल / (एजेंसी)

सहकारिता, खेल और युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग की अध्यक्षता में खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा शनिवार को टीटी नगर स्टेडियम स्थित मेजर ध्यानचंद हॉल में घुड़सवारी खेल के विकास एवं प्रोत्साहन के उद्देश्य से राष्ट्रीय सेमिनार सम्पन्न हुआ । देश में पहली बार मध्यप्रदेश द्वारा घुड़सवारी खेल के समग्र एवं सुनियोजित विकास के लिए राष्ट्रीय स्तर पर इस प्रकार की पहल की गई है, जिसमें देशभर के प्रतिष्ठित घुड़सवारी प्रशिक्षकों, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों, विशेषज्ञों तथा शासकीय एवं निजी प्रशिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। मंत्री सारंग ने कहा कि यह राष्ट्रीय सेमिनार केवल विचार-विमर्श का मंच नहीं बल्कि देश में पहली बार घुड़सवारी खेल के समग्र विकास के लिए विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों, खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, शासकीय एवं निजी संस्थानों को एक मंच पर लाकर रणनीति तैयार करने की दिशा में अभिनव पहल है। उन्होंने कहा कि सेमिनार से प्राप्त सुझावों को नीति एवं कार्ययोजना में शामिल कर मध्यप्रदेश घुड़सवारी खेल में प्रतिभाओं की पहचान और अंतरराष्ट्रीय स्तर की तैयारी के लिए इकोसिस्टम विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ेगा। देश में घुड़सवारी खेल को लोकप्रिय बनाने के लिए विशेष प्रयास करेंगे।

मप्र की खुशी भारतीय फेंसिंग टीम में चयनित

9 से नाइजीरिया में होगी प्रतियोगिता

● भोपाल / (एजेंसी)

मध्यप्रदेश की अंतरराष्ट्रीय फेंसिंग खिलाड़ी खुशी दाभाडे का चयन सीनियर कॉमनवेल्थ फेंसिंग चैंपियनशिप-2026 के लिए भारतीय टीम में हुआ है। प्रतियोगिता 9 से 14 अगस्त 2026 तक नाइजीरिया में आयोजित की जा रही है। खुशी वुमेंस एपी स्पर्धा में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। वे वर्तमान में भारतीय टीम के साथ नाइजीरिया में हैं। खुशी दाभाडे मध्यप्रदेश राज्य फेंसिंग अकादमी, भोपाल की खिलाड़ी हैं और वुमेंस एपी स्पर्धा में प्रतिस्पर्धा करती हैं। सीनियर कॉमनवेल्थ फेंसिंग चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में उनका चयन प्रदेश की बड़ी उपलब्धि है।

17 वर्ष बालिका वर्ग में सेंट थामस की टीम बनी विजेता

● भोपाल / (एजेंसी)

सेज इंटरनेशनल स्कूल कोलार में एसजीएफआई जिला स्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबलों का आयोजन शनिवार को किया गया। विभिन्न आयु वर्गों के रोमांचक मुकाबलों के बाद विजेता टीमों का चयन हुआ।

एसजीएफआई जिला स्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता संपन्न

17 वर्ष बालिका वर्ग: इस वर्ग में फाइनल सेंट थॉमस, अयोध्या नगर और एसपीएस, साकेत नगर के बीच खेला गया। सेंट थॉमस, अयोध्या नगर ने एसपीएस, साकेत नगर को 36-24 से पराजित कर विजेता बनी

19 वर्ष बालक वर्ग: कार्मेल कॉन्वेंट, रतनपुर और शारदा विद्या मंदिर के बीच खेले गए फाइनल मुकाबले में कार्मेल कॉन्वेंट, रतनपुर ने 15-14 से जीत दर्ज कर विजेता बनी।

14 वर्ष बालिका वर्ग: सेंट टेरेसा और शारदा विद्या मंदिर के बीच हुए फाइनल मुकाबले में सेंट टेरेसा ने शारदा विद्या मंदिर को 15-8 से हराकर खिताब अपने नाम किया।

माइलस्टोन — इनमें से सबसे ज्यादा 1055 मैच भारत ने खेले, ऑस्ट्रेलिया नंबर-2, सचिन टॉप स्कोरर, कोहली शतक के किंग

टेस्ट और टी20 को पछाड़कर वनडे ने छुआ 5000 मैचों का जादूई आंकड़ा

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

स्कॉटलैंड और कनाडा के बीच शनिवार को वनडे क्रिकेट का ऐतिहासिक मुकाबला खेला गया। वनडे क्रिकेट के इतिहास में यह 5000वां मैच था। 55 साल के इतिहास में गेंद और जर्सी के रंग बदलने के साथ वनडे क्रिकेट ने काफी रिकॉर्ड बनते और टूटते देखे हैं। 50 ओवरों के अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा है। सबसे ज्यादा रन मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर के नाम है। सबसे ज्यादा शतक विराट कोहली के नाम है। सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत स्कोर रोहित शर्मा के नाम है। सबसे ज्यादा वनडे मैच भी भारत ने खेले हैं।

सबसे ज्यादा वनडे मैच खेलने वाली टीम: भारत ने 1055 मैच खेले हैं। ऑस्ट्रेलिया ने 1025 और पाकिस्तान ने 1002 मैच खेले हैं।

सबसे ज्यादा हारने वाली टीम: श्रीलंका वनडे में सबसे ज्यादा 461 मैच हराने वाली टीम है। भारत ने 450 और पाकिस्तान 439 मैच गंवाए हैं।

वनडे में किसी टीम का सर्वश्रेष्ठ स्कोर: इंग्लैंड ने नीदरलैंड्स के खिलाफ 2022 में 4 विकेट पर 498 रन बनाए थे।

वनडे में न्यूनतम स्कोर: वनडे में न्यूनतम स्कोर जिम्बाब्वे के नाम है। 2004 में उसने श्रीलंका के खिलाफ 35 रन बनाए थे।

वनडे में सबसे ज्यादा शतक: वनडे में सबसे ज्यादा शतक विराट कोहली के नाम है। उन्होंने 54 शतक लगाए हैं। सचिन तेंदुलकर ने 49 शतक लगाए हैं।

वनडे में सबसे ज्यादा रन: वनडे में सबसे ज्यादा सचिन तेंदुलकर के नाम है। उन्होंने 452 पारियों में 18426 रन बनाए हैं।

वनडे में सबसे ज्यादा अर्धशतक: वनडे में सबसे ज्यादा अर्धशतक सचिन तेंदुलकर ने 96 लगाए हैं।

वनडे में सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत स्कोर: वनडे में सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत स्कोर रोहित शर्मा के नाम है। नवंबर 2014 में श्रीलंका के खिलाफ ईडन गार्डन में उन्होंने 264 रनों की पारी खेली थी।

वनडे में सबसे ज्यादा विकेट: वनडे में सबसे ज्यादा विकेट श्रीलंका के पूर्व स्पिनर मुथैया मुरलीधरन के नाम है। उन्होंने 350 मैचों में 534 विकेट लिए हैं।

राजधानी (न्यू बॉम्बे)

दिन

300 = 3 280 = 0

शुभांक

दिन

349 = 6 188 = 7

भाग्यांक

1 3 4 8

www.kalyangame.com

‘हीर रांझा’ पर अपडेट, क्या रोहित सराफ निभाएंगे लीड रोल

फिल्म ‘हीर रांझा’ को लेकर कई एक्टर्स के नाम सामने आ रहे हैं, जिनमें रोहित सराफ का नाम सबसे आगे बताया जा रहा है। कुछ रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया कि रोहित जल्द ही फिल्म की शूटिंग शुरू करने वाले हैं। लेकिन साजिद अली ने अब इन खबरों पर बड़ा अपडेट दिया है।

कास्टिंग पर बात करते हुए साजिद अली ने कहा, ‘अभी तक कुछ भी फाइनल नहीं हुआ है। ये पुरानी खबर फिर से सामने आ गई है, पता नहीं कहां से।’ उन्होंने यह भी साफ किया कि फिल्म की फीमेल लीड, जिसे एक नई एक्ट्रेस माना जा रहा है, वह भी अभी तक तय नहीं हुई है।

साजिद अली ने बताया कि फिल्म की शूटिंग अक्टूबर के बीच में शुरू होगी, उससे पहले नहीं। उन्होंने कहा, ‘अभी ज्यादा बात करने जैसा कुछ नहीं है, लेकिन हम अक्टूबर के बीच में शूटिंग शुरू करेंगे। हम देहरादून में शूट करेंगे।’

‘हीर रांझा’ के बारे में

साजिद अली के निर्देशन में बनने वाली ‘हीर रांझा’, ‘लैला मजनू’ फ्रेंचाइजी का दूसरा हिस्सा होगी। मेकर्स के मुताबिक, यह फिल्म दर्शकों के साथ इमोशनल जुड़ाव को आगे बढ़ाएगी। मेकर्स ने कहा कि, ‘यह फिल्म क्लासिक रोमांस पर आधारित होगी, लेकिन आज के समय के हिसाब से बनाई जाएगी। ‘हीर रांझा’ नई पीढ़ी के लिए प्यार को नए तरीके से दिखाएगी और एक इमोशनल और पोएटिक सिनेमाई अनुभव देने का वादा करती है। टाइटल सामने आते ही ‘लैला मजनू’ के फैंस में काफी एक्साइटमेंट देखी गई है।’

लंबे समय तक टिके रहने के लिए हर दिन मेहनत करनी पड़ती है

अभिनेता रवि किशन की बेटी रिवा किशन ने नेपो कहे जाने पर अपनी बात रखी है। हाल ही में वह रियलिटी शो ‘अलायंस’ में नजर आई थीं। उनका कहना है कि वह रवि किशन का सरनेम इस्तेमाल करने के साथ-साथ कुछ खास फायदे और दबाव भी महसूस करती हैं।

मैंने कड़ी मेहनत देखी है

टाइम्स ऑफ इंडिया ने रिवा किशन के हवाले से लिखा ‘मैंने बहुत करीब से देखा है कि इस प्रोफेशन में असल में क्या चाहिए होता है। लोग अक्सर सफलता देखते हैं लेकिन मैंने उसे पाने के लिए बरसों का अनुशासन, हिम्मत और कड़ी मेहनत देखी है। अपने पिता को अलग-अलग इंडस्ट्रीज में काम करते और खुद को लगातार बदलते हुए देखकर मैंने सीखा कि लंबे समय तक टिके रहने के लिए हर दिन मेहनत करनी पड़ती है।’

अपनी जगह बनाऊंगी

वह आगे कहती हैं, ‘मुझे रवि किशन की बेटी होने पर बहुत गर्व है, यह मेरी पहचान का एक ऐसा हिस्सा है, जिससे मैं कभी पीछे नहीं हटूंगी। लेकिन मैं यह भी जानती हूं कि एक एक्टर के तौर पर मुझे अपनी अलग पहचान बनानी होगी और अपनी जगह खुद बनानी होगी।’

उम्मीद तो रहेगी

वह कहती हैं ‘उम्मीदें तो हमेशा रहेंगी, चाहे मेरे सरनेम की वजह से हों या इसलिए कि लोग यह देखने के लिए उत्सुक हों कि मैं क्या नया लेकर आती हूं। मैंने इसे दबाव के बजाय प्रेरणा के तौर पर देखा है। मेरे लिए सफलता का मतलब अपने पिता की परछाई से बाहर निकलना नहीं है, बल्कि अपनी खुद की पहचान के साथ आत्मविश्वास से खड़े होना है।’

....गलती से सीखूंगी

उन्होंने कहा ‘मैंने इस सफर को कभी ऐसा नहीं माना कि मुझे अपने पिता से अलग होना है, न ही ऐसा कि यह मुझे विरासत में मिल जाएगा। उनकी विरासत उनकी अपनी है, मेरी जिम्मेदारी अपनी खुद की पहचान बनाना है। अगर मैं कामयाब होती हूं, तो मैं चाहूंगी कि यह मेरी लगातार अच्छी परफॉर्मेंस की वजह से हो। अगर मैं नाकाम होती हूं, तो मैं उससे सीखना चाहूंगी। मैं और और मजबूत होकर वापसी करना चाहूंगी।

फातिमा ने खुद को क्यों बताया मुसीबत खड़ी करने वाली लड़की

फातिमा सना शेख अपनी अपकमिंग वेब सीरीज ‘तीन कौवे’ को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर इस सीरीज में काम कर रहे कलाकारों के साथ तस्वीरें शेयर की हैं। इसके साथ उन्होंने एक शानदार कैप्शन लिखा है। उन्होंने सभी साथियों को गैंगस्टर बुलाया है। फातिमा सना शेख ने जो तस्वीरें शेयर की हैं, उसमें सिद्धांत गुप्ता और बॉबी देओल नजर आ रहे हैं। एक तस्वीर में फातिमा सबके साथ सेल्फी ले रही हैं। एक और तस्वीर में वह बॉबी देओल के साथ विक्ट्री साइन बनाते हुए पोज दे रही हैं। एक और तस्वीर में फातिमा सिद्धांत से बेबाकी से नजरें मिला रही हैं।

तस्वीरें शेयर करते हुए फातिमा सना शेख ने लिखा ‘गैंगस्टर। तीन कौवे गैंग। हम मजे में हैं। मैं सिर्फ एक लड़की हूं। सबसे अच्छी लड़की। मुसीबत खड़ी करने वाली। बॉबी देओल महान है। बात खत्म।’

सीरीज की स्टारकास्ट

आपको बता दें कि ‘तीन कौवे’ अमेजन प्राइम वीडियो पर आने वाली अपकमिंग सीरीज है। इसमें सिद्धांत गुप्ता, बॉबी देओल और फातिमा सना शेख मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसमें पावेल गुलाटी, रोनित रॉय, ईशा तलवार, चांदनी बैंज और फैसल मलिक भी हैं। इसका निर्देशन प्रियंका घोष कर रही हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ‘तीन कौवों’ की कहानी एक ऐसे पूर्व सीक्रेट एजेंट के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे सात साल से मृत मान लिया गया था। मगर गद्दार करार दिए जाने के बाद वह अपना नाम साफ करने के लिए वापस लौटता है। यह सीरीज इस साल के आखिर में रिलीज हो सकती है।

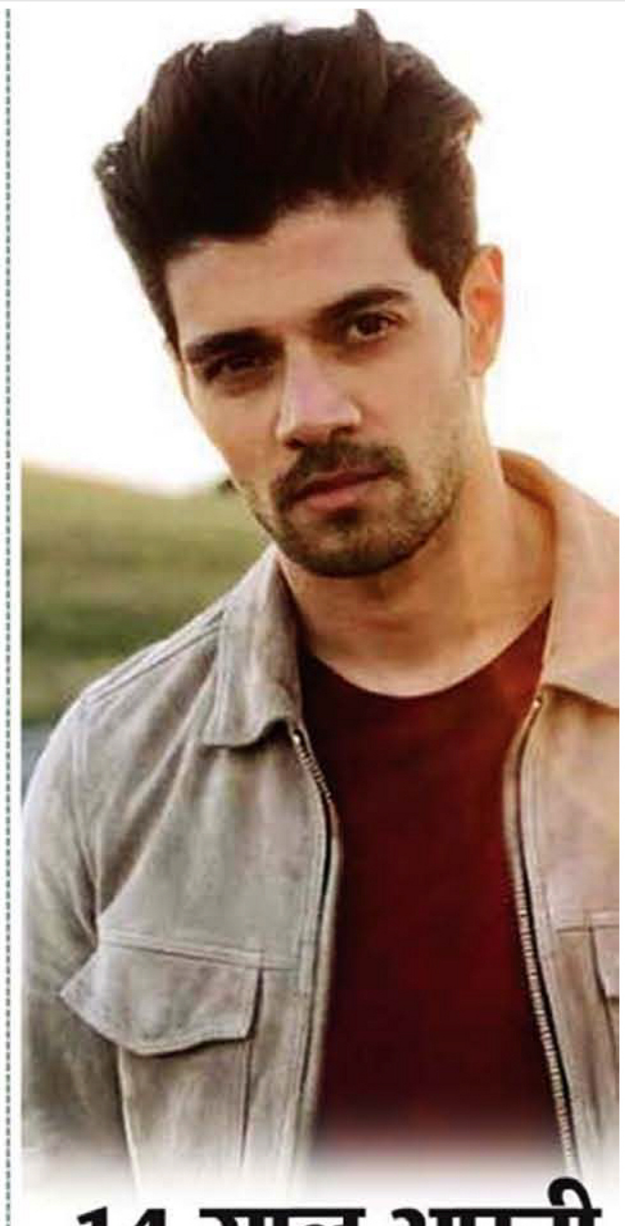

14 साल अपनी बेगुनाही साबित करने में बिताए

एक्ट्रेस जिया ने 2013 में सुसाइड कर लिया था। इसकी वजह से कई साल तक सूरज पंचोली पर मुकदमा भी चला। अब सूरज ने इस मामले में अपना पक्ष फैंस के सामने रखा और उनसे अपील भी की है।

सूरज ने शेयर की पोस्ट

अभिनेता सूरज पंचोली ने सोशल मीडिया के जरिए एक भावुक पोस्ट शेयर किया। उन्होंने लिखा, ‘सभी मीडिया संस्थानों से निवेदन है। कृपया स्पष्ट करें कि आपके किन सवालों के जवाब नहीं मिले और कृपया अपने तथ्यों की जांच सही तरह करें। मैंने 14 साल तक चले मुकदमे का सामना किया। मामला तथ्यों, सबूतों और कानून के आधार पर तय किया गया था। मुझे बरी कर दिया गया था, और कानूनी कार्यवाही से संबधित कोई भी प्रश्न ऐसा नहीं है जिसका जवाब न मिला हो। अदालत के सभी रिकॉर्ड और मुकदमे की कार्यवाही सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं, ताकि कोई भी व्यक्ति जो वास्तव में कोई राय बनाने से पहले फैक्ट को समझना चाहता है, वह उन्हें देख सके।’

‘मैं सिर्फ बीस साल का था’

अपनी पोस्ट में सूरज ने आगे लिखा, ‘जब यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटी, तब मेरी उम्र मात्र 20 वर्ष थी। मैं उसे केवल चार महीने से जानता था, और मुझे इस बात का जरा भी अंदाजा नहीं था कि वह अंदर ही अंदर किस पीड़ा से गुजर रही होगी। उस उम्र में, मैं इतना छोटा था कि यह समझ नहीं पाता था कि कोई व्यक्ति इतना बोझ अपने अंदर कैसे दबा सकता है। इसके बाद जो कुछ हुआ, उसने मेरा जीवन हमेशा के लिए बदल दिया।’ इसके बाद उन्होंने बताया, ‘जिया के सम्मान के कारण, मैंने कभी भी सार्वजनिक रूप से उनकी निजी जिंदगी के बारे में बात नहीं की जो उन्होंने मुझसे साझा की। मैंने अपने साथ हुए हर कष्ट के बावजूद उनकी निजता को सुरक्षित करना चुना। मैं बदले में केवल यही निष्पक्षता और सम्मान चाहता हूं।’

मुकदमे ने बर्बाद कर दिए बेहतरीन साल

अपने बुरे वक्त को याद करने हुए आगे सूरज ने अपनी पोस्ट में बताया, ‘मैंने अगले 14 साल अपनी बेगुनाही साबित करने के लिए संघर्ष किया। ये वो साल थे जब मुझे अपना जीवन संवारना चाहिए था। इसके बजाय, मैं एक ऐसे मुकदमे के बोझ तले जी रहा था जिसने मेरे बीसवें और तीसवें दशक के एक बड़े हिस्से को बर्बाद कर दिया। सिर्फ मैं ही जानता हूं कि हर दिन मेरे मन और दिल में क्या बोझ रहता था। कानून की अदालत ही एकमात्र ऐसी जगह थी जहां मैं अपनी बेगुनाही साबित कर सकता था। मैंने न्यायिक प्रक्रिया पर भरोसा किया, और 14 साल बाद मैं निर्दोष साबित हुआ।’

लोग भले रूड कहें, मगर अपना मुंह बंद नहीं करूंगी

हमेशा सुर्खियों में रहने वाली शहनाज गिल फैंस ओर पैपराजी की फेवरेट हैं। सोशल मीडिया पर शहनाज के तकरीबन 19 मिलियंस फॉलोवर्स हैं। इन दिनों वे खबरों में हैं अपनी नई पंजाबी फिल्म इश्कनामा से। इस मुलाकात में वे इश्क, शादी, फैंस और बेबाकी पर बिंदास होकर बात करती हैं।

इश्क में धूम मचा दो

आज प्यार को सिचुएशनशिप, होस्टिंग, बेंचिंग, जॉम्बिंग जैसे टर्म्स से डिफाइन किया जाता है, जबकि एक जमाने में मोहब्बत, इश्क, उन्स जैसे लफ्ज हुआ करते थे, आपके लिए प्यार क्या है? इस सवाल पर शहनाज कहती हैं, ‘इश्क को लेकर तो मुझे एक गाना याद आ रहा है। ‘इश्क इश्क करना है कर ले, इश्क इश्क में जी ले मर ले, इश्क इश्क ना हो दोबारा, धूम मचा ले’ मुझे लगता है इश्क धूम है, तो इश्क में धूम मचा दो। मगर मैं कभी मर-मिटने वाले जुनूनी प्यार में नहीं पड़ी। मुझे वैसा वाला इश्क नहीं हुआ।’

पंजाबी सिनेमा से अपने करियर की शुरुआत करने वाली शहनाज के लिए बिग बॉस 13 करियर का टर्निंग पॉइंट रहा। उसी के बाद शहनाज की मासूम, बेबाक और बिंदास इमेज बनी, जो लगातार आज भी जारी है। हमने उनसे जानना चाहा कि इस इमेज का उन्हें खामियाजा उठाना पड़ा है या फायदा हुआ है? इस पर उनका कहना है, ‘नुकसान ज्यादा और फायदा कम होता है, मगर मुझे लगता है, दोनों बराबर ही होता है। कई लोग इस चीज को सपोर्ट करते हैं, तो कई लोग ये भी कहते हैं, ‘क्या बोल रही है? क्यों बोल रही है, शी इज सो रूड,’ मगर सॉरी लोगों के लिए मैं खुद को नहीं बदल सकती। मैं जो कुछ कहती हूं, मुंह पर कह देती हूं। मैं ऑनेस्ट हूं, मगर मैं किसी से हर्ट हूं, तो अपना हर्ट होना झट से बता देती हूं। उस वक्त मैं सामने वाले को हर्ट करने के चक्कर में अपने भीतर की सारी अच्छाई और कोमलता छुपा कर जाता देती हूं कि आपने मुझे दुख पहुंचाया है। ऐसा करके मुझे जवाब मिल जाता है कि सामने वाले ने मेरे साथ ऐसा क्यों किया। सच कहूं, तो मैं भले अपनी लाइफ में सॉर्टेड हूं। लेकिन मुंह बंद नहीं करूंगी।’

सच्चे फैंस को गले लगा लेती हूं

सोशल मीडिया हो या फैंस अथवा हो पैपराजी शहनाज गिल हर किसी की फेवरेट हैं। वे अपने फैंस और पैपराजी से बड़े प्रेम से पेश आती हैं। इस पर शहनाज कहती हैं, ‘जो लोग मुझे जेनुइनली प्यार करते हैं, उनकी वाइब्स मुझे पता चल जाती हैं। जो मेरे सच्चे फैंस हैं, मैं उन्हें पहचान जाती हूं, तो जो वाकई मुझे प्यार करते हैं, मैं उन्हें पकड़ कर गले लगा लेती हूं।’

अपने परिवार में किसी एक को दोस्त बनाना जरूरी है

बहुत कम लोग जानते हैं कि ग्लैमर वर्ल्ड में आने से पहले शहनाज पर भी आम लड़कियों की तरह परिवार की तरफ से शादी का बहुत प्रेशर था। वे कहती हैं, ‘मुझ पर काफी प्रेशर था शादी का। मैं जब भी शादियों में शामिल होती थी, तो मुझे रिश्तेदार पसंद कर लेते थे और रिश्ता भेज देते थे। मगर मैं उन रिश्तों को भगाने के लिए बहुत एटिट्यूड में रहती थी कि अगर मुझसे रिश्ता किया गया, तो मैं लड़के के घरवालों एक बैंड बजा दूंगी। इससे लड़के वाले भाग जाते थे।(हंसती हैं) मगर यहां मैं यही कहूंगी कि जब भी किसी लड़की पर शादी का दबाव बनाया जाए, तो उसे अपने दादा-दादी, मम्मी -पापा किसी से झिझकना नहीं चाहिए। अपनी बात बताना और रखना जरूरी है। आप इस बारे में बाहर बात करते हैं, अपने फ्रेंड्स से शेयर करते हैं, पर मैं कहूंगी कि अपने परिवार के अंदर दोस्त बनाओ। परिवार में कम से कम एक ऐसा दोस्त बनाओ, जो आपके इतना करीब हो कि उसे आप अपनी हर बात साझा कर सको।

....तब सोशल मीडिया से चार दिन की छुट्टी ले लेती हूं

अपने आसपास की नेगेटिव एनर्जी से डील करने के टिप्स देते हुए वे कहती हैं, ‘मैं पॉजिटिव और हाइड्रेटेड रहती हूं। अपना मेकअप करती हूं। अगर मुझे अपने बारे में कुछ ज्यादा ही नेगेटिव दिख रहा है, तो फिर मैं थोड़ी देर के लिए फोन स्विच ऑफ कर लेती हूं। अपने करीबियों को बुलाती हूं और उनके साथ थोड़ी मौज -मस्ती करती हूं। फिर मैं चार दिन तक सोशल मीडिया देखती तक नहीं। इससे मेर दिमाग उन चीजों से दूर हो जाता है। वैसे भी चार दिन बाद कोई भी खबर ठंडी पड़ जाती है। मगर इन चार दिनों में मैं जम कर मजे करती हूं।’

मोहम्मद जोशी के लिय टाइम्स मास कम्युनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा पंजीकृत कार्यालय जे 85 सीमापुरी, दिल्ली से प्रकाशित इंकलाब भारत प्रेस जे एण्ड के दिलशाद गार्डन दिल्ली से मुद्रित संपादकीय कार्यालय समाचार भवन एफ-126 शाहिद नगर, चिकम्बरपुर, साहिबाबाद, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201006 ईमेल : shabdwanisamchaarw2003gmail.com www. shabdawanisamachar.page संपादक मोहम्मद जोशी ,सलाहकार संपादक : अशोक लालवानी

refresh™
MATTRESS
SLEEP HEALTHY. Wake beautiful.
HDFC BANK
We understand your world
Mega Exchange Offer
Limited time only
Zero Down Payment &
EMI Available on Selected Models
• Get Value upto ₹12000/- for Old Mattress
• Assured Gifts upto ₹12448/-
• Total Exchange Benifits ₹24448/-
BLOSSOM
refresh
Premium
PRISTINE
PRISTINE
PRISTINE
PRISTINE
Offer available on
1pc of 72" x 60" or 2pcs of 72" x 30"
and above
Hurry !!! Rush to your nearest dealer
Customer care no. : 18001209630